फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 279 प्रभात जयपुर, शनिवार 11 मई, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

THE MANY REBIRTHS OF POLO

"Let other people play at other things. The king of games is still the game of Kings." - J. K. Stephan

Celebrating Mothers & Their Motherhood

The significance of *Mother's Day* lies in its ability to acknowledge the profound impact that mothers have on the lives of their children, imparting values, providing support, and nurturing growth.

वैज्ञानिकों को जाएंट रिवर डॉल्फिन की खोपड़ी का एक जीवाश्म मिला है। समझा जाता है कि डॉल्फिन की यह प्रजाति पहले समुद्र में रहती थी और 16 मिलियन वर्ष पूर्व पेरु की एमेज़ॉन नदी में रहने लगी थी। वैज्ञानिकों का मानना है कि, विलुप्त प्रजाति की ये डॉल्फिन साढ़े तीन मीटर लम्बी रही होंगी, जिसे विश्व की सबसे लम्बी रिवर डॉल्फिन कहा जा सकता है। इस नई प्रजाति, पेबानिस्टा याकूरुना की खोज ने विश्व की बची खुची रिवर डॉल्फिन्स के खतरे को उजागर कर दिया है। शोध के अनुसार, आगामी 20-40 वर्षों में इन सभी को ऐसे ही खतरे का सामना करना पड़ेगा। साईन्स एडवांसेज़ में छपे इस शोध में मुख्य शोध लेखक आल्डो बेनीते पालमीनो ने कहा कि, यह नई प्रजाति डॉल्फिन की प्लाटानिस्टोइडिआ फैमिली से संबंधित है, जो 24 मिलियन और 16 मिलियन वर्ष पूर्व महासागरों में मिलती थीं। इस समय जो रिवर डॉल्फिन्स हैं, वे इन्हीं समुद्री डॉल्फिन्स की वंशज मानी जाती हैं। माना जाता है कि, इन्होंने नए भोजन स्रोत की तलाश में समुद्र को छोड़कर मीठे पानी वाली नदियों को अपना आवास बनाया था। वैज्ञानिक बेनीते पालमीनो ने वर्ष 2018 में पेरु में इस जीवाश्म की खोज की थी, तब वे स्नातक छात्र थे और अब युनिवर्सिटी ऑफ ज़्यूरिख में रिसर्च कर रहे हैं। उस समय अपने साथी के साथ घूमते समय उन्हें सबसे पहले जबड़े का एक टुकड़ा मिला था। वे पहचान गए कि यह जीवाश्म डॉल्फिन का था, लेकिन यह एमेज़ॉन में मिलने वाली पिंक रिवर डॉल्फिन का नहीं था। क्योंकि यह किसी बड़े आकार की डॉल्फिन का लग रहा था, जिसके सबसे करीबी रिश्तेदार इस समय दस हजार कि.मी. दूर साउथ ईस्ट एशिया में रहते हैं। ज़्यूरिख युनिवर्सिटी के जीवाश्म विभाग के निदेशक मारसैलो आर. सैन्चेज़ विसाग्रा ने कहा कि, यह खोज बहुत रोचक है। इस तरह की डॉल्फिन की खोज पहली बार हुई है। बेनीते ने कहा कि, डॉल्फिन का यह जीवाश्म अपने आकार की वजह से महत्वपूर्ण तो है ही साथ ही इस वजह से भी खास है क्योंकि, इसका इस समय एमेज़ॉन नदी में मिलने वाली डॉल्फिन्स से कोई सम्बंध नहीं है। जीवाश्म के वर्तमान जीवित रिश्तेदार, जो गंगा और सिंधु नदी में पाए जाते हैं, सहित सभी रिवर डॉल्फिन विलुप्ति के खतरे से जूझ रही हैं।

एक जून तक के लिये केजरीवाल जेल से अंतरिम जमानत पर रिहा

उनकी रिहाई से मीडिया व राजनीतिक नेता अचंभित, क्योंकि, अधिकतर चर्चा यह थी कि, केजरीवाल को किसी हालत में जमानत नहीं मिलेगी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतरिम जमानत दिए जाने से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुश्किलें और बढ़ गईं हैं।

शुक्रवार शाम उन्हें तिहाड़ जेल से छोड़ दिया गया। कार्यकर्ताओं की भीड़ ढोल और गाजे- बाजे के साथ उन्हें घर ले गई।

केजरीवाल को एक जून तक के लिए जमानत मिली है। इससे सत्तारुढ भाजपा और मीडिया को भारी झटका लगा है क्योंकि चर्चा यही थी कि केजरीवाल को किसी भी सूरत में जमानत नहीं मिल सकती। पर केजरीवाल ने हर मुश्किल का सामना किया, अब वे दिल्ली, पंजाब यहां तक कि उत्तरप्रदेश में भी मोदी का मुकाबला करने को तैयार हैं। उम्मीद है कि वे इन राज्यों में गहन चुनाव प्रचार करेंगे।

- **यह सच है कि, जब से मु.मंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई थी तथा उन्हें तिहाड़ जेल में कैद रखा गया था, उनके प्रति दिन पर दिन सहानुभूति पैदा हो रही थी जनमानस में।**
- **अब दिल्ली की सात संसदीय सीटों पर तीव्र संघर्ष होगा, क्योंकि चर्चा है कि, केजरीवाल अब धुंआधार चुनाव अभियान चलायेंगे दिल्ली में।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को इस शर्त पर रिहा किया है कि, वे ना तो अपने दफ्तर जायेंगे, ना ही मु.मंत्री कार्यालय जायेंगे और ना ही किसी ऑफिशियल फाइल पर दस्तखत करेंगे। पर, वे चुनाव प्रचार के लिए पूर्ण रूप से स्वतंत्र हैं, उन पर कोई पाबंदी नहीं है।**

जब से केजरीवाल को गिरफ्तार कर जेल में डाला गया है तब से उनके लिए जमीनी स्तर पर बेहद गरीब वर्गों में सहानुभूति बढ़ रही है।

वे सवाल कर रहे हैं कि चुनाव से ठीक पहले एक निर्वाचित मुख्यमंत्री को क्यों गिरफ्तार किया गया है? वे कहते हैं केजरीवाल ने गरीबों को बहुत ज्यादा राहत दी है इसीलिए वे मोदी की आंखों में चुभ रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि उनकी रिहाई के बाद भाजपा दिल्ली की सातों सीटों पर मुश्किल में आ गई है, क्योंकि अब केजरीवाल इन सीटों पर भारी प्रचार करेंगे।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन है। आप 4 सीटों पर कांग्रेस 3 सीटों पर मैदान में है।

आशंकाएं थी कि दोनों दलों के कार्यकर्ता एक दूसरे की पार्टियों के लिए काम नहीं करेंगे। पर सभी कार्यकर्ता और नेताओं का मत है कि अभी ज्यादा महत्वपूर्ण है भाजपा को हराना, आपसी मतभेद तो बाद में भी हल किए जा सकते हैं।

केजरीवाल से सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वे ना तो अपने ऑफिस जा सकते हैं ना ही किसी फाइल पर हस्ताक्षर कर सकते हैं पर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें देशभर में भाजपा के खिलाफ प्रचार से नहीं रोका है। इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने केजरीवाल की रिहाई पर बधाई दी और कहा कि इससे विपक्ष की ताकत बढ़ी और भाजपा कमज़ोर पड़ी है।

हेमंत सोरेन के समर्थक अति उत्साहित है, केजरीवाल की रिहाई ने राह दिखा दी है, झारखण्ड के मु.मंत्री की भी रिहाई की

हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना, जो पार्टी की नेता भी हो गयी हैं, ने कहा, "हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है, हमें शीघ्र ही शुभ समाचार मिलेगा कोर्ट से"

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। "इण्डिया ब्लॉक" और "आप" पार्टी के नेता, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उच्चतम न्यायालय द्वारा अंतरिम जमानत दिए जाने पर उत्साहित हैं क्योंकि यह अब विपक्ष के चल रहे चुनाव प्रचार में नया जोश भर देगा, लेकिन इस घटनाक्रम ने झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जे.एम.एम.) के सदस्यों में बड़ी आशाएं जगा दी हैं। शीर्ष न्यायालय ने केजरीवाल को सशर्त जमानत देने के बाद जे.एम.एम. के नेता खुश हैं क्योंकि इस आदेश से एक नज़ीर बन गई है जिसके आधार पर हेमंत सोरेन के जेल से छूटने के प्रयास किए जा सकते हैं। हेमंत सोरेन भी एक आन्य विपक्षी मुख्यमंत्री हैं जो भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण जेल में हैं।

- **कल्पना सोरेन ने इन तर्कों को खारिज कर दिया कि, सुप्रीम कोर्ट के आदेश से गलत परम्परा पड़ी है कि, राजनीतिज्ञ (नेता लोग) एक अलग व सोशल क्लास हैं।**
- **कल्पना सोरेन के अनुसार, चुनाव प्रचार में भाग लेना और अपनी पार्टी के लिये प्रचार करके वोट मांगना संवैधानिक अधिकार है तथा सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से सभी चुनाव लड़ने वालों के लिये, "लैवल प्लेईंग फील्ड" स्थापित हुई है।**

हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना जो हाल ही में जे.एम.एम. में सक्रिय पद पर आई हैं, ने कहा, हम आशावान ही नहीं बल्कि हमें पक्का यकीन है कि, "बहुत जल्दी हमको न्यायालय से खुशखबरी मिलेगी।" उन्होंने आगे कहा, "केजरीवाल के केस का फैसला निश्चित रूप से हमारे लिए ऊर्जादायक है। इससे हम सबको, हर जे.एम.एम. पार्टी कार्यकर्ता को और "इण्डिया" गठबंधन को उम्मीद बंधी है। हमको खुशी है कि केजरीवाल बाहर आ गये हैं और हेमंत सोरेन के लिए भी हम यही आशा करते हैं।

कल्पना ने इन दलीलों को नकार दिया कि उच्चतम न्यायालय ने राजनीतिज्ञों को आम आदमी से अलग मानते हुए एक गलत उदाहरण पेश किया है और कहा कि आदेश संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार था। जे.एम.एम. नेता कल्पना ने आगे कहा, "आम चुनाव पांच साल में एक बार ही आते हैं। राजनीतिज्ञ होने के नाते प्रचार करना, जनादेश मांगना और चुनाव लड़ना हमारा हक है। आज के समय में, सभी को अवसर मिलने चाहिए ताकि संविधान को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे अनर्गल आरोप न लगाएं'

नई दिल्ली, 10 मई। चुनाव आयोग ने मौजूदा लोकसभा चुनाव में मतदान के आंकड़ों में विसंगति के बारे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के छह मई के पत्र में उठाए गए सवालों को आक्षेप और आरोप बताते हुए को शुक्रवार को खारिज कर दिया।

आयोग ने खड़गे को भेजे गए विस्तृत जवाब में यह भी कहा है कि, उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी उस पत्र में संबंधित मुद्दे पर सवाल पूछने की आड़ में एक वक्तव्य दिया जो सार्वजनिक तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में असत्य है।

- **चुनाव आयोग ने मतदान आंकड़ों में विसंगति के आरोप के संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा लिखी गई चिट्ठी का जवाब देते हुए कहा।**

खड़गे ने छह तारीख को आयोग को लिखे पत्र में छह सवाल उठाए थे और उस पत्र को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर डाल दिया था। आयोग ने कहा है कि, पत्र में लिखा है कि "इतिहास में पहली बार मतदान के अंतिम प्रतिशत आंकड़े जारी करने में देरी की गयी है और उसमें मीडिया की विभिन्न खबरों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शराब के ठेके चलाने की अवधि जबरन बढ़ाने का आदेश रद्द

हाईकोर्ट ने लगभग 500 लाइसेंस धारकों को राहत देते हुए राज्य सरकार के आदेश को रद्द किया है

जयपुर, 10 मई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के 13 मार्च 2024 के उस आदेश को रद्द कर दिया है जिसके तहत शराब के ठेकों के लाइसेंस धारकों को 30 जून 2024 तक शराब की दुकानें संचालन करने के आदेश दिये गये। गौरतलब है कि प्रदेश में करीब 7000 शराब ठेकों के लाइसेंस धारकों में से 4000 ने जनवरी-फरवरी, 2024, में आयोजित शराब के ठेकों के लाइसेंस की नीलामी में भाग नहीं लिया था। परंतु राज्य सरकार ने सभी भाग ना लेने वाले पुराने लाइसेंसधारकों की लाइसेंस अवधि का समय एकतरफा कार्रवाई करते हुए तीन माह और बढ़ा दिया था, जिसके खिलाफ कृष्णा शर्मा व 275 अन्य याचिकाकर्ताओं ने जयपुर स्थित हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और वहीं करीब 200 अन्य लाइसेंस धारकों ने जोधपुर में याचिका दायर की थी। आज जयपुर में सुनवाई के बाद जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल की एकलपीठ के इस आदेश से इन करीब 500 लाइसेंसधारकों को राहत मिली है। इस

- **राज्य सरकार ने नई लिकर पॉलिसी के तहत जनवरी-फरवरी में 7000 शराब ठेकों के लाइसेंस के लिये निविदा आमंत्रित की थी लेकिन करीब 4000 पुराने लाईसेंस धारकों ने इसमें भाग नहीं लिया। उनका कहना है कि, उन्हें नई नीति से तय दर पर राजस्व देने में घाटा हो रहा है।**
- **इन 4000 लाइसेंस धारकों में से करीब 500 ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। उनका कहना था कि, राज्य सरकार उनके लाइसेंस की अवधि बढ़ाकर उन्हें घाटे पर कार्य करने पर विवश नहीं कर सकती। उन्होंने कोर्ट से यह भी कहा कि, राज्य सरकार ने उनकी सुरक्षा राशि लौटाने से मना कर दिया, जब तक कि बढ़ाई गई अवधि का समय समाप्त नहीं हो जाता।**
- **हालांकि, अदालत को यह नहीं बताया गया है कि, लाइसेंस धारकों को नई पॉलिसी के तहत घाटा क्यों हो रहा है, जबकि नई पॉलिसी और पुरानी पॉलिसी में कोई खास परिवर्तन नहीं है।**

मामले में लाइसेंसधारकों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.बी.माथुर और उनके सहायक अधिवक्ता पलक माथुर पेश हुए थे और अदालत में इस मामले को अधिवक्ता अचिंत्य कौशिक ने दायर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भारत को परमाणु शक्ति सम्पन्न पाकिस्तान से डरना चाहिए'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। कांग्रेस ने अपने पूर्व सांसद मणि शंकर अय्यर के द्वारा पाकिस्तान पर की गई टिप्पणी से अधिकृत रुप से स्वयं को अलग कर लिया है, परंतु भाजपा के केन्द्रीय मंत्री राजीव चन्द्रशेखर ने शुक्रवार को दावा किया कि कांग्रेस का यह एक पैटर्न बन गया है कि उसके नेताओं द्वारा दिए गए बयानों से खुद को अलग कर लेती है

- **कांग्रेस ने अपने पूर्व सांसद मणिशंकर अय्यर के इस बयान से हालांकि दूरी बना ली है, पर भाजपा इस बयान के आधार पर कांग्रेस को निशाना बना रही है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चुनाव प्रचार में भाग लेना न तो "फंडामैंटल राईट" है, न ही संवैधानिक अधिकार और न ही कानूनी अधिकार'

ई.डी. के वकील व एडिशनल सॉलिसिटर जनरल की यह दलील सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार नहीं की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। सुप्रीम कोर्ट ने देश के लोकतांत्रिक मूल्यों पर दृढ़ रहते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को आज 1 जून तक के लिए अंतरिम जमानत पर रिहा कर दिया। उन्हें अंतरिम जमानत देने से पूर्व एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) ने भारी आपत्तियाँ जतायीं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनकी जमानत मंजूर करते हुए उन्हें वर्तमान लोकसभा चुनाव में प्रचार करने की अनुमति प्रदान की। केजरीवाल दिल्ली के आबकारी घोटाले से संबंधित एक मनी लॉण्ड्रिंग केस को लेकर गिरफ्तार किए गए थे।

जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की एक बैंच ने कहा कि "हम 1 जून तक अंतरिम जमानत प्रदान करने के लिए एक अंतरिम आदेश जारी कर रहे हैं।

इसी बैंच ने गत 7 मई को यह स्पष्ट संकेत दिया था कि लोकसभा चुनावों को देखते हुए केजरीवाल को एक सीमित अवधि के लिए रिहा किया जा सकता है।

केजरीवाल की पैरवी कर रहे सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने बैंच से अनुरोध किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को कुछ और दिन बाहर रहने दिया जाए क्योंकि वोटों की गिनती 4 जून को होगी, तथापि बैंच ने उनकी इस मांग को स्वीकार नहीं किया।

सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि "ऐसा कोई पूर्व उदाहरण मौजूद नहीं है जिसमें किसी व्यक्ति को चुनाव प्रचार के लिए रिहा किया गया हो।"

इस पर जस्टिस खन्ना ने कहा कि "हमें यह किसी धारणा से नहीं जोड़ना है। हम आदेश पारित कर रहे हैं।"

- **सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मु.मंत्री को 21 दिन की अंतरिम जमानत पर रिहा किया।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने रिहाई का आदेश देते हुए यह भी कहा कि, केजरीवाल बार-बार सम्मन मिलने के बाद भी, न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हुए तथा उनके खिलाफ एक गंभीर मुकदमा चल रहा है, पर, उन्हें अभी दोषी करार नहीं किया गया है, और वो आदतन अपराधी नहीं हैं, और न ही समाज को उनसे कोई खतरा है, अतः उन्हें अंतरिम जमानत पर 21 दिन के लिये रिहा किया जाता है।**

एडीशनल सॉलीसिटर जनरल एस.वी. राजू ने कहा कि "केजरीवाल इस केस के बारे में कुछ नहीं कह सकते है," तो जस्टिस खन्ना ने कहा कि "संजय सिंह के प्रकरण की भांति उतने ही मजबूत बयान से आप उन्हें जवाब दे सकते हैं।

गत 21 मार्च को गिरफ्तार किए गए केजरीवाल वर्तमान में दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं। उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा गत 9 अप्रेल को दिए गए निर्णय को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। दिल्ली हाई कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी को जायज़ माना था। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने केजरीवाल को 20 मई तक न्यायिक अभिरक्षा में रखने के आदेश दिए थे।

आम आदमी पार्टी (आप) के सीनियर नेता संजय सिंह को भी आबकारी नीति घोटाले से संबंधित केस में 4 अक्टूबर 2023 को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन शीर्ष अदालत ने गत 2 अप्रेल को उनकी जमानत मंजूर कर ली थी।

संजय सिंह के केस में ई.डी. ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि उन्हें जमानत पर रिहा करने में उसे कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, ई.डी. ने यह भी स्पष्ट किया था कि सिंह को दी गई न्यायिक छूट को एक नज़ीर ना माना जाए।

"आप" के दो अन्य सीनियर नेता दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन, मनी लॉण्ड्रिंग के दो अलग-अलग केसों में अभी जेल में ही बंद हैं।

10 मई की अहम सुनवाई से ठीक पहले ई.डी. ने एक ताजा शपथ पत्र प्रस्तुत कर इस पर जोर दिया था कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल को सशर्त जमानत

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। न्यायाधीश संजीव खन्ना व दीपांकर दत्ता की सुप्रीम कोर्ट बैंच ने दिल्ली के मुख्यमंत्री से कहा कि वे शराब नीति घोटाला के बारे में कुछ भी नहीं बोलेंगे यही बात कोर्ट ने इसी मामले से संबंधित पिछले माह आप पार्टी के नेता संजय सिंह को जमानत देते समय कही थी। यही शर्त उन पर भी लगाई थी।

- **दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने एक जून तक के लिए 5 शर्तों पर जमानत दी है।**

उन्हें वर्तमान लोकसभा चुनावों के दौरान केवल आप पार्टी का प्रचार करने के लिए अनुमति प्रदान की गई है।

केजरीवाल को इस जमानत अवधि में मुख्य मंत्री के बतौर कोई भी अधिकारिक कार्य करने की इजाजत नहीं दी गई है और वो इस अवधि के दौरान उनके दिल्ली सचिवालय स्थित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

पति के किये पत्नी कार्य में मंत्री के समान सलाह देने वाली, सेवा में दासी के समान काम करने वाली, माता के समान सुन्दर भोजन बनाने वाली, धर्म के अनुकूल और क्षमादी गुण धारण करने में पृथ्वी के समान स्थिर रहने वाली होती है। –संस्कृत सूक्ति

असंगठित क्षेत्र में महिला कामगारों की बढ़ती भागीदारी

बात भले ही थोडी अजीब लगे पर वास्तविकता तो यही बयां करती हैं कि आज देश में असंगठित क्षेत्र में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक हो गई है। केन्द्र सरकार के ई–श्रम पोर्टल पर देश में 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों का पंजीकरण हो चुका है जिसमें से महिला श्रमिकों की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक है। देखा जाए तो असंगठित क्षेत्र में आज महिला श्रमिकों की हिस्सेदारी आधी से भी ज्यादा हो चुकी है। केन्द्र सरकार के ई–श्रम पोर्टल की ही बात करे तो इसमें पंजीकृत 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों में से 53 फीसदी से भी अधिक महिला श्रमिक रजिस्टर्ड हैं जबकि पुरुष श्रमिकों की संख्या यही कोई 46 फीसदी से कुछ ही अधिक है। दरअसल बात भले ही कुछ भी की जाती हो पर तस्वीर तो यही है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक श्रम कर रही थी और कर रही है। भले ही व्हाईट कालर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों की तुलना में कम हो पर आज संगठित व असंगठित क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों से पीछे नहीं है।

भारत सरकार के ई श्रम पोर्टल के आंकडों की ही भाषा में बात करें तो केरल में सबसे अधिक 59.79 प्रतिशत महिला श्रमिक असंगठित क्षेत्र में है तो आंध्रप्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड और पश्चिम बंगाल आदि सभी जगह पुरुषों की तुलना में महिला श्रमिक अधिक है। दरअसल देखा जाएं तो खेती और पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चल रहा है। शहरों में घरेलू कामकाज और रियल स्टेट क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की हिस्सेदारी सर्वाधिक है। करीब 15 करोड़ श्रमिक खेती किसानी क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। इसका अर्थ साफ–साफ यह हुआ कि खेती किसानी से आधे से भी अधिक श्रमिक जुड़े हुए हैं और इसमें भी कोई दो राय नहीं कि पुरातन काल से ही पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चलता आया है। खेती किसानी में भी महिलाओं की प्रमुख भागीदारी होती है।

बात भले ही थोड़ी अजीब लगे पर वास्तविकता तो यही बयां करती हैं कि आज देश में असंगठित क्षेत्र में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक हो गई है। केन्द्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर देश में 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों का पंजीकरण हो चुका है जिसमें से महिला श्रमिकों की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक है। देखा जाए तो असंगठित क्षेत्र में आज महिला श्रमिकों की हिस्सेदारी आधी से भी ज्यादा हो चुकी है।

दरअसल गली कुचें में बनिये की दुकान, चाय पानी की स्टॉल या इसी तरह की किसी दुकान में काम करने वाले श्रमिक, चौकटियों में कारीगारी–बेलदारी के काम की प्रतीक्षा करने वाले श्रमिक, खेतों में जुताई, कटाई व इसी तरह के काम करने वाले श्रमिक, छोटे दस्तकारों, कारीगरों, हस्तशिल्पियों, गली–मोहल्ले में घूमने वाले वेण्डर्स और इसी तरह के स्थाई काम नहीं करने वाले लोग असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की श्रेणी में आते हैं। डेली वेजेज के आधार पर काम करने वाले लोगों को भी इसी श्रेणी में रखा जाएगा। इनमें महिला और पुरुष श्रमिक दोनों ही शामिल है। संगठित क्षेत्र के श्रमिक अपनी संख्या बल के आधार पर अपनी बात मनवाने में सफल रहते हैं पर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की अपनी समस्याएं हैं और उन्हें कुछ हद तक दूर करवाये जाने के प्रयास जारी रहे हैं। श्रमिकों से जुड़े गैर सरकारी संगठनों द्वारा भी समय समय पर आवाज उठाई जाती है और उसी का परिणाम है कि सरकारें अब असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की सुरक्षा योजनाओं के लिए गंभीर प्रयास करने लगी है।

दरअसल असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की अपनी समस्या है। काम मिले तो मिल गया और नहीं मिला तो नहीं मिला। यानी असंगठित क्षेत्र में रोजगार की स्थिरता नहीं होती। यही कारण है कि पूरे महीने रोजगार मिलेगा या नहीं व पूरे महीने की पगार मिलेगी, इसकी कोई गॉरन्टी नहीं होती। इसके लिए रोजगार व आय की सुरक्षा व नियमितता की बात भी नहीं की जा सकती। इसका अर्थ यह हुआ कि सामाजिक आर्थिक सुरक्षा की बात करना बेमानी होगी। मोटे रुप से रोजगार, सुरक्षा और स्वास्थ्य व आवश्यक सुविधाओं की सुलभता असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए दूर की कोडी ही मानी जा सकती है। हांलाकि असंगठित क्षेत्र की श्रमिकों की समस्याओं को लेकर सरकार गंभीर होने लगी है। पहली बात यह कि श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड होने से सरकार के सामने वास्तविक तस्वीर सामने आने लगी है। सरकार ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, श्रम योगी मान धन योजना, अटल पेंशन योजना और इसी तरह की अन्य योजनाओं से जोडकर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा देने के प्रयास किये गये हैं।

अब देश दुनिया में श्रमिक आंदोलन का समय तो करीब–करीब समाप्त ही हो चुका है। ऐसे में इस क्षेत्र में कार्य कर रहे गैरसरकारी संगठनों, सामाजिक संगठनों आदि को आगे आना होगा और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की आवाज बनना होगा और अब तो चूंकि असंगठित श्रेत्र में पुरुषों की अपेखा महिला श्रमिक अधिक है तो फिर और भी अधिक जिम्मेदारी हो जाती है। सरकार को भी इस क्षेत्र के श्रमिकों की समस्याओं के समधान के लिए फोकस करना होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 11 मई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, मृगशिरा नक्षत्र दिन 10:15 तक, सुकर्मा योग दिन 10:02 तक, वणिज करण दिन 2:27 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–मीन, बुध–मेष, गुरू–वृष, शुक्र–मेष, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज रवियोग प्रात: 7:02 तक है और प्रात: 10:15 से पुन: आरम्भ होगा। भद्रा दिन 2:27 से रात्रि 7:04 तक रहेगी। आज विनायक चतुर्थी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:25 से 9:04 तक, चर 12:19 से 2:03 तक, लाभ–अमृत 2:03 से 5:21 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:45, सूर्यास्त 7:01

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मकर
घर–परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। सम्भावित धन प्राप्त होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी और मन में असंतोष बना रहेगा। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

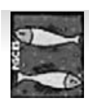

मीन
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

भारतीय राजनीति में दल-बदल

प्रो. अशोक कुमार

दल बदल, जिसे राजनीतिक दल–बदल भी कहा जाता है, एक ऐसी प्रथा है जिसमें कोई निर्वाचित प्रतिनिधि उस राजनीतिक दल को छोड़ देता है जिसके टिकट पर वह चुनाव जीता था और दूसरे दल में शामिल हो जाता है।

इतिहास:– भारत में दल बदल की प्रथा स्वतंत्रता से पहले से ही मौजूद थी, लेकिन 1960 के दशक में गठबंधन सरकारों के उदय के साथ यह अधिक आम हो गई। 1980 के दशक में, दल बदल ने भारतीय राजनीति में अस्थिरता पैदा कर दी, जिसके कारण अक्सर सरकारें गिर जाती थीं।

दल बदल विरोधी कानून:-
1985 में, दल बदल को रोकने के लिए 52वें संविधान संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची को संविधान में जोड़ा गया। इस कानून के तहत, यदि कोई निर्वाचित प्रतिनिधि दल बदल करता है, तो उसे अपनी सीट से अयोग्य घोषित किया जा सकता है और उसे अगले कुछ वर्षों तक चुनाव लड़ने से वंचित किया जा सकता है।

दल बदल के कारण:- दल बदल के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं:–

वैचारिक मतभेद:- कभी–कभी, निर्वाचित प्रतिनिधि उस राजनीतिक दल की विचारधारा से सहमत नहीं रह जाते हैं जिसके टिकट पर उन्होंने चुनाव लड़ा था।

राजनीतिक महत्वाकांक्षा :- कुछ निर्वाचित प्रतिनिधि अधिक शक्ति या पद प्राप्त करने के लिए दल बदलते हैं।

पैसे या अन्य प्रलोभन:- कभी–कभी, निर्वाचित प्रतिनिधियों को दूसरे दल में शामिल होने के लिए रिश्वत या अन्य प्रलोभन दिए जाते हैं।

विरोधी दल द्वारा दबाव:- विरोधी दल कभी–कभी सत्ताधारी दल के सदस्यों को दल बदलने के लिए धमकाते हैं या उन्हें मनाते हैं।

दल बदल के प्रभाव:- दल बदल के कई नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं:

राजनीतिक अस्थिरता:- दल बदल से सरकारें गिर सकती हैं और राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो सकती है।

मतदाताओं का विश्वास कम होना:- दल बदल से मतदाताओं का राजनीतिक दलों और नेताओं पर विश्वास कम हो सकता है।

राजनीतिक भ्रष्टाचार:- दल बदल से राजनीतिक भ्रष्टाचार बढ़ सकता है, क्योंकि निर्वाचित प्रतिनिधि अक्सर अपने निजी लाभ के लिए दल बदलते हैं।

नीतिगत निष्क्रियता:- दलबदल से नीतिगत निष्क्रियता पैदा हो सकती है, क्योंकि सरकारें अक्सर राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रही होती हैं।

दल बदल को रोकने के उपाय:- दल बदल को रोकने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं, जिनमें शामिल हैं:

दल बदल विरोधी कानून को मजबूत करना:- दल बदल विरोधी कानून को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है ताकि दल बदल को रोकने में अधिक प्रभावी हो सके।

राजनीतिक दलों के बीच आंतरिक लोकतंत्र को बढ़ावा देना:- राजनीतिक दलों के बीच आंतरिक लोकतंत्र को बढ़ावा देने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि निर्वाचित प्रतिनिधि दल के नेतृत्व और सदस्यों के साथ सहमत हों।

मतदाताओं में जागरूकता पैदा करना:- मतदाताओं में जागरूकता पैदा करने से उन्हें उन उम्मीदवारों को चुनने में मदद मिलेगी जो दल बदल की संभावना कम रखते हैं। दल बदल क़ानून में संशोधन के लिए एक सुझाव– आचार संहिता लागू होने के बाद से चुनाव परिणाम तक दल बदल अवैध माना जाएगा।

निष्कर्ष:– दल बदल भारत में एक गंभीर समस्या है जिसके कई नकारात्मक प्रभाव हैं। दल बदल को रोकने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं, लेकिन इसके लिए राजनीतिक दलों, चुनाव आयोग और नागरिकों की ओर से एक ठोस प्रयास की आवश्यकता होगी।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

कागजों में ही चल रहा रणजीतपुरा उप तहसील कार्यालय

उप तहसील कार्यालय पर ताले लगे होने से किसानों को भटकना पड़ रहा है

- **किसानों को काम के लिए 90 किलोमीटर दूर बज्जू जाना पड़ता है**
- **बज्जू में भी कई बार पटवारी व कर्मचारी नहीं मिलने से निराश लौटना पड़ता है**

बीकानेर, (निसं)। जिले की बज्जू उपखण्ड के सीमावर्ती क्षेत्र के किसानों को वर्ष 2022 में रणजीतपुरा में उपतहसील कार्यालय खुलने पर प्रसन्नता हुई थी कि अब भटकना नहीं पड़ेगा, लेकिन उप तहसील कार्यालय पर ताले लगे हैं और किसानों को भटकना पड़ रहा है। वैसे तो 2022 में उपतहसील कार्यालय खुलने के साथ ही परेशानी शुरू हो गई थी, लेकिन अब तो ताला लगने की स्थिति आ चुकी है। किसानों को अब काम के लिए 90 किलोमीटर दूरी तय करके बज्जू पहुंचना पड़ रहा है। बज्जू में भी कई बार पटवारी व कर्मचारी नहीं मिलने से निराश लौटना पड़ता है।

बज्जू राजस्व तहसील के 7 राजस्व ग्राम रणजीतपुरा, गजेवाला, चारणवाला, बरसलपुर, भूरासर, छिला कश्मीर, राववाला के 30 गांवों में 14 पटवार मंडल, 4 गिरदावरी सर्किल की 7 लाख 20 हजार बीघा जमीन व 339 चकों को रणजीतपुरा उपतहसील में शामिल किया गया था। उपतहसील कार्यालय शुरू होने के साथ ही परेशानी शुरू हो गई थी। गत 14 मार्च को नायब तहसीलदार का तबादला होने के साथ ही तहसील कार्यालय पर ताला लग गया। इसके बाद पटवारियों ने भी बज्जू में ठहराव शुरू कर दिया। अन्य कर्मचारियों को भी बज्जू लगा दिया, एकमात्र एलडीसी ही तहसील में कभी कभार दिखते है। उन्हें भी आए दिन काम के लिए बज्जू से रणजीतपुरा के चक्कर लगाने पड़ते हैं। नायब तहसीलदार का पद रिक्त होते ही रणजीतपुरा क्षेत्र के पटवारी बज्जू बैठने लगे हैं। सहायक कर्मचारी का पद भी रिक्त होने से साफ सफाई लंबे समय से ठप है।

नायब तहसीलदार पद 14 मार्च से रिक्त है, ऑफिस कानूनगो जैसा महत्वपूर्ण पद कार्यालय खुलने के बाद से रिक्त हैं। यूडीसी व एलडीसी का एक–एक पद भरा है। जिन्हें बज्जू में ज्यादा कार्य होने पर दोनों जगह सेवाएं देनी पड़ रही है।

बज्जू राजस्व तहसील व रणजीतपुरा उपतहसील में लंबे समय से तहसीलदार व नायब तहसीलदार का पद रिक्त है। इससे जनता का कोई धणी धोरी नही है। बज्जू में तहसीलदार व नायब तहसीलदार, रणजीतपूरा में नायब तहसीलदार का पद रिक्त है। इससे रणजीतपुरा में काम बंद है। बज्जू में कभी कभार कार्य होता है। बज्जू में कार्यवाहक भी राजस्व तहसील के बजाय एसडीएम कार्यालय से नायब तहसीलदार को बज्जू का कार्यवाहक के रूप में चार्ज दिया। वे भी इन दिनों अवकाश पर है, जिससे आमजन को परेशानी उठानी पड़ रही है।

मनरेगा कार्य स्थलों पर पीने के पानी को तरस रहे हैं मजदूर

- **कुछ मनरेगा कार्य स्थलों पर छाया-पानी की समुचित व्यवस्था भी नजर नहीं आ रही है**
- **भीषण गर्मी में मनरेगा श्रमिकों के लिए मजदूरी का काम काफी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है**

हनुमानगढ़, (निसं)। शहरी मनरेगा में काम रहे मजदूरों को समय पर मजदूरी नहीं मिल रही है। स्थिति यह है कि नवम्बर के बाद से अब तक यानी पांच महीने की मजदूरी श्रमिकों को नहीं मिली है। इस स्थिति में इनकी आर्थिक स्थिति खराब हो रही है। शहरी क्षेत्र में ज्यादातर मनरेगा मजदूरों में महिलाएं हैं। कुछ मनरेगा कार्य स्थलों पर छाया–पानी की समुचित व्यवस्था भी नजर नहीं आ रही है। ऐसे में भीषण गर्मी में मनरेगा श्रमिकों के लिए मजदूरी का काम काफी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

शहरी मनरेगा से अलग ग्रामीण मनरेगा में मार्च तक की मजदूरी मजदूरों को जारी कर दी गई है। ऐसे में मजदूरी भुगतान मामले में उनकी स्थिति थोड़ी ठीक है, लेकिन शहरी क्षेत्र में मनरेगा श्रमिकों की स्थिति दयनीय बनी हुई है। बड़े स्तर पर बजट के अटकने से मनरेगा योजना में लगे कार्मिक व श्रमिक प्रभावित हो रहे हैं। मनरेगा मजदूरों के साथ ही मेट का भुगतान भी अटका हुआ है। वहीं मनरेगा कार्य स्थलों पर पीने के पानी को मजदूर तरस रहे हैं।

नगर परिषद में मनरेगा कार्यालय में कार्यरत जेटीए रघुवीर मीणा के अनुसार मनरेगा कार्य स्थल पर हम छाया–पानी की समुचित व्यवस्था करवा रहे हैं। सभी मेट को हमने कैंपर दे रखा है। ताकि मजदूरों को पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सके। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्र में ज्यादातर मजदूर पार्क के सौंदर्यीकरण कार्य में लगे हुए हैं। ऐसे में पेड़ आदि की छांव में वह आराम कर लेते हैं। जहां पेड़ नहीं होते, वहां पर हम छाया की व्यवस्था करवाते हैं। जेटीए के अनुसार नवम्बर के बाद मनरेगा मजदूरों के मजदूरी मद में भुगतान नहीं हुआ है।

मनरेगा मजूदरों मांगों को लेकर सरकार गंभीर नहीं हो रही है। मनरेगा मजदूरों के बकाया भुगतान की मांग अब तक अधूरी है। श्रमिक नेता सुरेंद्र शर्मा के अनुसार केंद्र सरकार लगातार मनरेगा के कार्य को बंद करना चाहती है। इसलिए वह मनरेगा मजदूरों की पूरी मजदूरी भेज नहीं रही है। इसके कारण मजदूरों के 100 दिन का कार्य नहीं हो रहा है। ना ही उन्हें पांच महीने तक कोई मजदूरी मिली है। इससे रोजगार की गारंटी मजाक बन रही है। इतना ही नहीं मजदूरी अटकने से रोजगार की गारंटी पर सवाल उठ रहे हैं।

संगरिया में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना तहत कार्यस्थलों पर सरकार की ओर से मजदूरों के लिए पर्याप्त पानी, छाया व्यवस्था के साथ मेडिकल किट मौजूद होना अनिवार्य है, मगर ऐसा नहीं है। जिम्मेदारों की उदासीनता से गर्मी में कार्य करना किसी दिन मजदूरों को भारी पड़ सकता है। इस समय तापमान 45 डिग्री के इर्द–गिर्द है। तेज गर्मी में लू, तापघात, उल्टी, दस्त आदि बीमारी अचानक होने की संभावना रहती है। उपखंड के अधिकांश गांवों में चुनाव आचार संहिता के बाद खेतों में गेहूं कटाई व फसल बिजाई को लेकर काम चलने पर श्रमिकों का ध्यान वहां से मिलने वाली मजदूरी पर ही है। फिलहाल काम बंद हैं। नए वित्तीय वर्ष में स्वीकृति उपरांत कार्य शुरू होंगे।

भाखरांवाली सरपंच महेंद्र भाकर, रासूवाला प्रतिनिधि भरत जोशी, ग्राम विकास अधिकारी संघ पूर्व अध्यक्ष रघुवीर गोदारा के अनुसार एक जून से वृहद स्तर पर काम चलेगा। कुछ जगह पौधरोपण या शेष रहे पक्के काम चल रहे हैं। गर्मी में सुबह छह से दोपहर एक बजे तक काम है। टास्क पूरा होते ही मजदूर घर चला जाता है। पानी की दो लीटर बोतल भरकर साथ लाते हैं। पेड़ की छांव में आराम कर लेते हैं। गांव ढाबां में करणीसिंह ब्रांच की नहर के पटड़ा पर बुर्जी संख्या 13 से 26 पर घास–फूस, झाड़ी सफाई आदि कार्य इन दिनों चल रहा है।

पूर्व मेट मांगीलाल लेघा व मजदूरों ने बताया कि गर्मी में परेशानी तो होती है। चार–पांच सालों से तंबू–टेंट नहीं देखे। छाया के लिए पेड़ों तले बैठ जाते हैं। मेडिकल किट कहां है। पखवाड़े में कभी–कभार एएनएम आती है। पानी की बोतल घर से भरकर लाते हैं। दिनभर चलने वाली गर्म हवा से लोगों को परेशानी होती है। टास्क पूरा होते ही घर चले जाते हैं।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर नौनिहालों की भीषण गर्मी में हालत खराब

- **आंगनबाड़ी केन्द्रों की मानदेय कार्मिकों ने समय परिवर्तन या अवकाश की कलेक्टर से गुहार लगाई**
- **'आंगनबाड़ी केन्द्रों में 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए अभी तक सुबह 8 से 12 बजे तक समय निर्धारित है'**

श्रीगंगानगर, (निसं)। प्रदेश भीषण गर्मी की चपेट में हैं। सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में समय बदल दिया गया है लेकिन आंगनबाड़ी केन्द्रों में 3 से 6 साल के नौनिहालों की इस गर्मी में हालात खराब हो रही है। आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों से भेदभाव नहीं किया जाएं, इसके लिए समय परिवर्तन या अवकाश देने का मार्ग प्रशस्त करो ताकि बच्चों को राहत मिल सके। यह कहना था नारी शक्ति महिला एवं बाल विकास विभाग संगठन की जिलाध्यक्ष मंजू स्वामी और संगठन संस्थापक सीता स्वामी का। इस संगठन से जुड़ी महिलाओं ने कलेक्टर लोकबंधु के समक्ष पेश होकर कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी, सहायिका, साथिनों की इस समस्या से अवगत कराया। इस संबंध में ज्ञापन भी दिया।

इस दौरान दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि जिले में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल का समय सुबह 7 से 11 बजे तक कर दिया गया है। वहीं कई विद्यालयों में समय में परिवर्तन किया गया है। लेकिन आंगनबाड़ी केन्द्रों में 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए अभी तक सुबह 8 से 12 बजे तक समय निर्धारित है। भीषण गर्मी के प्रकोप से छोटी आयु के बच्चों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ सकता है। इस मौके पर कुलविन्द्र कौर और अरुषी भी मौजूद थी।

इन महिलाओं का कहना था कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषाहार रेडीमेड आ रहा है। वहीं उन केन्द्रों के साथ दोहरे मापदंड बनाए हैं जहां सरकारी स्कूलों में केन्द्र संचालित है। इन स्कूलों में तो समय में परिवर्तित कर दिया जबकि केन्द्रों के बच्चों के लिए आने के लिए दबाव डाला जा रहा है। इस दोहरे मापदंड से छुटकारा दिलाने के लिए कलेक्टर को निर्णय लेने के लिए आग्रह किया है।

महाराव शेखाजी की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित

- **स्त्री रक्षक एवं हिन्दु-मुस्लिम एकता के प्रतीक थे महाराव शेखाजी : शेखावत**

चूरू, (कासं.)। महाराव शेखाजी की 536वीं पुण्यतिथि शेखावत कॉलोनी के श्रीकरणी माता जी मन्दिर सभागार में संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अमरसिंह शेखावत की अध्यक्षता में मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर उत्तम सिंह शेखावत ने क्षत्रीय का गौरवपूर्ण इतिहास बताते हुए उच्च संस्कारों को ग्रहण करने की बात कही।

उन्होंने कहा कि जीवन में सकारात्मक सोच के साथ सभी समाज को एक साथ लेकर एकजुटता से प्रयास करना चाहिए ताकि समाज आगे बढ़कर देश सेवा करता रहे। विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक चूरू सतपाल सिंह शेखावत ने कहा कि शेखाजी सद्गुणी व्यक्तित्व के धनी थे। उनके जीवन के एक भी गुण को अपने जीवन में उतार लिया जावे तो व्यक्ति का जीवन सफल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को महाराव शेखाजी से प्रेरणा लेकर शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए। राव शेखाजी प्रजातंत्र एवं एकता में विश्वास रखते थे।

प्रारम्भ में अतिथियों ने महाराव शेखाजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर सभी ने पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अमर सिंह शेखावत ने कहा कि महाराव शेखा के जीवन मूल्यों को वर्तमान में अपने जीवन में ढालने तथा संस्कृति एवं संस्कार बच्चों को सिखाने की आवश्यकता है। शेखा नारी रक्षक व हिन्दु–मुस्लिम एकता के प्रतीक थे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भवानी सिंह निर्वाण डीएफओ, एएसपी (सेवानिवृत्त) रामसिंह बीका, दिलीप सिंह राठौड़ डीएफओ ने भी महाराव शेखाजी के जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला।

इस दौरान रतन सिंह ख्याली ने महाराव शेखा की प्रेरणादायक जीवनी पर विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर कर्नल विक्रम सिंह शेखावत, सेवानिवृत प्राचार्य उम्मेदसिंह राठौड़, गुलाब सिंह, जय सिंह, एड. सुरेन्द्र सिंह, एड. कुन्दन सिंह, कमल सिंह राठौड़, रतन सिंह, प्रेम सिंह इन्दा, मदन सिंह, गुमानसिंह, रघुवीर सिंह, इन्द्र सिंह राठौड़, सूरजभान सिंह, कर्णपाल सिंह, रणजीत सिंह, सुन्दरपाल सिंह, हरिसिंह, जगमाल सिंह टकणेत, भागीरथ सिंह, नरेन्द्र सिंह, उम्मेद सिंह भाटी, प्रभु सिंह, एड. धन्ने सिंह, वैद्य विजेन्द्र सिंह राठौड़, रविन्द्र सिंह, डॉ. हर्षवर्द्धन सिंह शेखावत, प्रहलाद सिंह, अशोक सिंह, नाहर सिंह भाटी, विक्रम सिंह, राकेश सिंह, भरत सिंह ख्याली, जसवन्त सिंह, लादू सिंह, नरपाल सिंह, सम्पत सिंह, रणवीर सिंह आदि उपस्थित थे। कप्तान मदन सिंह शेखावत ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट हेमसिंह शेखावत ने किया।

ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. सत्येन्द्र चौधरी ए.पी.ओ.

जे.के. लोन अस्पताल में प्लाज्मा चोरी का मामला

- मामले में आरोपी लैब टेक्नीशियन किशन सहाय कटारिया व डॉ. सत्येन्द्र चौधरी के विरूद्ध सीसीए नियम-16 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।
- कमेटी की रिपोर्ट में ब्लड बैंक के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग नहीं पाई गई।
- सात कैमरों में से प्लाज्मा स्टोर रूम में लगे एक कैमरे के तार कटे हुए थे और अन्य उपकरणों से छेड़छाड़ होना पाया गया।
- ऑर्गन ट्रांसप्लांट प्रकरण में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया

जयपुर। राज्य सरकार ने जयपुर के जेके लोन अस्पताल में प्लाज्मा चोरी के मामले में ब्लड बैंक के इंचार्ज डॉ. सत्येन्द्र चौधरी को तत्काल प्रभाव से एपीओ कर दिया है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि जेके लोन अस्पताल में लैब टेक्नीशियन द्वारा प्लाज्मा चोरी का मामला सामने आया था। राज्य सरकार ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए लैब टेक्नीशियन किशन सहाय कटारिया को निलंबित कर दिया था और एफआईआर दर्ज करवाई गई थी।

सिंह ने बताया कि मामले की जांच के लिए तत्काल प्रभाव से एक कमेटी गठित की गई थी। कमेटी की रिपोर्ट में बताया गया कि ब्लड बैंक के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग नहीं पाई गई। सात कैमरों में से प्लाज्मा स्टोर रूम में लगे एक कैमरे के तार कटे हुए थे और अन्य उपकरणों से छेड़छाड़ होना पाया गया। इस संबंध में अस्पताल प्रशासन को सूचना भी नहीं दी गई। इन स्थितियों को संदेहास्पद माना गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर ब्लड बैंक के इंचार्ज डॉ. सत्येन्द्र चौधरी को कार्य के प्रति उदासीनता एवं पर्यवेक्षणीय लापरवाही का दोषी मानते हुए राज्य सरकार ने तत्काल प्रभाव से एपीओ कर दिया है।

लैब टेक्नीशियन किशन सहाय कटारिया एवं डॉ. सत्येन्द्र चौधरी के विरूद्ध सीसीए नियम-16 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

उधर ऑर्गन ट्रांसप्लांट प्रकरण में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार फोर्टिस अस्पताल का नर्सिंग स्टाफ भानु लववंशी उर्फ भानु प्रताप को गिरफ्तार किया गया है। वह दलालों से सम्पर्क में रहकर अवैध ट्रांसप्लांट में मदद करता था। पूर्व में गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में भानु का नाम सामने आया था। ऑर्गन ट्रांसप्लांट प्रकरण में पुलिस अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

'पक्षकार 50 पेड़ लगाकर केस निस्तारण तक करें उनकी देखभाल'

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर की म्यूजियम रोड पर स्थित मंदिर में मूर्तियों और कृष्णानंदजी की तस्वीर पर चंदन लगाने से जुड़े मामले में दोनों पक्षकारों को निर्देश दिए हैं कि वह एक माह में मंदिर परिसर में 25-25 पेड़ लगाकर उनकी देखभाल करें। इसके साथ ही अदालत ने निचली अदालत में चल रहे केस का निस्तारण होने तक हर साल जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में इन पेडों की फोटोग्राफ अदालत में पेश करने को कहा है। जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश भानू प्रकाश शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिका का निस्तारण करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि पेड लगाना पक्षकारों की भगवान और प्रकृति के प्रति आस्था को बढाएगा।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि यह हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह हमारी संस्कृति और विरासत की रक्षा करें। इसके अलावा किसी को मूर्ति या प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने का अधिकार नहीं है, लेकिन किसी को मंदिर में पूजा-अर्चना करने से रोकने का भी अधिकार नहीं है।

श्रीलंका के दिव्यांगों को जयपुर फुट लगाये जाएंगे

जयपुर, (का.सं.)। श्रीलंका में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के संयुक्त तत्वावधान में श्रीलंका के द्विव्यांगों को कृत्रिम पैर जयपुर फुट लगाए जाऐंगे।

कोलम्बों और वाबूनिया के शिविरों के माध्यम से 1000 विकलांगों को लाभान्वित किया जाएगा। इन शिविरों में जयपुर फुट के सात तकनीशियन विशेष रूप से श्रीलंकाई द्विव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम पैर लगाकर चलने-फिरने योग्य बनाएगें।

कोलम्बों में आयोजित उद्घाटन समारोह में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा, श्रीलंका के रक्षा राज्य मंत्री प्रेमिथा बन्दारा थेनाकून, रक्षा सचिव जनरल कमल गुनारत्ने श्रीलंका के सेवाध्यक्ष बाइकूल लियानागे आदि उपस्थित थे।

समारोह में बी.एम.वी.एस.एस. के कार्यकारी अध्यक्ष और अन्तर्राष्ट्रीय मामलें के निदेशक सतीश मेहता भी उपस्थित थे। सतीश मेहता ने कहा कि भारत सरकार और श्रीलंका आदर्श पड़ोसी राष्ट्र हैं और दोनों देशों के बीच मित्रता और सौहार्द का यह विकलांग पुर्नवास शिविर प्रतीक हैं। उच्चायुक्त संतोष झा ने कहा कि भारत सरकार ओर श्रीलंका के रिश्ते बहुत पुराने और ऐतिहासिक हैं और इससे पूर्व वर्ष 2011 में और वर्ष 2022 में कोलम्बो और जाफना में आयोजित किए गए शिविरों में 3100 से अधिक विकलांगों को लाभान्वित किया गया।

उच्चायुक्त झा ने कहा कि जयपुर फुट की गुणवत्ता और इसकी उपयोगिता को देखते हुए और अधिक लोगों को लाभान्वित करने के लिए कोलम्बो और बाबूनिया के शिविरों का आयोजन किया गया है। श्रीलंका के रक्षा राज्य मंत्री प्रेमिथा बन्दारा थेनाकून ने भारत सरकार और बी.एम.वी.एस.एस. के सहयोग के लिए धन्यवाद किया।

बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने कहा कि वर्ष 2010 में बाबूनिया के शिविर में 1210, 2011 के जाफना शिविर में 1163, वष 2022 के कोलम्बो शिविर में 509 और जाफना के शिविर में 249 लोगों को लाभान्वित किया गया।

डी.आर. मेहता ने बताया कि भारत सरकार के सहयोग से श्रीलंका के आठा तकनीशियनों को जयपुर में जयपुर फुट बनाने के लिए प्रशिक्षित किया। इस प्रशिक्षण का खर्च भारत सरकार ने उठाया। इससे अब श्रीलंका में जयपुर फुट केन्द्र की स्थापना की जा सकेगी और वहीं के तकनीशियनों द्वारा विकलांगों को लाभान्वित किया जा सकेगा।

दिल्ली की जनता मोदी की गारंटियों के साथ, सभी सात सीटों पर दर्ज करेंगे जीत : गोठवाल

भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल व अशोक परनामी सहित भाजपा नेताओं ने दिल्ली लोकसभा चुनावों में प्रचार की कमान संभाली।

जयपुर। भाजपा के प्रदेश महामंत्री और खण्डार विधानसभा के विधायक जितेंद्र गोठवाल लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली प्रवास पर है। इस दौरान उन्होंने पश्चिमी दिल्ली लोकसभा प्रत्याशी कमलजीत सहरावत के चुनाव प्रचार में घर-घर जाकर जनसंपर्क किया और भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान की अपील की। भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसंपर्क सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली लोकसभा की सभी 7 सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी भारी मतों के साथ जीत दर्ज करेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में अपना योगदान देंगे।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी ने चुनाव प्रचार के दौरान दिल्ली भाजपा के मोर्चा पदाधिकारियों की बैठक ली और आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान परनामी ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन के प्रति पूरी तरह निष्ठावान और समर्पित है, इसी के चलते आज भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल है। परनामी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पश्चिमी दिल्ली लोकसभा में प्रवासी राजस्थानियों से संपर्क किया। इसके साथ ही पश्चिमी दिल्ली लोकसभा प्रत्याशी के कार्यालय में जनप्रतिनिधियों की संगठनात्मक बैठक लेकर मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर चर्चा की।

जयपुर ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर ने कहा कि दिल्ली की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रीति और नीति के साथ है और पीएम मोदी के विकास कार्यों पर भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मतदान करेंगी। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश की महिलाओं को नारी शक्ति वंदन विधेयक के माध्यम से अपना हक और सम्मान मिला है। पिछले 10 सालों में देश में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पीएम मोदी ने विभिन्न योजनाएं शुरू की है। दिल्ली में लोकसभा चुनावों के प्रचार के लिए राजस्थान से प्रदेश मंत्री अजीत मांडण, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत मेहता, महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अंकित चेची, महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष डॉ रक्षा भंडारी, प्रदेश प्रवक्ता राखी राठौड़ और डॉ अपूर्वा सिंह सहित कई भाजपा नेता प्रचार में जुटे हुए हैं।

शास्त्री नगर में भगवान परशुराम की नियमित पूजा शुरू

जयपुर। सर्व ब्राह्मण महासभा की और से आराध्य भगवान परशुराम जी की प्राण प्रतिष्ठा शास्त्री नगर स्थित कांवटिया सर्किल पर स्थित पीपलेष्वर महादेव मंदिर में पूर्ण विधि विधान से हजारो ब्राह्मणों की उपस्थिति में हुई और आज से यहां भगवान परशुराम जी का नियमित पूजन अर्चन प्रारम्भ हो गया है।

कार्यक्रम संयोजक आशीष पराशर ने बताया कि इस अवसर पर 11 विद्वान पण्डितों से विधि विधान से वैदिक मंत्रों के साथ भगवान की प्राण प्रतिश्ठा की। मुख्य यजमान रोहित शर्मा धर्मपत्नी सरोज ने प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व पंचकुण्डीय यज्ञ, गणेश मण्डल पूजन, अर्चना, जलाधिवास, अन्नाधिवास, माहान्यास प्राण प्रतिष्ठा के साथ परशुराम जी की प्राण प्रतिष्ठा की गई।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत का प्रधानमंत्री पर बयान हास्यास्पद : सी.पी.जोशी

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिए गए बयान को हास्यास्पद बताते हुए कहा कि 4 जून तक पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ऐसे बयान देकर अपना दिल बहला सकते हैं और खुश हो सकते हैं। उनको इसकी पूरी छूट है, किन्तु चुनाव परिणाम के बाद गहलोत अपने घर से बाहर निकलने में एवं प्रदेश की जनता को अपना मुंह दिखा पाने में शर्म महसूस करेंगे।

जोशी ने कहा कि प्रदेश की जनता 5 महीने पहले ही कांग्रेस को आईना दिखा चुकी है। जिसके नेतृत्व को प्रदेश की जनता ने नकारा है, वे अनर्गल बयान बाजी कर कर जनता को भ्रमित करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। जोशी ने कहा कि भाजपा जहां इस लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों और कल्याणकारी योजना को लेकर जनता के बीच वोट मांग रही हैं, वहीं कांग्रेस जाति, धर्म के नाम पर भड़काकर सत्ता में आना चाहती है। जनता इनकी कुत्सित रणनीतियों को पहचान चुकी है। 4 जून को लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद ये अपने घर से नहीं निकल पाएंगे। जोशी ने कहा कि कांग्रेस की साम्प्रदायिक और जातिवादी सोच के कारण देश पहले ही भारी नुकसान सह चुका है। कांग्रेस देश की आस्था और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाली पार्टी है।

शोक सभा

हमारी पूज्यनीया माताजी **श्रीमती मनभर देवी** धर्मपत्नी स्व. श्री गोविन्द नारायणजी शर्मा (पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री अ.भा.ह.गौड़.ब्रा. महासभा) का स्वर्गवास 07/05/2024 को हो गया। जिनकी शोक सभा निवास स्थान- बोहरों की कोठी, जौंण (दौसा) पर होगी।

शोकाकुल- नरेन्द्र कुमार, राधेश्याम, ओमप्रकाश (ससुर), सूर्यनारायण, बजरंगलाल, रामावतार, संजीव, रमेश, डा. प्रेम, महेश, कमलेश एडवोकेट (देवर), सतीश (संगठन महामंत्री विप्र फाउंडेशन राजस्थान, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री अ.भा. हरियाणा गौड ब्राह्मण महासभा), विनोद, ज्ञानेश, देवेन्द्र, राकेश (जिलाध्यक्ष पंचायत समिति सदस्य संघ दौसा), डा. नरेश (पुत्र), आरती-गोविन्दजी, समस्त सिंगवाडिया परिवार- 9414296090

तीये की बैठक

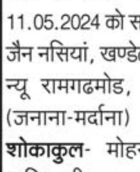

मेरी धर्मपत्नी **श्रीमती विशनी देवी** का स्वर्गवास बुधवार 08.05.2024 को हो गया है। तीये की बैठक शनिवार 11.05.2024 को सायं 5.30 बजे दिगम्बर जैन नसियां, खण्डेलवाल ढाबे के सामने, न्यू रामगढमोड, जयपुर पर होगी। (जनाना-मर्दाना)

शोकाकुल- मोहन खट्टणमल खूहा (पति), जीवतमल, दिलीप, राजकुमार (देवर), किशोर खत्री, जयकिशन (पुत्र), मनोज (भतीजा), रोहित, कुणाल, ललित (पौत्र) एवं समस्त लालवानी खूहा परिवार। मों.-9314877311, 9829655592, 9314520703

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'कांग्रेसियों के बयान से दिख रहा, उनका मानसिक दिवालियापन'

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मणिशंकर अय्यर के बयान पर प्रतिक्रिया

पुणे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर देश की जनता विश्वास कर रही है। उन्होंने 10 वर्ष के कार्यकाल में देश का विकास, गरीब कल्याण, सीमाओं की सुरक्षा, दुनिया में देश का गौरव बढ़ाने जैसे अच्छे काम किये है। इसी का नतीजा है कि पश्चिम बंगाल, झारखंड, तेलंगाना में हमारी सीटें बढ़ रही हैं। आंध्रप्रदेश में गठबंधन के तहत हम बड़ी संख्या में सीटें जीतेंगे।

उन्होंने कहा कि 4 जून को 400 पार का सपना पूरा होगा। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने जनता के साथ अब तक सिर्फ धोखा किया है। कांग्रेस शासन में भ्रष्टाचार हुआ और जनता ने आतंकवाद एवं नक्सलवाद को देखा। कांग्रेस का संबंध टुकड़े-टुकड़े गैंग से है। मणिशंकर अय्यर के बयान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेसियों के दिमाग का मानसिक दिवालियापन दिख रहा है, इसलिए वह चुनाव में कुछ भी बोल रहे हैं। कांग्रेस को देश की चिंता नहीं है, वह सिर्फ परिवार की चिंता करती है, इस कारण कांग्रेस पार्टी किसी से भी समझौता कर सकती है। कांग्रेस के लोग हमेशा देश एवं समाज को तोड़ने की बात करते हैं। अब जनता ने कांग्रेस को नकार दिया है। कांग्रेस पार्टी ने भ्रष्टाचार की नई-नई इबारतें लिखी हैं।उन्होंने कहा कि कई विपक्षी दल भ्रष्टाचार पर बात करते हैं, लेकिन अन्ना हजारे के साथ आंदोलन कर भ्रष्टाचार मिटाने की बात करने वाले अरविंद केजरीवाल स्वयं भ्रष्टाचार के दल-दल में डूब गये।

कूकस, नीमराना व कोटा में सी.एन.जी.-पी.एन.जी. सेवाएं शुरू

राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने अधिकारियों की बैठक ली।

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने बताया है कि आरएसजीएल द्वारा कोटा में 25 हजार से अधिक नागरिकों तक ग्रीन एनर्जी-क्लीन एनर्जी सुविधा से जोड़ दिया है। जयपुर के कूकस व नीमराना में सीएनजी व कोटा में सीएनजी व पीएनजी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।

एमडी रणवीर सिंह ने बताया कि आरएसजीएल द्वारा कोटा में 5064 परिवारों को डोमेस्टिक पाइप्ड नेचुरल गैस डीपीएनजी सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने बताया कि कोटावासियों को रोडमेप बनाते हुए डीपीएनजी-सीएनजी सेवाओं से जोड़ा जा रहा है। आरएसजीएल द्वारा 10 सीएनजी स्टेशनों का सं3चालन करते हुए वाहनों को ग्रीन एनर्जी उपलब्ध कराई जा रही है वहीं 60 व्यावसायिक कनेक्शन और 13 औद्योगिक प्रतिष्ठानों में नेचुरल गैस उपलब्ध कराई जा रही है।

एमडी सिंह ने कोटावासियों से आग्रह किया है कि वे डीपीएनजी कनेक्शन प्राप्त करने के लिए संपर्क करें। आरएसजीएल द्वारा कोटा, नीमराना व कूकस में कारोबार बढ़ाने, नए लोगों को जोड़ने और नवाचार की दिशा में लगातार कदम बढ़ाये जा रहे हैं।

बैठक में डीजीएम मार्केटिंग विवेक रंजन, डीजीएम सीएनपी विवक श्रीवास्तव डीएम आईटी गगनदीप राजोरिया, सीएस दीप्तांशु पारीक, सलाहकार रविशंकर अग्रवाल, पी आर प्रभारी राजेन्द्र शर्मा ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर एमडी रणवीर सिंह ने कोटा डीजीएम आनन्द आर्य, सीपी चौधरी व उनकी टीम को बधाई दी और अधिक से अधिक परिवारों को ग्रीन एनर्जी-क्लीन एनर्जी सुविधा से जोड़ने की आवश्यकता प्रतिपादित की।

एच.यू.एफ. शेयर्स के उत्तराधिकार प्रमाण पत्र को लेकर पद्मनाभ सिंह से मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)। जिला न्यायालय महानगर प्रथम ने पूर्व राजपरिवार के एचयूएफ शेयर्स के उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के खिलाफ दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए पद्मनाभ सिंह को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने यह आदेश सवाई मानसिंह की दोहित्री उर्वसी देवी के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता रामजी लाल गुप्ता ने अदालत को बताया कि पद्मनाभ सिंह ने पूर्व में 15 शेयर्स के उत्तराधिकार प्रमाण पत्र को लेकर अदालत में प्रार्थना पत्र पेश किया था। जिसमें एचयूएफ के कुछ शेयर्स भी शामिल थे। इस पर उर्वसी देवी के विरोध करने पर इन शेयर्स को सूची से हटा दिया गया। इस पर अदालत ने 22 अगस्त, 2012 को शेष शेयर्स का उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी कर दिया। ऐसे में उर्वसी देवी ने अपने अधिकार सुरक्षित रखते हुए केस से अलग हो गई। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि इसके बाद इन एचयूएफ के शेयर्स को लेकर पद्मनाभ सिंह ने पुनः प्रार्थना पत्र पेश किया। जिसमें उर्वसी देवी सहित अन्य को पक्षकार नहीं बताया गया। इस प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए अदालत ने पद्मनाभ सिंह के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी कर दिया। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि यह उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी करने के दौरान याचिकाकर्ता के पक्ष को नहीं सुना गया। इसके अलावा ये शेयर्स दिल्ली हाईकोर्ट में चल रहे मुकदमे की विवादित संपत्तियों में शामिल हैं और सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त रिसीवर की अभिरक्षा में है। ऐसे में इस उत्तराधिकार प्रमाण पत्र को निरस्त किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने पद्मनाभ सिंह को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

आम सूचना दिनांक- 10-5-2024

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल मो. सलीम खांन निवासी मकान नंबर 50-ए. शान्ती नगर, जोशी मार्ग, झोटवाडा, जयपुर का पुत्र अली खांन एवं उसकी पत्नि नर्गिस उर्फ शब्बो आये दिन मेरे मुवक्किल के साथ झगडा, गाली-गलोच, दुर्व्यवहार करते है, अनुचित राशि की मांग करते है, नर्गिस उर्फ शब्बो अपने पीहर रूकी हुई है तथा इन्होने मेरे मुवक्किल का जीना दूभर कर दिया है, इसलिए मेरी मुवक्किला ने अपने पुत्र अली खांन एवं उसकी पत्नि नर्गिस उर्फ शब्बो को अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, अब उनका मेरे मुवक्किल व उनकी चल-अचल संपत्ति से कोई संबंध नही है। यदि कोई भी व्यक्ति अली खांन एवं उसकी पत्नि नर्गिस उर्फ शब्बो से किसी प्रकार का लेन-देन, संव्यवहार करता है, तो उसके लिए मेरे मुवक्किल की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। अतः सूचित रहे।

(रियाजुद्दीन कुरेशी) एडवोकेट
मो. 9828587793/9314195104

नाम परिवर्तन

I Dhruva Kumar jatav s/o kumher Singh,Address: B14 mahawar colony paldi Meena Agra road Jaipur Rajasthan. Has changed my name from Dhruva Kumar jatav to DHRUV JAGARIYA & In future i will be know an DHRUV JAGARIYA S/O KUMHER SINGH

I army 2703719W Ex NK Suresh Kumar yadav S/O damodar Prasad yadav R/O plot no 55 sunderpura post ramjipura via renewal Jaipur that have changed my Son name from YAJAT To YAJAT YADAV vide affidavit dated 6 may2024 before district notary Jaipur

I kumari Monika exitising name as per service documents daughter of dwaraka Prasad existing name of esm as per theservice document resident off plot no 13 udhyog nagar jobner road girdhar bhawan phulera jaipur have change my name kumari Monika exitising name of daughter as per service documents To MONIKA NAGAURA (new name) vide affidavit dated 9/5/24 before district notary ajmer

खोया पाया

मेरे मकान 1-घ-48 शास्त्री नगर, जयपुर के मूल दस्तावेज आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, ईनवेन्ट्री, शास्त्री नगर जयपुर में कहीं गिर गये है। मिलने पर सूचित करे- महेन्द्र नागलिया 9928212418

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री बालाजी टाउनशिप के साझेदार श्री ओम प्रकाश यादव पुत्र श्री गिरिराज यादव निवासी प्लाट नं. 1 नीलकंठ विहार कचोलिया रोड चौमूं (जयपुर) स्वेच्छा से इस फर्म से अलग हो गए हैं दिनांक 21 फरवरी 2024 से इस फर्म व इसके कार्यों से इनका कोई वास्ता नहीं है।

दिनांक : 06.05.2024 हस्ताक्षर (श्री बालाजी टाउनशिप)

वर्तमान साझेदार :-
1. अजय गुप्ता 2. मुकेश कुमार गोयल
3. नवीन कुमार गोयल 4. रामवतार अग्रवाल

आम सूचना- सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्लाट नं. बी-41, गाँधी नगर योजना, जयपुर क्षेत्रफल 1216.6 वर्गगज को UIB, जयपुर द्वारा उमराव बहादुर माथुर को जरिये खालसा भूमि का विक्रय-विलेख (पट्टा) दिनांक 24.04.1959 को जारी किया गया था। तत्पश्चात् उमराव बहादुर माथुर का स्वर्गवास दिनांक 17.09.2006 को एवं उनकी पत्नी श्रीमती शकुन्तला माथुर का स्वर्गवास दिनांक 20.11.2021 को हो गया। उमराव बहादुर माथुर के स्वर्गवास पश्चात् उनकी तीन पुत्रीयां श्रीमती मीनू श्रीवास्तव, श्रीमती नीरजा माथुर व श्रीमती नीलिमा दीवान उनकी वारिस/उत्तराधिकारी हुई। तत्पश्चात् श्रीमती मीनू श्रीवास्तव ने उक्त प्लॉट में निहित अपने 1/3 अविभाजित हिस्से को अपने पुत्रगण श्री स्नेहील श्रीवास्तव एवं श्री वत्सल श्रीवास्तव को जरिये उपहार-पत्र दिनांक 05.04.2024 को उपहार कर दिया। इस प्रकार उक्त प्लॉट के मालिक/मालकिन क्रमशः श्री स्नेहील श्रीवास्तव, श्री वत्सल श्रीवास्तव, श्रीमती नीरजा माथुर व श्रीमती नीलिमा दीवान ने उक्त प्लॉट विक्रय करने का इकरार श्री अरूण कुमार कोठारी से किया है। जिसकी खरीद हेतु श्री अरूण कुमार कोठारी ने ऋण हेतु HDFC Bank Ltd. में आवेदन किया हैं। उक्त सम्पत्ति के बाबत् स्व. उमराव बहादुर माथुर के उत्तराधिकारी की हैसियत से किसी भी व्यक्ति, जनसाधारण संस्था आदि को कोई भी आपत्ति हो तो उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उक्त सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस में अपना हक या आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करें अन्यथा HDFC Bank Ltd. द्वारा उक्त सम्पत्ति को रहन कर लिया जावेगा एवं उसके पश्चात् कोई हक या अधिकार मान्य नहीं होगा।

दिनांक:- 10.05.2024 (पीयूष भार्गव, एडवोकेट)
6, रघुकमल निवास, गणपति प्लाजा के सामने, एम.आई. रोड, जयपुर, फोन नम्बर 0141-4112154
E-mail:- vkbhargavaassociates@gmail.com

आवश्यकता

आवश्यकता है पार्ट टाइम कम्प्यूटर ऑपरेटर्स की जो हिन्दी में पेजमेकर, क्वार्क और वर्ड में काम कर सकें।
समयः सांय 8.00 से 12.00
सम्पर्क करेंः प्रोडक्शन मैनेजर
राष्ट्रदूत
चमेली वाला मार्केट, जयपुर

न्यायालय तहसीलदार (भू.अ.) दूदू

क्रमांक-LR/2024/1577 दिनांक-7.5.2024

आम सूचना

जरिये रिसोर्ट पटवार हल्का दूदू-ए ने ग्राम दूदू के खाता सं.1017 के ख.नं.-6188 रकबा 0.06 किस्म बा.ख.नं. 6189 किस्म बारानी 2 रकबा 0.28 किता र.034 हैक्टेयर एवं खाता सं.281 के ख.नं.6230 रकबा 1.32 किस्म बारानी 3 में मृतक खातेदार महन्त बुजमोहन दास स्वामी चेला सेवा दास जी महाराज निवासी बन्ध के बालाजी निवासी दूदू का विरासत नामान्तरण खोलने हेतु हाजा कार्यालय के प्रकरण संख्या 25/2021 RLR Act 1956 की धारा 135(2) के अन्तर्गत विचाराधीन है।

खातेदार महन्त ब्रजमोहन दास स्वामी चेला सेवादास जी महाराज की मृत्यु हो चुकी है। अतः हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मृतक की विरासत नामान्तकरण पर किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति/दावा/हक अथवा अन्य कोई वसीयत हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस में स्वयं या प्लीडर के माध्यम से अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। कोई दावा/आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर प्रकरण का निस्तारण नियमानुसार कर दिया जावेगा। सूचित रहें।

तहसीलदार (भू.अ.)
तहसील दूदू (जिला दूदू)

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 14/2024
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम मोहित अबिचंदानी पुत्र स्व.अनिल एल अबिचंदानी जाति सिंधी
विवाद स्थान एल 201 महिमा पनोरमा, जगतपुरा मृतक स्व.अनिल एल अबिचंदानी की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 05.07.2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम स्व.अनिल एल अबिचंदानी पुत्र लक्ष्मण अबिचंदानी जाति सिंधी R/o एल 201 महिमा पनोरमा, जगतपुरा जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रिेशन, प्रदान किया जावें।

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 05 माह 07 सन् 2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 03 माह 05 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

मोहर अदालत

आज्ञा से-शरिस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या 10 जयपुर महानगर प्रथम न्यायालय सांगानेर

झुंझुनूं के कई इलाकों में बारिश के साथ ओले गिरे

बिगड़े मौसम के मिजाज से शादियों के कार्यक्रमों में भी खलल पड़ गया

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं के कई इलाकों में शुक्रवार शाम को मौसम पलटा और बारिश के साथ ओले भी गिरे। बारिश के कारण आमजन को गर्मी से राहत मिली।

जानकारी के मुताबिक पिलानी के बेरी, रामपुरा, हमीनपुर, बनगोठड़ी आदि गांवों के अलावा सूरजगढ़ के

- **पिलानी में अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री दर्ज किया गया**

गोदा का बास और बुहाना क्षेत्र में शाम को तेज हवाओं के साथ बारिश हुई और ओले गिरे। बारिश के कारण आमजन को गर्मी से राहत मिली। वहीं कई खेतों में किसानों की कटी हुई सरसों की फसल और पशुओं के लिए चारा पड़ा हुआ है, जिसे नुकसान भी हुआ है, लेकिन नुकसान काफी कम है। शुक्रवार को बिगड़े मौसम से उन शादियों के कार्यक्रमों में भी खलल पड़ गया, जिन्होंने अक्षय तृतीया के दिन अबूझ सावे को ध्यान में रखते हुए अपने बेटे-बेटियों की शादी करने का कार्यक्रम तय कर लिया। बदले मौसम से टेंट आदि उखड़ गए। इधर, शुक्रवार को दिन का तापमान गुरूवार की बजाय अधिक रहा। गुरूवार को जहां पिलानी में अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं शुक्रवार को यह बढ़कर 43.5 डिग्री दर्ज किया गया। तेज गर्मी ने शुक्रवार को दिनभर आमजन को बेहाल रखा। हालांकि जिले के अन्य इलाकों में भी बादल छाने से गर्मी से राहत मिली।

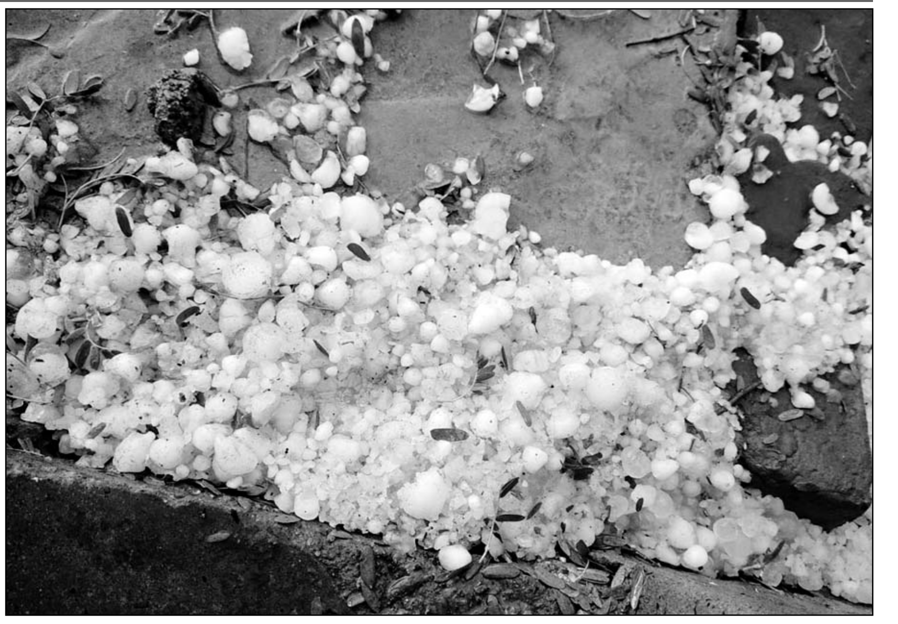

झुंझुनूं के कई इलाकों में बारिश के साथ ओले भी गिरे।

बीकानेर में अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री पहुंचा, गर्मी से लोग परेशान

बीकानेर, (निसं)। दिनों-दिन गर्मी अपने तेवर तल्ख कर रही है। नतीजा सुबह के दो घंटे बीतते ही सड़कें-गलियां सूनी होने लगी हैं। लू के थपेड़े ऐसे सता रहे हैं, जैसे अभी जला ही देंगे। हालांकि, मौसम विभाग ने पहले ही लू तथा तापघात की चेतावनी दे रखी थी। फिर भी दिनों दिन बढ़ रही गर्मी एवं लू की वजह से जनता परेशान रही है। वहीं शुक्रवार शाम को करीब करीब 5.30 पर अचानक बादल आये और हल्की बूंदाबादी हुई। जिससे लोगों को बड़ी राहत मिली और

- **हल्की बूंदाबांदी होने से गर्मी से लोगों को मिली राहत**

पतंगबाजी का दौर जोर-शोर से पुनः शुरु हो गया।

इससे पूर्व भीषण गर्मी के चलते स्थिति यह हो गई है कि प्रशासन को भी अब आगे आना पड़ा है। तेज गर्मी से छुटकारा दिलाने के लिए शहर की सड़कों पर पानी से छिड़काव किया गया। आलम यह था कि सुबह दस बजे ही सड़कें सूनी होने लग गई थीं। आखातीज पर अवकाश होने के कारण बाजारों में भीड़ कम थी। इस वजह से दुकानदार भी सुस्ताते नजर आए। गर्मी की प्रभाव पशु पक्षियों पर भी नजर आने लगा है। पक्षी पेड़ की छांव में बैठे रहते हैं और पशु पानी और छांव की तलाश में भटकते रहे।

बीकानेर में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं रात के समय न्यूनतम तापमान भी अधिकतम के पीछे-पीछे 31.3 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ा। यह अब तक का सबसे अधिक है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। राहत दिलाने के लिए पानी का छिड़काव पीबीएम अस्पताल, केईएम रोड, रानी बाजार, जूनागढ़, स्टेशन रोड, जस्सूसर गेट आदि इलाकों में फायर ब्रिगेड से छिड़काव किया गया। महापौर ने कहा कि इस बार गर्मी का प्रकोप तेज होने पर आवश्यकता अनुसार पानी का छिड़काव किया जाएगा।

युवक ने आत्महत्या की

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 8 में एक युवक ने अपने घर की सीढियों पर लगी रेलिंग से फंदा लगाकर जान दे दी। उसे फंदे से हटाकर अस्पताल ले जाया गया। मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। इस बारे में देवनगर थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। आरंभिक पड़ताल में मालूम हुआ कि पिता पुत्र में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। देवनगर पुलिस ने बताया कि चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 8 सेक्टर निवासी रवि पुत्र राजकुमार सिंधी ने फंदा लगा लिया। उसका अपने पिता से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। बाद में रवि ने घर की सीढियों पर लगी रेलिंग में चुन्नी का फंदा डाला और झूल गया।

प्री-डीएलएड परीक्षा-2024 के आवेदन आज से

बीकानेर, (निसं)। प्री-डीएलएड परीक्षा 2024 में प्रवेश के लिए आवेदन 11 मई से शुरू होंगे। इस बार वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय इस परीक्षा का आयोजन पूरे राज्य में कर रहा है।

वीएमओयू के कुलपति प्रो. कैलाश सोडाणी ने बताया कि पूरी तैयारी के साथ प्री-डीएलएड परीक्षा में आवेदन करने तथा प्रवेश परीक्षा कराने की तिथियां घोषित की जा रही है। परीक्षा समन्वयक डॉ. रवि गुप्ता ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया के लिए आवेदन फॉर्म भरने की शुरुआत 11 मई से होगी। 31

- **31 मई तक आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि है**
- **30 जून को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा**

मई तक आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि रखी गई है और 30 जून को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। आवेदक का कक्षा 12वीं उत्तीर्ण होना अथवा वर्ष 2024 में कक्षा 12वीं की परीक्षा में सम्मिलित होना आवश्यक है।

सह-समन्वयक संदीप हुड्डा ने बताया कि अभ्यर्थी पर 11 मई से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन शुल्क प्री-डीएलएड प्रवेश परीक्षा सामान्य अथवा संस्कृत के लिए 450 रुपए है। प्री-डीएलएड प्रवेश परीक्षा सामान्य तथा संस्कृत दोनों में आवेदन करने के लिए 500 रूपये है। आवेदन शुल्क यूपीआई, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग अथवा ई-मित्र के माध्यम से कर सकते हैं।

पुलिस की लुक्का गैंग से हुई मुठभेड़, एक बदमाश को दबोचा

दोनों ओर से 100 से अधिक राउंड फायरिंग हुई

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के दिहौली थाना क्षेत्र में जुगईपुरा के बीहड़ों में पुलिस और डकैत लुक्का गैंग में जमकर मुठभेड़ हुई। इस दौरान दोनों ओर

- **लुक्का गैंग के अन्य छह सदस्य भागने में सफल हुये**

से करीब 100 से अधिक राउंड फायर किए गए। जहां पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान लुक्का गैंग के एक सदस्य सतीश को दबोच लिया है। वहीं गैंग के अन्य सदस्य अंधेरे व बीहड़ों का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। मामला गुरुवार देर रात्रि का है जहां दिहौली थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने कांस्टेबल अमित शर्मा की सूचना पर कार्रवाई को अंजाम दिया है।

थाना प्रभारी परमजीत सिंह ने बताया कि कांस्टेबल अमित शर्मा की सूचना पर डीएसटी टीम के साथ दिहौली क्षेत्र में सिद्ध बाबा मंदिर के पास जुगईपुरा के बीहड़ों में पहुंचे, जहां पर डकैत लुक्का गैंग ने पुलिस को देखते ही ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इधर पुलिस ने भी आत्मरक्षा के लिए जवाबी फायरिंग की। थाना प्रभारी ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान लुक्का गैंग के एक सक्रिय सदस्य सतीश पुत्र मुंशीलाल गुर्जर निवासी जुगईपुरा दिहोली को दबोच लिया। वहीं मौके से गैंग द्वारा भागने के उपयोग में ली जारी एक मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया।

थाना प्रभारी परमजीत सिंह ने बताया कि पुलिस और डीएसटी टीम द्वारा करीब 45 राउंड फायर किए गए, तो वहीं लुक्का गैंग ने पुलिस पर 50 से 60 राउंड फायर किए। मुठभेड़ के दौरान अंधेरे एवं बीहड़ों का फायदा उठाकर लुक्का गैंग के धर्मेंद्र उर्फ लुक्का पुत्र विजय सिंह निवासी देव का पुरा थाना कोतवाली धौलपुर, विष्णु उर्फ भगत पुत्र राजेन्द्र निवासी करका खेरली थाना दिहौली, तहसीला पुत्र सोनेराम निवासी मोरोली थाना कोतवाली, हनुमान दास पुत्र करतार सिंह निवासी तिघरा थाना सदर धौलपुर, सोनू पुत्र मान सिंह निवासी अतिराज का पुरा थाना कंचनपुर और सोनू पुत्र राजाबाबू निवासी सादिकपुर थाना मनियां भागने में सफल रहे। जिनकी तलाश जारी है।

इस दौरान पुलिस की कार्रवाई टीम में थाना प्रभारी परमजीत सिंह के साथ कांस्टेबल जयकुमार, सत्यपाल, सुरेंद्र सिंह, राजेश कुमार, मुकेश कुमार, लक्ष्मण, राधेश्याम, रामपाल और डीएसटी टीम के हैड कांस्टेबल दीनदयाल, कांस्टेबल अमित शर्मा, धर्मेंद्र, रविंद्र, सुरेश, अश्वनी पचौरी और वासुदेव शामिल रहे।

पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान लुक्का गैंग के एक सदस्य सतीश को दबोचा।

पुलिस को देख चालक सड़क पर बजरी खाली कर डंपर ले भागा

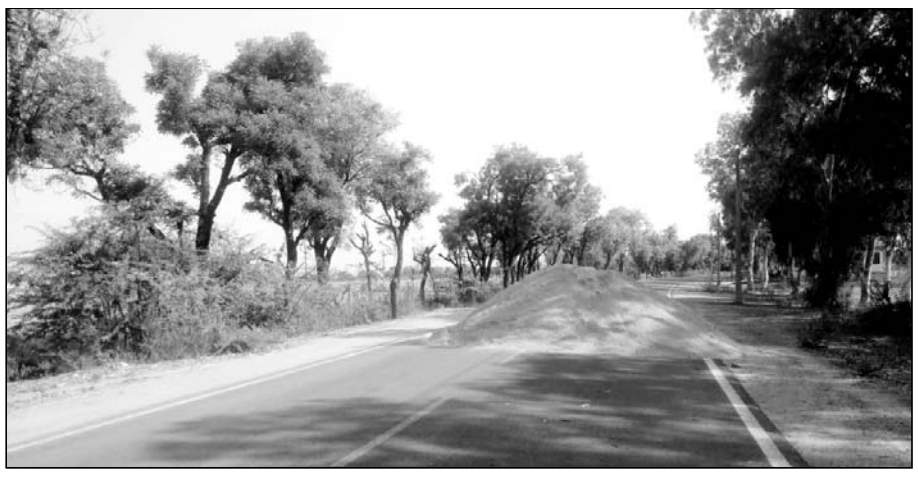

निवाई के मूंडिया गांव में सड़क के बींचों-बीच पड़ी हुई बजरी।

निवाई, (निसं)। गांव मूण्डिया में पुलिस की गाड़ी को देखकर एक डंपर के चालक अवैध बजरी को सड़क के बींचो-बीच डालकर डंपर भगा ले गया, जिससे मूण्डिया जाने वाले सड़क मार्ग पर आने-जाने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी प्रकार दूसरे डंपर का चालक पुलिस को देखकर डंपर को तेज गति से भागाकर ले गया। सदर पुलिस मौक पर पहुंची और अवैध बजरी के बारे में खनिज विभाग को सूचना दी।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस गश्त की गाड़ी को देखकर बजरी का डंपर चालक डंपर को तेजगति से भगाकर राहोली की ओर फरार हो गया तथा दूसरे चालक ने मूण्डिया में सड़क के बींचो बीच बजरी डालकर डंपर को भगा ले गया। पुलिस डंपरों की पहचान करने में जुट गई है। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों डंपर चालक तेज गति से डंपरों को भगाकर ले गए जिससे गांव में कोई भी हानि भी हो सकती थी। इस दौरान गांव में बड़ा हादसा होने से टल गया।

पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर ऑनलाइन ठगी

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में एक युवक से ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने अमेजॉन पर पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर पीड़ित का मोबाइल हैक कर लिया। बाद में पीड़ित के अकाउंट और क्रेडिट कार्ड से ट्रांजैक्शन कर करीब 8 लाख रुपए विड्रॉल कर लिए। पीड़ित को वापस पैसे देने की एवज में 20 प्रतिशत फिरौती की मांग की। पीड़ित ने परेशान होकर अलवर गेट थाने में शिकायत दी है। अलवर गेट थाना पुलिस के अनुसार मेयो लिंक रोड रबड़िया मोहल्ला निवासी प्रतीक वर्मा की ओर से मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

उन्होंने शिकायत में बताया कि इंस्टाग्राम पर अमेजॉन पर पार्ट टाइम जॉब के ऑफर का लिंक उनके पास आया था। साइबर ठगों ने लिंक के माध्यम से उसका फोन हैक कर लिया। बाद में उसके अकाउंट और क्रेडिट कार्ड से करीब 8 लाख रुपए विड्रोल कर लिए। पीड़ित ने बताया कि उसने किसी तरह का ओटीपी साझा नहीं किया था। बाद में उसने साइबर सेल के नंबर पर जानकारी देकर इसकी शिकायत दी थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रेलवे कर्मचारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

रेलवे कर्मचारी के भाई ने महिला पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया

अजमेर, (कासं)। अलवरगेट पुलिस थाना क्षेत्र धोलाभाटा अजयपाल नगर में रहने वाले एक रेलवे कर्मचारी ने अपने ही कमरे में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची ने शव को अपने कब्जे में लेकर जवाहर लाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया। पोस्टमार्टम करा शव परिजन के सुपुर्द किया। मृतक रेलवे कर्मचारी के भाई ने आरोप लगाया कि उसके साथ एक लड़की रहने लगी और वह उसे ब्लौकमेल कर रही थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर सभी पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है।

आबू रोड हाल धोलाभाटा अजयपाल नगर में निवासी प्रदीप कुमार पुत्र मदन कुमार ने अपने घर पर पाइप से फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। मकान मालिक और पड़ोसियों

- **अलवर गेट थाना पुलिस सुसाइड के कारणों को लेकर जांच में जुटी है**

ने जब उसे लटका देखा तो क्षेत्र में हड़कंप मच गया। इसके बाद इसकी सूचना अलवर गेट थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को जेएलएन अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को अस्पताल के मुर्दाघर में सुरक्षित रखवा दिया और परिजन को सूचना दी। शुक्रवार सुबह मृतक के परिवार वाले अजमेर पहुंचे, जहां अलवर गेट थाना पुलिस ने अस्पताल में पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर शव परिजन के सुपुर्द कर दिया। अलवर गेट थाना पुलिस सुसाइड के कारणों को लेकर जांच में जुटी है।

भाई ने लगाया महिला ब्लैकमेल का आरोप :- मृतक के छोटे भाई आबू रोड निवासी प्रवीण कुमार ने पड़ोसी महिला पर ब्लैकमेल करने के आरोप लगाए है। प्रवीण ने बताया कि उसका भाई प्रदीप कुमार रेलवे में कर्मचारी था, करीब छह माह पहले ही अजमेर में ट्रांसफर हुआ था। इसके बाद से वह अपनी पत्नी के साथ अजमेर में किराए पर मकान लेकर रह रहे थे। भाई ने आरोप लगाया कि पड़ोस में रहने वाली महिला ने पहले उनसे बहन बनाकर नजदीकी बढ़ाई थी। बाद में रिलेशनशिप में आ गई थी। पीड़ित भाई ने आरोप लगाया कि महिला के द्वारा उसके भाई को शादी के लिए ब्लैकमेल किया जा रहा था। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर भाई ने सुसाइड किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

निर्माण कार्य से ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा

जोधपुर, (कासं)। मेड़ता रोड-बीकानेर रेल मार्ग पर स्थित चीलो स्टेशन पर लूप लाइन के निर्माण कार्य के तहत नॉन इण्टरलॉकिंग के कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा।

जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह के अनुसार उपरोक्त कार्य के कारण उत्तर पश्चिम रेलवे पर कुछ ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा। इसके तहत गाड़ी संख्या 19719, जयपुर-सूरतगढ़ रेलसेवा जो 25 व 26 मई को जयपुर से प्रस्थान करेगी वह अपने निर्धारित मार्ग जयपुर-फुलेरा-मेड़ता रोड-बीकानेर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया जयपुर-रींगस-सीकर-चूरू-बीकानेर होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में यह रेलसेवा श्रीडूंगरगढ़, राजलदेसर, रतनगढ़, चूरू, फतेहपुर शेखावाटी, सीकर, रींगस, ढेहर का बालाजी स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 19720, सूरतगढ़-जयपुर रेलसेवा जो 25 व 26 मई को सूरतगढ़ से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा अपने निर्धारित मार्ग बीकानेर-मेड़ता रोड-फुलेरा-जयपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया बीकानेर-चूरू-सीकर-रींगस-जयपुर होकर संचालित होगी।

पांच हजार लीटर वनस्पति एवं देशी घी सील किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में चल रहे "शुद्ध आहार-मिलावट पर वार" अभियान के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रीको स्थित एक फैक्ट्री पर दबिश दी जहां बंद पैकेटों में की गई पैकिंग का घी राजस्थान के अलावा कई प्रदेशों में सप्लाई किया जा रहा था। इस घी में मिलावट की आंशका पर इस कार्रवाई के दौरान टीम ने करीब पांच हजार लीटर वनस्पति एवं देशी घी सील किया। इसके साथ साथ मौके से तीन सैंपल लिए।

सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि मुख्यालय से विभागीय सूचना मिली कि रिको स्थित महादेव इंडस्ट्री में नकली देशी घी का निर्माण किया जा रहा है, यह घी देश के विभिन्न राज्यों उड़ीसा, असम व रायपुर आदि में सप्लाई किया जाता है। वहीं राजधानी जयपुर सहित राज्य के अन्य हिस्सों में भी मिल्क बाइट ब्रांड का घी सप्लाई होता है। यहां पर टीम गठित कर फैक्ट्री पर दबिश दी गई। जहां मौके पर वनस्पति एवं देशी घी पाया गया। टीम ने खुले में

- **रीको में फैक्ट्री सीज, बंद पैकेटों में की गई पैकिंग का घी राजस्थान के अलावा कई प्रदेशों में सप्लाई किया जा रहा था**

रखे गए वनस्पती, प्रोटो ब्रांड का वनस्पति घी एवं मिल्क बाइट ब्रांड का घी के सैंपल लिए। मिलावट की आशंका के चलते टीम ने मौके पर ही 2750 लीटर वनस्पति एवं 2160 लीटर मिल्क बाइट ब्रांड का देशी घी को सील किया। उन्होंने बताया कि सैंपल तत्काल लैब में भेजकर रिपोर्ट करवा कर आगामी कार्रवाई की जाएगी। जांच टीम में सीओआईईसी विनोद बिश्नोई, एफएसओ हेतराम खुडिया एवं हंसराज गोदारा टीम आदि शामिल थे।

सीएमएचओ ने आमजन से अपील है कि जहां भी अशुद्ध, मिलावटी व अवधिपार खाद्य सामग्री बेचने की आशंका हो, उसकी शिकायत अवश्य करें।

बीकानेर में 24 घंटे में चार शव मिले

बीकानेर, (निसं)। शहर में पिछले 24 घंटे में अलग-अलग जगहों से चार युवकों के शव मिले हैं, जहां गुरूवार को दो शव मिले थे, वहीं शुक्रवार को भी दो अलग-अलग जगह युवकों की मौत हो गई। इसमें एमएम ग्राऊंड के पीछे एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव देर रात से ग्राउंड के पीछे पड़ा था। सुबह आसपड़ौस के लोगों ने देखकर पुलिस को फोन किया।

फिलहाल शव को पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है। बताया जा रहा है कि मृतक के मुंह से झाग निकल रहा था। उसके शर्ट का एक हिस्सा फटा हुआ था। ऐसे में उसकी मौत को संदिग्ध माना जा रहा है। युवक की पहचान चुंगी चौकी निवासी विक्रम पुत्र बजरंग के रूप में हुई है। नयाशहर पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना कर दी, जिसके बाद वे पीबीएम अस्पताल पहुंच गए फिलहाल कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। पोस्टमार्टम के बाद ही स्पष्ट होगा कि मौत का कारण क्या है?

कार ने बाइक सवार दंपति को कुचला, मौत

कानोड़, (निसं)। कानोड़ से उदयपुर मुख्य सड़क मार्ग पर शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दंपति की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 1 बजे उदयपुर मुख्य सड़क मार्ग पर भाटीया तलाई के पास उदयपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने कानोड़ की ओर से आ रही बाइक को चपेट में ले लिया, जिससे बाइक सवार दंपति गणेश डांगी (52) व बाबुड़ी बाई (45) को ग्रामीणों ने गंभीर हालत में कानोड़ चिकित्सालय पहुंचाया जहां पर चिकित्सकों ने दंपति को मृत घोषित कर दिया।

इधर कार चालक कार को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि कार में अन्य लोग भी सवार थे जो भी वहां से फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने कार चालक व अन्य लोगों का कानोड़ और भींडर चिकित्सालय में पता करने का प्रयास किया लेकिन दोनों ही नजदीकी अस्पतालों में नहीं मिले। वहीं हादसे की जानकारी क्षेत्र में आग की तरह फैल गई जिससे मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए।

बताया जा है कि मृतक बाइक सवार दंपति गणेश डांगी व बाबुड़ी डांगी जो कानोड़ के निकट बड़ा राजपुरा गांव से प्रसादी गोल वीटी कार्यक्रम में शामिल होकर खाना खाने के बाद पुनः अपने गांव वल्लभनगर लौट रहे थे तो रास्ते में ही सड़क हादसे का शिकार हो गए। मृतक गणेश डांगी वल्लभनगर में किसी बैंक में कार्य करता था।

घटना की जानकारी मिलते ही परिवारजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। हादसे में बाइक व कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की जानकारी जैसे ही गांव पहुंची तो लोग चिकित्सालय दौड़ पड़े। घटनास्थल डूंगला थाना क्षेत्र का होने से थानाधिकारी घेवर चंद सहित पुलिस ने पहुंचकर प्रकरण दर्ज करते हुए अनुसंधान शुरू किया।

- **कार चालक व अन्य सवार लोग कार को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए**

कानोड़ से उदयपुर मुख्य सड़क मार्ग पर हुये हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई।

79 लाख रुपए की टैक्स वसूली तो कर नहीं सके, अब विज्ञापन पर 2.5 लाख रु. और खर्च कर डाले

ग्रेटर निगम को वित्तीय वर्ष 2023-24 में 103 लोगों ने टैक्स चुकाने के लिए चैक दिए थे, जो कि बैंकों से अनादरित हो गए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम को वित्तीय वर्ष 2023-24 में 103 लोगों ने 79 लाख रु. का बकाया नगरीय विकास कर और विज्ञापन शुल्क चुकाने के लिए चैक दिए थे, जो बैंकों से अनादरित हो गए। इसकी सुध अधिकारियों को वित्तीय वर्ष खत्म होने के करीब डेढ़ माह बाद अब आई है। मजेदार बात यह है कि 79 लाख रु. की इस टैक्स वसूली में तो ग्रेटर निगम नाकाम रहा, लेकिन अब बकायेदारों से वसूली के बजाय सार्वजनिक सूचना का विज्ञापन छपवाने करीब 2.5 लाख रु. और खर्च कर डाले।

हास्यास्पद बात यह है कि 10 मई को ग्रेटर नगर निगम आयुक्त की तरफ से 'सार्वजनिक सूचना' का विज्ञापन दो समाचार पत्रों में छपवाया गया, जिसमें इन 103 बकायेदारों को पाबंद करते हुए टैक्स 30 अप्रैल 2024 तक जमा करवाने की चेतावनी दी गई। यानि कि यह अंतिम तिथि निकले भी आज 10 दिन बीत चुके हैं। ऐसे में इस विज्ञापन को अब छपवाने का कोई तुक ही नहीं बैठता है। भले ही यह विज्ञापन 10 मई को प्रकाशित हुआ है, लेकिन इसमें भी ग्रेटर नगर निगम प्रशासन ने दिनांक 3 मई अंकित कर रखी है।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि जब ग्रेटर निगम प्रशासन ने नगरीय विकास कर (यू.डी. टैक्स) वसूली का जिम्मा 10 प्रतिशत कमीशन पर स्पैरो कंपनी को दे रखा है तो फिर इस विज्ञापन शुल्क का भार सरकारी खाते पर क्यों डाला जा रहा है?

आयुक्त के हवाले से प्रकाशित हुई इस 'सार्वजनिक सूचना' के विज्ञापन में बताया गया है कि ग्रेटर नगर निगम क्षेत्राधिकार में व्यावसायिक, औद्योगिक व संस्थानिक संपत्तियों पर बकाया हाऊस टैक्स, नगरीय विकास कर, विज्ञापन शुल्क को संपत्तिधारकों ने भुगतान किया था। बैंकों से रिपोर्ट मिली है कि 103 प्रकरणों में संपत्तिधारकों द्वारा जमा करवाए गए चैक अनादरित हो गए हैं। इसलिए यह सभी लोग 30 अप्रैल 2024 तक अपना बकाया वर्ष 2023-24 का टैक्स जमा करवाएं। अन्यथा राजस्थान नगरपालिका एक्ट 2009 व क्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के तहत कानूनी कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

इस विज्ञापन के प्रकाशित होने के बाद सबसे हास्यास्पद यह रहा है कि ग्रेटर नगर निगम द्वारा इन 103 लोगों को टैक्स जमा करवाने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2024 दी, लेकिन यह विज्ञापन समाचार पत्र में प्रकाशित 10 मई को हुआ है। इस विज्ञप्ति के अनुसार जिन लोगों के चैक अनादरित हुए हैं, उनमें जगतपुरा जोन में 16 लोगों पर 20 लाख 6 हजार 227 रु., झोटवाड़ा में 15 लोगों पर 9 लाख 4 हजार 707 रु., मालवीय नगर में 20 लोगों पर 17 लाख 47 हजार 990 रु., मानसरोवर में 4 लोगों पर 5 लाख 43 हजार 316 रु, मुरलीपुरा में 16 लोगों पर 10 लाख 5 हजार 849 रु., सांगानेर में 20 लोगों पर 13 लाख 85 हजार 416 रु. और विद्याधर नगर में 7 लोगों पर 3 लाख 11 हजार 762 रु. बकाया थे।

- **हास्यास्पद यह है कि 10 मई को ग्रेटर नगर निगम प्रशासन ने 'सार्वजनिक सूचना' का विज्ञापन जारी किया, जिसमें इन 103 लोगों को पाबंद करते हुए 30 अप्रैल 2024 तक टैक्स जमा करवाने की चेतावनी दी, जबकि अंतिम तिथि को गुजरे भी 10 दिन बीत चुके**
- **सवाल यह उठता है कि जब ग्रेटर निगम प्रशासन ने टैक्स वसूली का जिम्मा 10 प्रतिशत कमीशन पर स्पैरो कंपनी को दे रखा है तो फिर विज्ञापन शुल्क का भार सरकारी खाते पर क्यों डाला जा रहा है?**

अब सवाल यह उठता है कि जब ग्रेटर नगर निगम प्रशासन ने स्पैरो कंपनी को जयपुर शहर में बकाया नगरीय विकास कर वसूली का ठेका दे रखा है, जिसके बदले 10 प्रतिशत कमीशन भी दिया जाता है, तो फिर बैंक चैक अनादरण के इस मामले में रकम वसूली की जिम्मेदारी भी कंपनी की ही बनती है। ऐसे में आखिर किसे फायदा पहुंचाने के लिए ग्रेटर निगम प्रशासन ने इस विज्ञापन शुल्क का करीब 2.5 लाख रु. का भार सरकारी खाते पर डाला।

कैंसर हीलर सेंटर ने जयपुर में शुरू किया नया केंद्र

जयपुर। अब कैंसर लाइलाज नहीं है। आधुनिक चिकित्सा पद्धित ने कैंसर जैसी बीमारी को लेकर डर खत्म कर दिया है। कैंसर हीलर की इम्यूनोथेरेपी ने कैंसर के इलाज में कमाल कर दिया है। कैंसर रोगियों के लिए अब जयपुर में कैंसर हीलर सेंटर की शुरुआत हो गई है। यहां जयपुर सहित पूरे राजस्थान से लोग आसानी से कैंसर का इलाज करा सकेंगे।

शुक्रवार को जयपुर के वैशाली नगर में कैंसर हीलर सेंटर के नए केंद्र का शुभारंभ हुआ। इस केंद्र पर कैंसर विशेषज्ञों के जरिए कैंसर रोगियों का इलाज अब संभव हो सकेगा। कैंसर हीलर सेंटर के निदेशक डॉ. तरंग कृष्णा, निदेशिका डॉ. दीपिका कृष्णा और नई दिल्ली स्थित एम्स के कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. जी.के. रथ की मौजूदगी में नए केंद्र का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर डॉ. कृष्णा ने बताया कि कैंसर हीलर सेंटर इम्यूनोथेरेपी द्वारा जो कैंसर का इलाज किया जाता है वह कीमोथेरेपी और रेडियोथैरेपी के साथ लिया जा सकता है। इसके कोई भी साइड इफेक्ट भी नहीं है। वह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता इतनी बढ़ा देता है जिससे शरीर कैंसर से लड़ने में सक्षम होता है और उसको बढ़ने नहीं देता। कैंसर हीलर का इम्यूनोथेरेपी उपचार कैंसर की किसी भी स्टेज और किसी भी उपचार के साथ ले सकते है। कैंसर हीलर सेंटर के देश भर में 14 से अधिक सेंटर हैं।

इस अवसर पर कैंसर हीलर सेंटर की निदेशिका डॉ. दीपिका कृष्णा ने कैंसर से बचाव के उपायों की जानकारी दी। नई दिल्ली स्थित एम्स के कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. जी.के. रथ ने कहा कि कैंसर से बचाव के लिए धूमपान, तंबाकू, सुपारी, पान मसाला, शराब आदि का सेवन न करें। विटामिन युक्त पौष्टिक भोजन खाएं कीटनाशक एवं खाद्य संरक्षण रसायनों से मुक्त भोजन खाएं। अधिक तले, बार-बार गर्म किया तेल में बने और अधिक नमक रहित भोजन न खाएं वजन के लिए योग व्यायाम करें।

जवाहर कला केन्द्र में जूनियर समर कैंप 16 मई से शुरू होगा

कला एवं संस्कृति विभाग की शासन सचिव व जवाहर कला केन्द्र की महानिदेशक गायत्री राठौड़ ने शुक्रवार को जूनियर समर कैंप के पोस्टर का विमोचन किया।

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से जूनियर समर प्रोग्राम (कैंप) 16 मई से शुरू होने जा रहा है। प्रमुख शासन सचिव कला एवं संस्कृति विभाग और जेकेके की महानिदेशक गायत्री राठौड़ ने शुक्रवार को जूनियर समर प्रोग्राम (कैंप) के पोस्टर का विमोचन किया। इस दौरान जेकेके की अति. महानिदेशक प्रियंका जोधावत व अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। राठौड़ ने केन्द्र में आयोजित प्रदर्शनी बोलते रंग का अवलोकन भी किया।

जूनियर समर प्रोग्राम (कैंप) में रंगमंच विधा में अत्यधिक उत्साह देखते हुए सीमित संख्या में सीटों की वृद्धि की गई है। इनके लिए केन्द्र की वेबसाइट पर मौजूद गूगल फ़ॉर्म लिंक से ऑनलाइन आवेदन 13 मई, 2024 को प्रात: 11:00 बजे से किया जा सकेगा। पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। गायत्री राठौड़ ने कहा कि जवाहर कला केन्द्र की ओर से आयोजित होने वाले जूनियर समर प्रोग्राम (कैंप) में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान बच्चे रोचक अंदाज में रचनात्मकता का पाठ पढ़ सकेंगे। विशेषज्ञों के सानिध्य में कलात्मक विधाओं का प्रशिक्षण लेने से बच्चों क्रिएटिविटी को पंख लगने के साथ व्यक्तित्व का भी विकास होगा। ऑनलाइन आवेदन से परिजनों को भी सुविधा होगी, अधिक से अधिक संख्या में 8 से 17 वर्ष के बच्चे हिस्सा लेकर लाभ उठाएं। केन्द्र की अति. महानिदेशक प्रियंका जोधावत ने कहा कि इस बार कैंप में 16 विधाओं का प्रशिक्षण 8 से 17 वर्ष के बच्चों को मिलेगा।

नर्सेज दिवस की पूर्व संध्या पर होगी कैंडल लाइटिंग

जयपुर। नर्सिंग प्रोफेशन की जन्मदात्री मिस फ्लोरेंस नाइटिंगल का जन्मदिन हर वर्ष 12 मई को अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस के रूप में मनाया जाता है।

नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष श्याम सिंह ने बताया कि इसी उपलक्ष्य में हर वर्ष की भांति जयपुर के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के संलग्न विभिन्न अस्पतालों में कार्यारत नर्सेज द्वारा नर्सेज दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार शाम सात बजे एसएमएस अस्पताल के मुख्य द्वार पर द्वीप प्रज्जवलन एवं कैंडल लाइटिंग कर मिस फ्लोरेंस नाइटिंगेल को श्रद्धा सुमन अर्पित किए जायेंगे। एसोसिएशन के अतिरिक्त महामंत्री भरत लाल जाटव ने बताया कि समारोह में एस एम एस मेडिकल कॉलेज जयपुर के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, एस एम एस चिकित्सालय जयपुर के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी, नर्सिंग कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. जोगेंद्र शर्मा तथा मुख्य नर्सिंग अधीक्षक सुरेश कुमार मीणा सहित अन्य अधिकारी एवं नर्सिंग कॉलेज तथा स्कूल ऑफ नर्सिंग के छात्र शामिल होंगे। वहीं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधीन नर्सिंग संवर्ग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रेष्ठत्तम नर्स को नर्सेज दिवस पर राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए निदेशालय स्तर पर गठित चयन समिति द्वारा 8 मई को बैठक आयोजित कर 57 नर्सिंग कर्मियों को सम्मानित किये जाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

स्टैच्यू सर्किल पर तेज रफ्तार कार पलटी, बिजनेसमैन की मौत

- **सड़क पर अचानक सामने आ गया था कुत्ता, उसे बचाने के चक्कर में कार पलटकर बिजली पोल से टकराई**

जयपुर। सी-स्कीम क्षेत्र में स्टैच्यू सर्किल पर शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार कार पलट गई। रोड पर अचानक आए कुत्ते को बचाने के चलते कार बिजली पोल से टकराई। एयर बैग खुलने के बाद भी कार सवार युवक की मौत हो गई। एक्सीडेंट थाना (साउथ) पुलिस ने परिजनों के लिखित में देने पर बिना केस दर्ज किए शव परिजनों को सौंप दिया, सिर्फ पंचनामा किया गया।

दुर्घटना थाना पुलिस ने बताया कि हादसे में जय सुरोलिया (24) पुत्र रवि कुमार निवासी शिवाजी स्टेडियम नई दिल्ली की मौत हो गई। मृतक जय होटल कारोबार से जुड़े हुए थे। शुक्रवार सुबह करीब 4:45 बजे जय अपनी फॉक्सवैगन कार से स्टैच्यू सर्किल से जा रहे थे। सड़क पर अचानक दौड़ते हुए कुत्ता सामने आ गया। उसे बचाने के चलते ओवर स्पीड कार पलटी खाकर बिजली पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के एयर बैग खुलने के साथ ही बिजली पोल टूटकर नीचे गिर गया। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने जैसे-तैसे संभालने की कोशिश की। एक्सीडेंट की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल जय को कार से बाहर निकाला। गंभीर हालत में उसे हॉस्पिटल भिजवाया गया। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने एक्सीडेंट में जय सुरोलिया की मौत की सूचना परिजनों को दी। हॉस्पिटल पहुंचे परिजनों ने एफ.आई.आर. दर्ज करवाने से मना कर दिया। पुलिस को पोस्टमार्टम नहीं करवाने की एप्लीकेशन दी। पुलिस ने परिजनों की सहमति पर पंचनामे की कार्रवाई कर शव परिजनों को सौंप दिया। पलटी खाने के बाद कार बिजली पोल में फंस गई थी। पुलिस ने क्रेन की मदद से पोल में फंसी कार को निकाला।

जीप की टक्कर से 6 वर्षीय मासूम की मौत

जयपुर। झोटवाड़ा इलाके में तेज रफ्तार जीप की टक्कर से एक मासूम की मौत हो गई। वह अपनी मां के साथ मार्केट खरीदारी करने बाजार आया था। इस दौरान सड़क पार करते समय जीप ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद ड्राइवर जीप ले भागा। गंभीर घायल बच्चे को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां गुरुवार देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जीप और चालक की तलाश में जुटी है।

सडक दुर्घटना थाना पुलिस ने बताया कि हादसे में मानसर झुंझुनूं निवासी राजकुमार सैन के छह साल के बेटे मोहित की मौत हो गई। राजकुमार अपनी पत्नी और बेटे मोहित के साथ नींदड़ मोड हरमाड़ा में किराए से रहकर प्राइवेट नौकरी करते हैं। तीन मई को शाम पौने सात बजे मोहित अपनी मां के साथ ढेहर के बालाजी मार्केट में खरीदारी करने आया था। इस दौरान सडक पार करते समय तेज रफ्तार जीप ने मोहित को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक मौके से जीप भगा ले गया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर हालत में एंबुलेंस की मदद से मोहित को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां इलाज के दौरान गुरुवार देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार सुबह पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस वारदात स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ जीप और उसके चालक की तलाश कर रही है।

आर.यू.एच.एस. के कार्यवाहक कुलपति डॉ. धनंजय अग्रवाल ने कार्यभार संभाला

जयपुर (कासं)। राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) के नए कार्यवाहक कुलपति डॉ. धनंजय अग्रवाल ने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया।

इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विनोद जोशी, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के कार्यवाहर प्रिंसीपल डॉ. दीपक माहेश्वरी और एसएमएस के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी सहित कई चिकित्सक मौजूद रहे।

अपना कार्यभार ग्रहण करने के बाद डॉ. धनंजय अग्रवाल ने राजभवन में राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींमसर से भी मुलाकात की।

उधर, नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. धनंजय अग्रवाल के आरयूएचएस का कुलपति बनाए जाने पर चिकित्सकों में चर्चा का दौर चल रहा है। कहा जा रहा है कि एक तरफ एसएमएस में दोनों प्रशासनिक पदों से डॉक्टर हटाए गए है।

वहीं एसएसबी में बतौर नेफ्रोलॉजी एचओडी जिन डॉक्टर्स की ट्रांसप्लांट में अहम भूमिका थी, उन्हें फिर कैसे कार्यवाहक कुलपति की जिम्मेदारी दी गई है।

नाबालिग से दुष्कर्म

जयपुर। विद्याधर नगर इलाके में ब्लैकमेल कर नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। दोस्त के रूम पर ले जाकर नशीला पदार्थ पिलाकर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। बेहोशी की हालत में बनाए अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल कर देहशोषण करता रहा। नाबालिग पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने बताया कि विद्याधर नगर निवासी सौलह वर्षीय लड़की ने मामला दर्ज करवाया है कि एक रिश्तेदार की शादी में जाने पर नितेश मीना नाम के लड़के ने चुपके से उसके फोटोज खींच लिए। फिर उसके फोटोज को एडिट कर दोस्ती करने का दबाव बनाया और ब्लैकमेल कर मोबाइल पर बात करने लगा। सितंबर 2023 में स्कूल जाते समय किडनैप कर अपने दोस्त के कमरे पर ले गया। जहां नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना लिया। अब अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर देह शोषण करने लगा।

चाकू की नोंक पर चालक का अपहरण कर टैक्सी कार लूटी

जयपुर। प्रताप नगर में उबर कंपनी में टैक्सी कार के चालक का अपहरण कर कार लूट का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि चाकू की नोक पर बदमाशों ने उसे बंधक बनाया और जेब में रखी नगदी छीन कर जंगल में फेंक फरार हो गए। किसी तरह थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया और पुलिस लुटेरों की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि लूट की वारदात पालड़ी विराटनगर निवासी भिवाराम गुर्जर (26) के साथ हुई, जो उबर कंपनी में टैक्सी कार चलाता है। पीडित बुधवार को विराट नगर अपने घर से निकला और राइड की लोकेशन महल योजना प्रताप नगर पहुंचा। राइड बुक करने वाले युवकों को बैठाने के लिए कार का गेट खोला और उसकी गर्दन पर चाकू लगा दिया, बंधक बनाकर उसकी कार में ही अपहरण कर लिया। आधे घंटे बाद सुनसान जगह पर ले जाकर जेब में रखे 13 हजार रुपए छीने और वहीं पर छोड़कर टैक्सी कार लेकर फरार हो गए।

सार-समाचार

शिविर में 51 यूनिट रक्तदान

कल्पतरु शिक्षा समिति, रोटरी क्लब जयपुर प्राइड व रॉयल राजस्थान रनर्स की टीम ने रक्तदाताओं को सम्मानित किया।

जयपुर। कल्पतरु शिक्षा समिति, रोटरी क्लब जयपुर प्राइड एवं रॉयल राजस्थान रनर्स के संयुक्त तत्वावधान में सूर्य नगर, गोपापुरा बाईपास रोड स्थित परमहंस धाम, मानव उत्थान सेवा समिति में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर आयोजित हुआ। संयोजक सुनील गौड़ ने बताया कि गर्मियों के समय में अक्सर अस्पतालों में रक्त की कमी रहती है, इसलिए हम प्रत्येक वर्ष गर्मी के मौसम में रक्तदान शिविर लगाते है। शुक्रवार को इस शिविर में 51 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ और लगभग 80 से ज्यादा लोगों ने ई सी जी, रक्तचाप, शुगर, बी.एम.डी. जैसी विभिन्न जाँचे नि:शुल्क करवाकर लाभ उठाया। कार्यक्रम में कल्पतरु शिक्षा समिति के अध्यक्ष गोवर्धनलाल गौड़, रोटरी क्लब जयपुर प्राइड के अध्यक्ष ओ.पी. जैन, रॉयल राजस्थान रनर्स के अजय शर्मा, प्रदीप जोशी, पंकज जांगिड़, विनय जैन, गणपति कम्युनिकेशन के एम.डी. विशाल गौड़, भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता राधेश्याम उपाध्याय ने उपस्थित रहकर रक्तदाताओं का मनोबल बढ़ाया एवं प्रमाण पत्र व हेलमेट देकर सम्मानित किया।

'युद्धक्षेत्र व व्यापार में बहुत समानता'

जयपुर। साउथ वेस्टर्न कमांड के आर्मी कमांडर, लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ (एवीएसएम) ने युद्ध के मैदान की व्यापारिक दुनिया से तुलना करते हुए एक दिलचस्प प्रजेंटेशन दी। उन्होंने कहा कि दोनों स्थितियों में, एक - अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता और अस्पष्टता का वातावरण है। वह डाटा इंफोसिस, जिसे अब डाटा इंजिनियस ग्लोबल लिमिटेड के नाम से जाना जाता है, की 25वीं सिल्वर जुबली के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम भारत2047 विषय पर आयोजित किया गया था। उन्होंने बहुत ही प्रभावी तरीके से, आगे तुलना करते हुए बताया कि कैसे स्ट्राइक (स्ट्रैटेजिक थिंकिंग, रेजिलिएंस, इनिशिएटिव एंड इनोवेशन, नो योरसेल्फ एंड नो योर एडवरसरी और इफेक्टिव लीडरशिप) को युद्ध के मैदान के साथ-साथ कॉर्पोरेट जगत में भी लागू किया जा सकता है। आईस्पिरिट फाउंडेशन के फाउंडर, शरद शर्मा ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के बारे में बात की। वक्ताओं में नैसकॉम की कार्यकारी समिति और एनएसडीसी के बोर्ड मेंबर, जगदीश मित्रा; फ़ारआई के फाउंडर, गौतम कुमार; क्यूएनयूलैब्स के फाउंडर, सुनील गुप्ता शामिल थे। सत्र की अध्यक्षता पूर्व सीईओ और एमडी, टेक महिंद्रा और एआईऑप्स के फाउंडर, सीपी गुरनानी ने की।

द लॉन्ड्री हाउस स्टोर की ओपनिंग

जयपुर। राजस्थान के सबसे बड़े आधुनिक द लॉन्ड्री हाउस स्टोर की शुरुआत शुक्रवार को नेमीसागर कॉलोनी, वैशाली नगर में हुई। उद्घाटन समारोह में नामी सेलिब्रिटी डिजाइर हिम्मत सिंह समेत शहर की कई हस्तियां मौजूद रहीं। इस स्टोर के 4000 वर्ग फीट के परिसर में पूरी पारदर्शिता, प्योर वाटर और हाइजीनिक जैसे मानक घरेलू आइटम्स के बेहतर रखरखाव को नया आयाम देंगे। द लॉन्ड्री हाउस के खास फाउंडर्स में शामिल आशीष बाकलीवाल, अभिषेक शर्मा, हरिन्दर सिंह गहलोत, पारस जैन और संदीप जैन की साझेदारी में इस कॉन्सेप्ट को मूत्तरूप दिया गया। आशीष बाकलीवाल ने बताया कि इटली और स्पेन की शीर्ष गुणवत्तायुक्त मशीनों से सुसज्जित इस स्टोर में महंगे लिबासों के साथ-साथ जूते, पर्स, परदे, गद्दे, बैग्स और अन्य आइटम्स की बेहतर देखभाल की जाएगी। हरिन्दर सिंह गहलोत ने बताया कि यह स्टोर बुनियादी रूप से कटिंग- एज स्थापना परिधान की बेहतर देखभाल और सुविधा में एक नया मापदंड स्थापित करेगा। फाउंडर पारस जैन ने कहा कि नाजुक कपड़ों से लेकर रोजाना के पहनावे तक हमारी विशेषज्ञ टीम बारीकी के साथ प्रत्येक परिधान की देखभाल के लिए समर्पित है। यह स्टोर प्रात: 9 से शाम 8 बजे तक खुला रहेगा।

भानपुरकलां स्कूल भवन का जीर्णोद्धार

जयपुर, (का.सं.)। भानपुर कलां कस्बे में स्थित राजकीय वरि.उपाध्याय संस्कृत विद्यालय का मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान ने नैक ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी व भामाशाहों के आर्थिक सहयोग से कायाकल्प कर बदल दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नैक ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड के एसोसिएट वाईस प्रेसिडेंट सुजीत, ट्रस्ट के संयोजक कौशल सत्यार्थी रहे विद्यालय परिवार की तरफ से सभी आगंतुकों का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को आशीर्वचन के रूप में कहा कि शिक्षा ही आपका जीवन बदल सकती है इसलिए आपको विपरीत परिस्थतियों में भी शिक्षा का दामन नहीं छोड़ना है। उपस्थित परिजनों ने ट्रस्ट के कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की । तथा उन्होंने कहा कि विद्यालय के विकास से हमारे बच्चों का सर्वागीण विकास हो सकेगा ।

'महाराव शेखाजी का जीवन मानवता को समर्पित रहा'

महाराव शेखाजी के 536वें निर्वाण दिवस समारोह को महाराव संस्थान के सचिव सम्पत सिंह धमोरा और अन्य समाजजनों ने संबोधित किया।

- **महाराव शेखाजी के 536वें निर्वाण दिवस पर सीकर के ग्राम रलावता और जयपुर स्थित श्री भवानी निकेतन महाविद्यालय में आयोजित हुआ कार्यक्रम**

जयपुर। महाराव शेखा संस्थान के सचिव सम्पत सिंह धमोरा ने बताया कि शेखावाटी के संस्थापक, इतिहास पुरूष, नारी सम्मान के रक्षार्थ प्राणोत्सर्ग कर स्वर्गारोहण करने वाले, धार्मिक सहिष्णुता के प्रतीक पूज्य महाराव शेखाजी का 536वाँ निर्वाण दिवस समारोह अक्षय तृतीया शुक्रवार दिनांक 10 मई को शेखाजी की निर्वाण स्थली सीकर स्थित ग्राम रलावता में मनाया गया। इसके साथ ही जयपुर स्थित भवानी निकेतन महाविद्यालय में भी निर्वाण दिवस मनाया गया।

समारोह अध्यक्ष राव राजेन्द्र सिंह शाहपुरा, पूर्व उपाध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा ने अपने सम्बोधन में शेखाजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन मानवता को समर्पित रहा। हमें उनके जीवन को अंगीकार करते हुए सभी जाति, समुदाय एवं वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलना है।

उन्होंने कहा कि सीकर जिले की इसी पवित्र भूमि में जन्मे पूर्व उपराष्ट्रपति स्व. भैरोंसिंह में सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की क्षमता थी। राव साहब ने महाराव शेखा संस्थान की वेबसाईट जारी कर उसमें सभी जानकारियाँ उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। कार्यकारी अध्यक्ष जालिम सिंह आसपुरा ने संस्थान के विधान पर चर्चा करते हुए ग्राम, तहसील एवं जिला ईकाईयों के गठन पर जोर दिया। वक्ताओं ने महाराव शेखाजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए नारी सम्मान एवं धार्मिक सहिष्णुता पर बल देते हुए विश्व में शान्ति एवं प्रेम का वातावरण बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के सचिव सम्पत सिंह धमोरा ने करते हुए संस्थान के कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। समारोह को महाराव शेखा संस्थान के अध्यक्ष राव राजेन्द्र सिंह शाहपुरा, पूर्व उपाध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा, जालिम सिंह आसपुरा, कार्यकारी अध्यक्ष, गोवर्धन सिंह दिवराला, कोषाध्यक्ष, ईश्वर सिंह राठौड़ से.नि. आर.ए.एस., मानसिंह पीथलपुर, अशोक सिंह रलावता, पूर्व सरपंच, पूरण सिंह गोगावास, जितेन्द्र सिंह कारंगा, राम सिंह पीपराली आदि वक्ताओं ने सम्बोधित किया। समारोह में महाराव शेखाजी को गांव-ढ़ाणियों से पधारे भारी संख्या में शेखावाटी के लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

इस अवसर पर महाराव शेखा संस्थान जयपुर शहर जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह जेरठी ने घोषणा कि श्री भवानी निकेतन सैनिक स्कूल में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को 5000 रुपये की स्कॉलशीप स्वयं प्रदान करेंगे।

संपत्त सिंह धमोरा ने बताया कि चौमूं पुलिया स्थित श्री भवानी निकेतन महाविद्यालय में भी महाराव शेखाजी का निर्वाण दिवस मनाया गया। समारोह में पण्डित धनश्याम दास ने भजनों के माध्यम से सनातन, फादर विजयपाल ने बाईबिल का संदेश, हाफिज मंजूर साहब, उपाध्यक्ष, जमीयत उलेमा-हिन्द, जयपुर शहर ने कुरान के सन्देश के माध्यम से कहा कि इंसानियत सबसे महत्वपूर्ण है।

धमोरा ने कहा कि महाराव शेखाजी की पहचान देश एवं प्रदेश में धर्म सहिष्णु व्यक्तित्व, जातियों में आपसी प्रेम की अलख जगाने वाले तथा नारी के सम्मान के रक्षार्थ प्राणोत्सर्ग करने वाले महामानव के रूप में है। धर्म सहिष्णुता, जातिय प्रेम एवं नारी सम्मान आज भी पूरे विश्व में प्रासंगिक है।

इस कार्यक्रम में महाराव शेखा संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष जालिम सिंह आसपुरा, कोषाध्यक्ष गोवर्धन सिंह दिवराला, श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति के नगेन्द्र सिंह बगड़, श्याम सिंह मण्ढा, दिलीप सिंह छापोली, महेन्द्र सिंह जैसलाण, श्री राजपूत सभा से मोहन सिंह बगड, प्रद्युम्न सिंह, क्षित्रय युवक संघ से महावीर सिंह सरवड़ी, महेन्द्र सिंह, दहेज विरोधी संघ के अध्यक्ष गणपत सिंह राठौड़, शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्य एवं गणमान्य नागरिक, शिक्षण संस्थाओं के छात्र-छात्राओं एवम् सभी जाति समुदाय वर्ग के लोगों ने भाग लिया। अत: में महाराव शेखा संस्थान जयपुर शहर जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह जेरठी ने सभी पधारे हुए महानुभावों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

World Migratory Bird Day

World Migratory Bird Day had its beginnings in 1993, when visionaries from the Smithsonian Migratory Bird Center came up with the idea. First founded under the name International Migratory Bird Day, the program was originally directed by the National Fish and Wildlife Foundation, along with the U.S. Fish and Wildlife Service. By 2007, the responsibility for the day moved to the not for profit organization, Environment for the Americas. By 2018, the organization joined with others, including the Convention on Migratory Services and Agreement on the Conservation of African-Eurasian Migratory Water Birds to collaborate for *World Migratory Bird Day*.

#HONOURING

Celebrating Mothers & Their Motherhood

The significance of *Mother's Day* lies in its ability to acknowledge the profound impact that mothers have on the lives of their children, imparting values, providing support, and nurturing growth.

Mother's Day is a global celebration that honours mothers and motherly figures, recognising the sacrifices and invaluable contributions that they make to their families and society. This day serves as a heartfelt tribute to motherhood and the remarkable influence that mothers have on our lives and a time to reflect on the tireless efforts and unwavering devotion of mothers, who selflessly dedicate themselves to nurturing and supporting their loved ones.

Date and History

International Mother's Day doesn't have any fixed date and is usually observed on the second Sunday of May each year. This year, in 2024, it will be celebrated on *May 12*, Sunday.

Celebrated in various parts of the globe today, the *modern Mother's Day* holiday was founded by *Anna Jarvis* in the early 20th century, inspired by her own mother's dedication to humanitarian work. In 1914, President, Woodrow Wilson officially designated the second 'Sunday' in May as Mother's Day in the U.S., which was later adopted by other countries. This date was chosen to align with the tradition of celebrating mothers and motherhood during spring festivals, which has roots in ancient Greek and Roman cultures.

Significance and Celebrations

The significance of Mother's Day lies in its ability to acknowledge the profound impact that mothers have on the lives of their children, imparting values, providing support, and nurturing growth. As mothers play a crucial role in shaping families and society, *Mother's Day* marks their selfless love and unwavering dedication and people, around the world, celebrate it in diverse ways, expressing their love and appreciation for maternal figures. In India, on Mother's Day, families come together to honour the invaluable role that mothers play in their lives, celebrating the selfless love and sacrifices of mothers, nationwide. Similarly, in the United Kingdom, children often present their mothers with flowers and cards as tokens of affection.

In Japan, the carnation, gifted to mothers, symbolises love and gratitude, while Ethiopian families gather for large celebratory feasts. Mexicans honour mothers through serenades and poetry readings, and in Nepal, a special religious festival called '*Matatirtha Aunsi*' is observed.

Regardless of the specific customs, the essence of Mother's Day thus remains universal. It is a time to cherish and acknowledge the profound impact, that mothers and maternal figures have, on our lives.

Here are a fewideas to celebrate Mother's Day and bring a smile to your mom's face and show gratitude to her with these ideas.

- Get out of your comfort zone, go to the kitchen, and cook something special for her. In the YouTube era, anyone can become a chef, at least for a day. Cook what your mom likes and make her free from the kitchen work for a day.
- You can also buy a gorgeous bouquet or just a rose for her and write a short note on Happy Mother's Day.
- You can think of throwing a surprise party for her.
- Take your mother on a long drive.
- Gift her favourite things, jewellery/makeup items/scent/book/saree/a DIY gift/ a pet.
- Take your mom out for a movie or to a book club.
- Planting seedlings can be a fun way to be around your mother the whole day.
- Plan a spa day for your mother today. This will give her relaxation and will be a stress reliever for her.
- Plan a photoshoot for your mother. Capture beautiful photos this Mother's Day.
- The most important thing you can do is, give her time today. Spend the entire day with her and talk about good old times in her life.

THE MANY REBIRTHS OF POLO

There was a well-known *Nagar* player at the time of my visit, who might usually be counted on for a goal in this fashion. The knack was sometimes, but rarely, acquired by the English players. I never saw one accomplish the feat. Already in 1894, the picturesque practice, which I have described, was falling into desuetude, for as pointed out by British officers, it gave little opportunity to the defending side to save their goal. Accordingly, at *Baltit*, the capital of Hunza, the victorious captain, usually the *Raja*, better mounted and more richly-clad than the remainder, only galloped down one quarter of the distance before striking off, while his adversaries, awaiting him in the center, had a chance of intercepting the ball. In the native game, a goal was not scored until one of the victorious side had dismounted from his pony and picked up the ball, the result being a fearful '*melee*,' very much like a scrum in rugby, in which, however, horses mingled with human beings in the struggle, often at considerable risk to both.

Maj. Chandrakant Singh VrC *(Retd)*
Military Historian

(Extracted from Curzon's '*Leaves From a Viceroy's Note-Book*,' published in 1911.)

Maharaja Sardar Singh of Jodhpur. (Sketch in authors' collection.)

Soon as the Lord of Heaven had sprung his horse, over horizon into the blue field, Salman kindled with the wine of sleep. Mounted a barb of fire for the maidan, he had a troop of princes-Kings of blood. All young in years and courage, stick in hand, galloped afield, tossed down the golden ball, and chased the ball like the full moon. And all intent upon the game, drive home the ball.

This poem from Salaman and Absal of Jamia was paraphrased by J.K. Stephen and has been passed down to us as, "Let other people play at other things. The king of games is still the game of Kings."

Everyone knows that the game of '*polo*' had its origins in remote times, centuries before the Christian Era, in the sport-loving East. Under the name '*changan*' (which really was the name of the stick) and to this day, the Great Square of Ispahan contains the stone pillars, 9 feet high and 24 feet apart, which marked the goals, and the open stand from which the game was watched by the Court. From Persia the game spread westwards to Constantinople and eastwards to China, commencing everywhere by being the favourite pastime of princes and nobles, but developing whenever the ponies and means were forthcoming into the popular recreation of the people.

Tamerlane is said to have encouraged his courtiers to play the game with heads of his slaughtered enemies. The great *Akbar* was so fond of the game that he could not desist at sundown, but must play with luminous ball at night. More than one prince was killed on the polo ground. (In our time, *Maharaja Man Singh of Jaipur* died during a game and *Yuvraj Shivraj Singh of Jodhpur* was severely injured.) Then somehow or other, the game vanished altogether from sight. Suddenly, in the middle of the last century, it was discovered simultaneously in two extreme corners of the Indian peninsular, hidden away on one side in the *Hindu Kush* Mountains and in the tangle of hills and forests of the watershed of Assam and Burma.

There is some dispute as to the exact date when the game was first rediscovered, but there is no doubt that the precedence belongs to Manipur. In 1854, Tea Planters in the Cachars saw the game being played by the *Manipuris* and soon took to it themselves, forming the *first polo club* in Silchar in 1859. From here, the tea planters took it to Calcutta, where the British Army officers took to the game enthusiastically and carried it to all parts of the country and back home to England. Almost simultaneously, British Army officers posted in Kashmir, saw the game being played by the troops of the *Maharaja in Srinagar*, and became its sponsors on returning to their stations in Punjab.

I imagine that there are but few persons, who have been enabled by accident of service or travel, to see and compare the native game, as it is still played, or was played, only a few years ago, in both these remote localities. As I happen to be of that number, it may be worthwhile to set down the exact features of the two varieties of the game, as played in *Manipur* and in the *Hindu Kush states*. I first saw it played in the course of my visit to the *Pamirs* in 1994. On my way northwards from Srinagar, I came across the polo grounds of Astor, Gilgit, Hunza, Nagar, Mastuj, Reshun and Chitral. Further to the East, in Baltistan, there are polo grounds at Shigar, Rondu and Skardu. Yet more to the East, the game is played in *Ladakh*, and the principal arena used to be the main street of Leh.

There are slight differences in these various forms of the game, but the similarity is sufficiently great to admit of their being classified as a single genus.

Li Lin, The Game of Polo, 1558-1635. Victoria and Albert Museum, London, UK.

#SPORTINGLY OURS

Polo on Pamir.

It is from this quarter that the name, as we know it, takes its rise, for *polo* or '*pulu*' is the Tibetan word for the willow root, of which the ball is commonly made of. The polo grounds vary greatly in size and shape, according to the space available. The *Astor ground* is 150 yards long and 20 yards wide. Other grounds were from 200 to 250 yards in length and from 30 to 40 yards in width. The ground is, sometimes, of grass but quite often of '*put*' or sandy earth, beaten to hard consistency by galloping hoofs, and is usually surrounded by a low wall of rough stones, upon which the spectators take their seats and from which the ball rebounds into play. The goals are low white stones fixed in the ground. At *Hunza*, they were only about seven feet apart, but elsewhere, I found the distance between them to be twenty to thirty feet. The game is usually played to the music of a band, who are seated on the wall above the middle of the ground. Their instruments were, as a rule, a big drum, a couple of kettle drums and two or three clarinets, with a note very much like a bagpipe. These instruments discoursed a steady but somewhat discordant music, which rose to a frenzy din, when a goal was scored. The performers were drawn from a special and very low caste, called '*Dom*,' who were also leather workers of the community.

There appeared to be no limit to the number of players, who might take part, but the number ordinarily ranged from four to twelve a side. The ponies, that they bestrode, were countrybred, and, as a rule, came from Badakhshan on one side and Baltistan on the other, being from twelve to thirteen hands in height, sometimes rather less, exceedingly strong, wiry and active. The players rode them with a plain snaffle and a single rein, frequently of rope. The saddles were of rather a primitive description, being sometimes little more than a rough pile or pad of cloth. None of them wore spurs, but they wielded a short whip, suspended from the wrist. Owing no doubt to the small size of the ponies, a much shorter spool stick was employed, the length being little more than three feet. The handle was almond wood or wild cherry or bamboo and was fitted into a willow-wood head and apt to be curved in shape. The ball was willow and very heavy, until the British officers, who habitually joined in the native game, introduced the lighter ball of bamboo root.

An English officer practicing polo, onboard a ship during voyage to India. (Author's private collection.)

As far as I could ascertain, there were no particular rules until British players appeared on the scene. The hooking of sticks was freely indulged in, no scruple was entertained about 'off side' and 'crossing,' and the most glorious scuffles with indiscriminate banging and whacking took place, in which players and ponies were equally belaboured, but which neither appeared to mind. The men rode with the utmost impetuosity, without a symptom of fear, and performed feats of *horsemanship,* which considering the small size and primitive mounts, were truly astounding. They would charge at full speed against the rough stone wall, being as often, as nearly as possible, precipitated from their steeds with the violence of the impact.

By far the prettiest sight, however, excelling in speed and grace, anything seen on an English polo ground, was the fashion in which the game was opened, or resumed after a goal had been scored. Instead of the ball being thrown by an umpire into the middle of the ground, the opener of the game or the winner of the last goal scored started off at a full gallop from one quarter of the ground, with the whole of the rest of the field behind him, shouting as they raced. In his hand, he held the ball, and, when he came to the center of the field, he threw the ball up in the air and struck it a mighty blow with his polo stick as it fell, the ball describing a 'parabola' in the air, before it finally touched the ground, when not infrequently, such was the skill of the best players and the force of the stroke, it sped between the opposing goal post and scored a goal.

There was a well-known *Nagar player* at the time of my visit, who might usually be counted on for a goal in this fashion. The knack was sometimes, but rarely, acquired by the English players. I never saw one accomplish the feat. Already in 1894, the picturesque practice, which I have described, was falling into desuetude, for as pointed out by British officers, it gave little opportunity to the defending side to save their goal. Accordingly, at *Baltit*, the capital of Hunza, the victorious captain, usually the *Raja*, better mounted and more richly-clad than the remainder, only galloped down one quarter of the distance before striking off, while his adversaries, awaiting him in the center, had a chance of intercepting the ball. In the native game, a goal was not scored until one of the victorious side had dismounted from his pony and picked up the ball, the result being a fearful '*melee*,' very much like a scrum in rugby, in which, however, horses mingled with human beings in the struggle, often at considerable risk to both.

POLO IN MANIPUR.

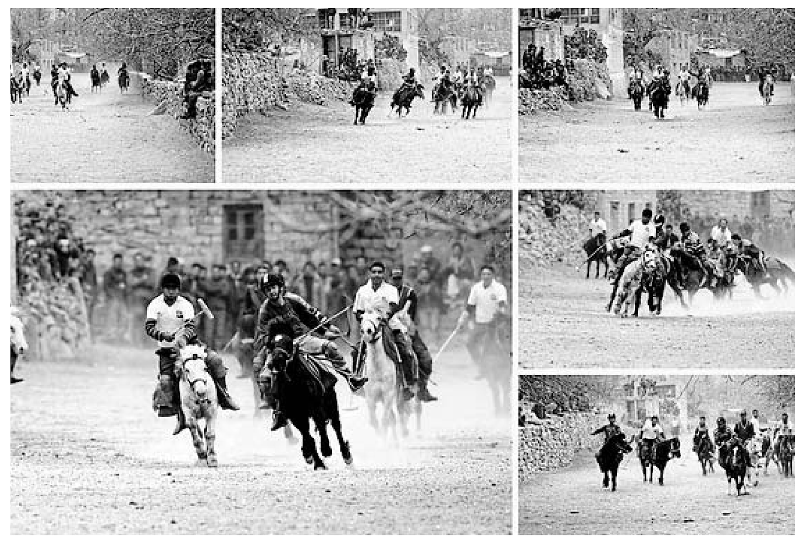

The Great Ranji, Jam Saheb of Jamnagar, watching a polo match. (Author's private collection.)

MANIPUR

During a recent visit to Kota to attend a family function, I was shown by my cousin, Harshwardhan, an old book from their grandfather's collection, '*Leaves from a Viceroy's Note-Book*' by Curzon. It had one chapter on '*Polo*' and knowing the interest of the people of Jaipur, and in particular, of Mr. Rajesh Sharma, I photographed the relevant pages. This account is an abridged version of Curzon's account and all the words in the text are Curzon's own. The sketches have been extracted from a book published in 1903, which is in my possession. All other photographs have been downloaded. Late *Maharaja HH Sawai Man Singh II* had himself captained the *Jaipur Polo team,* which, in its time, was the best team in the world. The present *Maharaja HH Padmanabh Singh* is continuing the tradition of keeping Jaipur as the 'center of the polo world.'

Seven years later, I saw the game played at Manipur, when as Viceroy, I rode overland from Assam to Burma. Polo in *Manipur* presented many similarities to the *Hindu Kush* game, but with some remarkable contrasts. The capital being situated on a level plain in the middle of a broad valley, there was scope for a level ground of much larger dimensions than in the mountains of the mighty Hindu Kush. Accordingly, the Manipur ground was 225 yards long by 110 yards broad, and was covered with very fair turf.

But its most striking feature was that it had no goal posts, the ground being surrounded by a low bank two feet high, the striking of the ball across which was the Manipuri equivalent of a goal. On the western side was a stand reserved for members of the Royal Family, most of whom were good players, being well-mounted and having been trained in the game from childhood. The number of players was indeterminate, the correct being seven to nine a side, though, there was no limit. The game, that I saw, was one of ten a side. Unlike the practice in the Hindu Kush, the ball was thrown into the midst of players when terminal lines had been crossed, or when the ball went out, but it was not rolled along the ground when thrown in, but tossed in the air, the players being at liberty to strike it, before it hit the earth. The ponies were, I thought, smaller than what I had seen on the other side of the Indian frontier, but they were caparisoned in quite a peculiar manner. Big round balls of soft white cotton were suspended from their heads and backs to protect them from the blows of polo sticks, while the legs of the players were similarly defended by a shield or flap of hard leather in front of the stirrups.

In the latter, which were broad and heavy, the rider placed neither the ball nor arch of his sole, but his naked toes. On his legs were worsted gaiters or leggings, reaching from the ankle to the knee. Round the loins, he wore the native '*dhoti*' of white cotton or silk, the upper part of the body being clothed in a short jacket or left bare. The players either coiled their hair, long black hair in a knot behind the head or let it hang loose over the shoulders. They bestrode very heavy and clumsy saddles, with high projecting pummel and cantle. With the rattling of the leather flaps and the flying hither and thither of the cotton balls, and the cries of the players, the scene was one of uncommon excitement. When the princes played, a stake was offered in the shape of muslin cloth or turbans, hung up at the end of the ground, and these became the prize of the winning side, the losers having to pay the cost. The implements of the game were less heavy than on the North-West Frontier, the ball being of bamboo root, large and light, the head of the polo club was of heavy, but the handle was of well-seasoned cane, the upper end being covered with red or blue cloth. There were no 'chukkers' as in our game, and the players, being at liberty to change their ponies, whenever they pleased, and there was the same delightful absence of rules on which I have already commented.

In both localities, it was mainly a hard-galloping and hard-hitting game. I saw, in both places, difficult or fancy strokes, which would baffle any Englishman or American to attempt. There was *Manipuri* stroke, in which the player caught the ball in the air, tossed it up, and throwing the reins, his reins on the pony's neck, hit the ball with the stick held in both hands. I do not pretend to compare either of these rather primitive types of the game with the highly finished variety, that may be seen at Hurlingham or Meadowbank, anymore, than one would compare village cricket with a test match at Lords, or rounders with baseball. But the higher types would never have evolved or produced, had it not been for these hardy mountaineers, preserving the tradition and maintain the glorious spirit of the game throughout the centuries.

rajeshsharma1049@gmail.com

LORD CURZON AS VICEROY OF INDIA.

Polo in China.

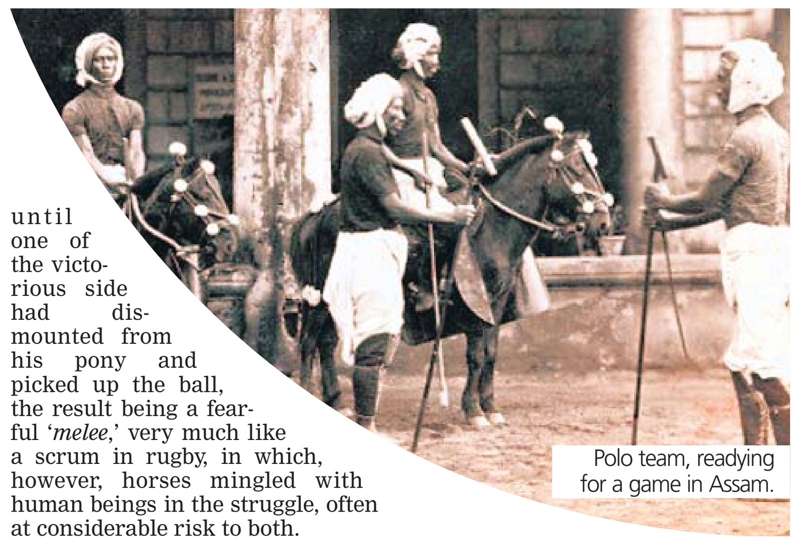

Polo team, readying for a game in Assam.

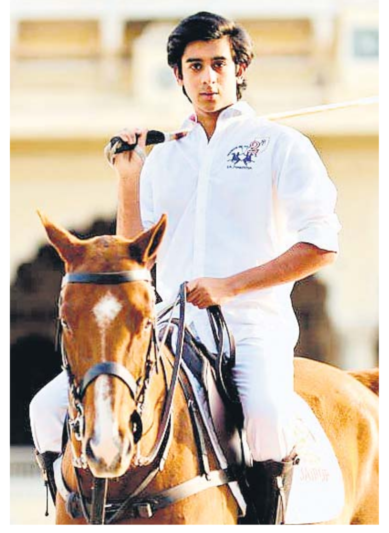

THE WALL

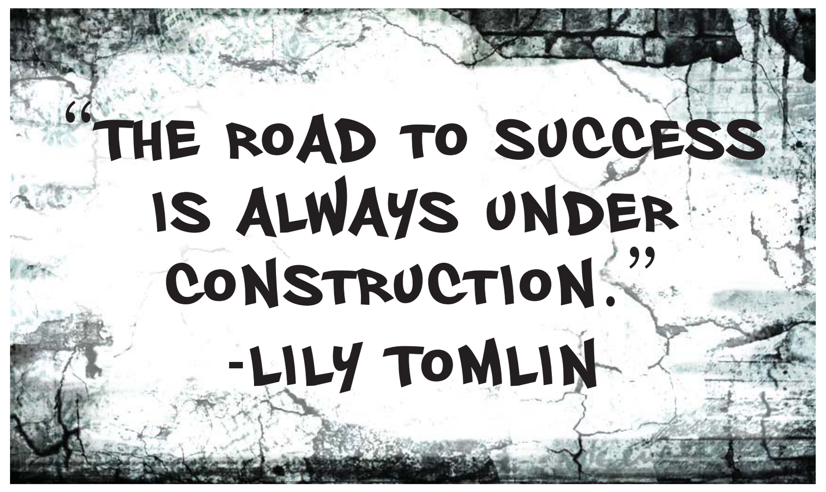

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

फर्जी पट्टे बनाकर लोगों को ठगने वाले गिरोह का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

ग्राम विकास अधिकारी तथा सरपंच ग्राम पंचायत बड़ाखेड़ा ने फर्जी पट्टों के बारे में सूचना दी थी जो कि ग्राम पंचायत से जारी नहीं किये गये थे

ब्यावर, (निसं)। फर्जी पट्टे बनाकर लोगों को ठगने वाले गिरोह के मुख्य आरोपी बसंत सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पिछले वर्ष फरवरी माह में ग्राम विकास अधिकारी ग्राम बड़ाखेड़ा तथा सरपंच ग्राम पंचायत बड़ाखेड़ा पंचायत समिति जवाजा जिला ब्यावर ने फर्जी पट्टों के बारे में सूचना दी जो कि ग्राम पंचायत से जारी नहीं किये गये थे। सूचना मिलने पर पुलिस थाना टॉटगढ में मुकदमा दर्ज किया गया व थानाधिकारी जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस के जानकारी में आया कि टॉटगढ़ के आसपास के गांवों बंजारी, रूपनगर अरनाली, बाला चाराट, बड़ाखेड़ा, पालडी आदि गांवों के ग्रामीणों के नाम पर पट्टे जारी हुए हैं जो ग्राम पंचायत द्वारा जारी नहीं है। महानिरीक्षक पुलिस अजमेर रेंज अजमेर ने इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पूरे प्रकरण की जांच अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक ब्यावर को सौंपी। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस टीम का गठन किया जाकर टॉटगढ़ ईलाके के आसपास के क्षेत्र में जानकारी की तो कई पीड़ित सामने आये जिनके नाम पर फर्जी पट्टे बनाये गये थे व उनके संबंध में संबंधित ग्राम पंचायतों से रिकॉर्ड प्राप्त करने पर पता चला कि ग्राम पंचायतों द्वारा उक्त पट्टे जारी नहीं किये गये हैं। इस पर पुलिस टीम ने ग्रामीणों से पट्टों के बारे में पूछताछ की तो पता चला कि एक संगठित गिरोह इस क्षेत्र में सकिय है जो ग्रामीणों से जमीन का पट्टा बनाने के नाम पर मोटी रकम वसूलते थे व उक्त फर्जी पट्टों के आधार पर तहसील कार्यालय से रजिस्ट्री करवाते तथा बाद में इन रजिस्ट्रीशुदा पट्टों पर निजी फाईनेंस बैंकों से ग्रामीणों को लोन दिलाते व उसमें से भी कमीशन ले लेते थे। किसी भी ग्रामीण को यह गिरोह किसी प्रकार का कोई मूल दस्तावेज नहीं देता था।

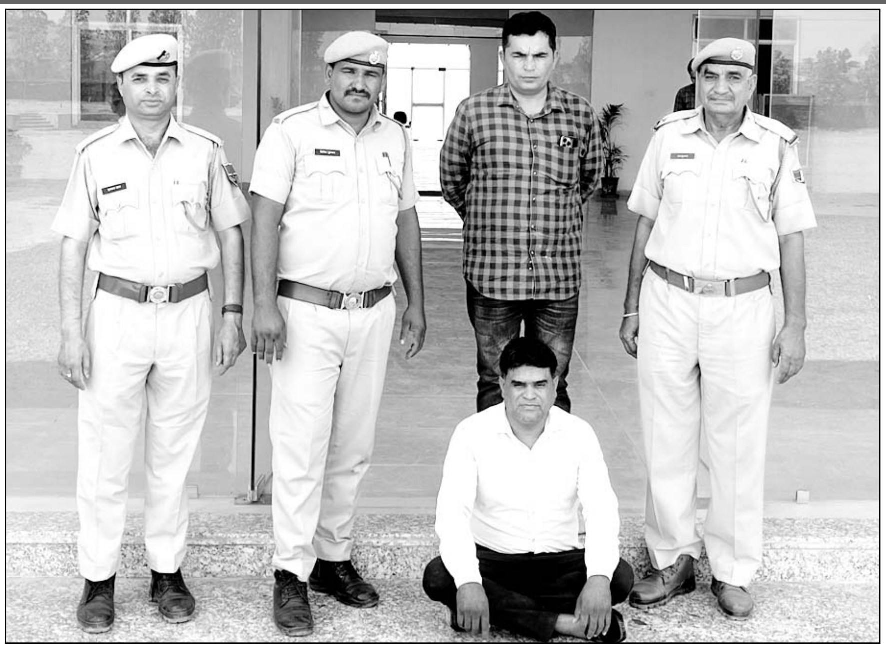
फर्जी पट्टे बना लोगों को ठगने वाले गिरोह के मुख्य आरोपी बसंत सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

■ सूचना मिलने पर पुलिस थाना टॉटगढ़ में मुकदमा दर्ज किया गया व थानाधिकारी ने जांच शुरू की थी

पुलिस टीम ने सक्रियता से कार्य करते हुए इस पूरे प्रकरण से जुड़े गिरोह के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त की और पूर्व में प्रकरण का खुलासा करते हुए एक आरोपी सुखदेव सिंह को गिरफ्तार किया था व मुख्य आरोपी बसंत सिंह फरार था जिसकी पुलिस टीम ने हर संभावित स्थानों पर तलाश की। आरोपी रूपनगर अरनाली निवासी बसंत सिंह पुत्र नारायण सिंह जो कि पूर्व पंचायत समिति सदस्य भी रह चुका है को गुरूवार को पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया। इस पूरे गिरोह के सदस्यों में लंबे समय से वांछित आरोपी बसंत सिंह को गिरफ्तार किया जाकर गहनता से पूछताछ की जा रही है। जिससे कई राज खुलने की संभावना है। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश हेतु पुलिस टीम दबिश दे रही है।

चोरों ने 2.35 लाख की नकदी व लाखों के जेवर पार किये

परिवार के सभी लोग एसी के कमरों में सो रहे थे

चाकसू में चोरी की वारदात के बाद कमरे में सामान बिखरा पड़ा है।

चाकसू, (निसं)। कस्बे में पुलिस की रात्रि गस्त को दरकिनार करते हुए चोर आए दिन चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। चाकसू कस्बे के बस स्टैंड वार्ड नंबर 32 स्थित कॉलोनी के एक घर में गुरुवार रात को चोर सेंधमारी करते हुए 2.35 लाख नकद, एक बाइक सहित लाखों के जेवर चोरी करके ले गए। चोरी की सूचना जैसे-जैसे आसपास और रिश्तेदारों में फैलने लगी तो चोरी वाले घर पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

परिवार के लोगों ने बताया कि वारदात का पता सुबह 5:30 बजे उठने के बाद चला। गुरुवार रात्रि को परिवार के सभी लोग तेज गर्मी के चलते एवं बाहर के कमरे का कूलर खराब होने के कारण अंदर एसी के कमरों में सो रहे थे। सवेरे उठने पर कमरे का दरवाजा खोलने पर दरवाजा नहीं खुला तो पड़ोस के लोगों को फोन करके बुलाया और दरवाजा खुलवाया। दरवाजा खुलने के बाद अन्य कमरों के गेट भी बंद मिले। बाहर के कमरे की अलमारी के दरवाजे खुले मिले और सामान बेड पर बिखरा पड़ा दिखाई दिया। अलमारी में रखे हुए 2.35 लाख नकद, लाखों के जेवर गायब मिले। मेन गेट का ताला तोड़कर पोर्च में खड़ी मोटरसाइकिल भी चोर चोरी करके ले गए। चोरी की सूचना पर चाकसू पुलिस मौके पर पहुंची और मौका मुआयना किया। सूचना पर चाकसू थानाधिकारी कैलाशदान भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया गया।

■ चोरी की सूचना पर चाकसू पुलिस मौके पर पहुंची और मौका मुआयना किया

थानाधिकारी ने बताया कि टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाया जाएगा। वहीं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में तीन चोर बाइक पर सवार होकर फागी मोड़ की तरफ जाते भी दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। चोरी की तफ्तीश जयकुमार उप निरीक्षक कर रहे हैं।

शोरूम से टीवी खोलकर ले गया शातिर

जोधपुर, (कासं)। शहर के आखलिया क्षेत्र में आए एक सर्विस सेंटर से अज्ञात चोर कस्टमर लांच के लिए रखी टीवी को खोलकर ले गया। शोरूम मैनेजर ने इस बारे में प्रतापनगर सदर थाने में केस दर्ज करवाया है। शातिर का पता लगाने का प्रयास जारी है।

बाड़मेर के गुडामालानी स्थित गोलिया जेतमाल हाल जावा सर्विस सेंटर के मैनेजर मुकेश कुमार पुत्र टीकमाराम की तरफ से केस दर्ज कराया गया। इसमें बताया कि 6 मई की रात को सर्विस सेंटर पर लगे कस्टमर लांच के लिए लगी टीवी को कोई शातिर चुरा कर ले गया। टीवी को खोलकर ले जाया गया है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज से पता लगाने का प्रयास कर रही है।

महिला नर्सिंगकर्मी से 2.40 लाख की ठगी

जोधपुर, (कासं)। उम्मेद अस्पताल में कार्यरत महिला नर्सिंग कर्मचारी से 2.40 लाख की ठगी किए जाने का प्रकरण खांडाफलसा थाने में दर्ज हुआ है। ठगी करने वाले शख्स ने खुद को नोएड़ा क्राइम ब्रांच से बोलना बताया और बेटी को रेप और मर्डर केस में फंसाने की धमकी देकर रूपए ऐंठ लिए। सकपकाई नर्सिंग कर्मी ने आननफानन में रकम को ट्रांसफर कर दिया। बाद में पता लगा वह फर्जी काल था। बेटी तो सकुशल है। इस पर वह खांडाफलसा थाना पहुंची और मामला दर्ज कराया। पुलिस जांच में जुटी है।

जीवणराम का कुआं नागौरी गेट के अंदर रहने वाली ललिता सोलंकी उम्मेद अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ में कार्यरत है। वह 7 मई की सुबह अपनी ड्यूटी पर थी तब उसके मोबाइल पर एक वाट्सअप कॉल आया कि उसके बेटी रेप और मर्डर केस में फंस गई है। इसके लिए चार लाख रूपए देने होंगे। इसके लिए शातिर ने मो.शम्स अराफत खां के खाते में रूपए ट्रांसफर करने को कहा। झांसे में ललिता सोलंकी ने अपने स्टाफ की मदद से पांच अलग-अलग खातों से 2.40 लाख रूपए शातिरों के खाते में ट्रांसफर कर डाले। बदमाशों ने उसे नोएडा क्राइम ब्रांच से बोलना बताया। मगर रूपए ट्रांसफर करने के बाद ललिता सोलंकी ने अपनी बेटी से बात की तो पता लगा कि वह सकुशल है। मामले में खांड़ाफलसा पुलिस ने धोखाधड़ी में प्रकरण दर्ज किया है।

दो खातों से 2.61 लाख पार

जोधपुर, (कासं)। कमला नेहरू नगर के पीछे महावीर नगर के रहने वाले एक शख्स से शातिर ने क्रेडिट कार्ड के ओटीपी नंबर भेजने के नाम पर शातिर ने दो बैंक खातों से अलग-अलग किश्तों में 2 लाख 61 हजार 878 रूपए पार कर लिए। पीड़ित ने देवनगर थाने में इस बाबत धोखाधड़ी में रिपोर्ट दी है। ब्रजेश कोठारी पुत्र ललित कुमार कोठारी की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। इसमें बताया कि 8 मई को उसके पास में एक कॉल आया और बोला कि वह इंडसइंड बैंक से बोल रहा है जो क्रेडिट कार्ड इश्यु किया गया है उसका ओटीपी भेजा जा रहा है। तब झांसे में ब्रजेश ने ओटीपी नंबर को क्लिक करता गया और उसके उक्त बैंक खाते के अलावा बीओबी से भी लगभग 2 लाख 61 हजार 878 रूपए निकाल लिए गए।

जेलर पर जेल के ही एक अन्य अधिकारी ने कराया था हमला

मामले में गिरफ्तार बंदियों ने ही जेल अधिकारी का नाम लिया

बीकानेर, (निसं)। केन्द्रीय कारागार में जेलर सूरजनारायण सोनी पर हुए हमले के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। जेलर पर जेल के ही एक अधिकारी ने बंदियों से हमला कराया था।

पुलिस को जांच में इस बात का खुलासा हुआ है। हमले के मामले में गिरफ्तार बंदियों ने ही इस जेल अधिकारी का नाम लिया है। इसके अलावा बंदियों ने कई और राज भी पुलिस के सामने खोले हैं। पुलिस बंदियों के खुलासे की तस्दीक कर रही है। वहीं दूसरी ओर जेल प्रशासन ने बंदियों को दूसरे जिला जेल में शिफ्ट कर दिया है।

बीछवाल पुलिस के अनुसार, जेलर पर हमले के मामले में गिरफ्तार बंदी मोहम्मद समीर, अफरीद उर्फ गोली खान और साले मोहम्मद को रिमांड खत्म होने पर वापस जेल भिजवा दिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपी बंदियों ने कई तरह के आरोप लगाए हैं, जिनकी तस्दीक की जा रही है। वहीं जेल प्रशासन ने तीनों बंदियों को बीकानेर केन्द्रीय कारागार से झुंझुनूं जेल में शिफ्ट कर दिया है।

जेल व पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जेलर सूरजनारायण और एक अन्य जेल अधिकारी के बीच पहले से अनबन चल रही है। यह खींचतान इस स्तर पर आ गई कि उस जेल अधिकारी ने जेलर सूरजनारायण पर बंदियों से हमला ही करवा दिया। पूरे मामले की रिपोर्ट जेल प्रशासन के उच्चाधिकारियों को भिजवाई गई है। बीकानेर केन्द्रीय कारागार में एक मई को गश्त कर रहे जेलर सूरज नारायण सोनी पर तीन बंदियों ने हमला कर दिया था। वहां मौजूद सुरक्षा प्रहरी और अन्य बंदियों ने बीच-बचाव कर जेलर को बचाया।

पूरे मामले पर जिला पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम का कहना है कि जेलर पर हमले के मामले में गिरफ्तार बंदियों ने रिमांड के दौरान जेल के एक अधिकारी पर ही हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया है। तस्दीक की जा रही है।

नाबालिग छात्र ने फांसी लगाई

गंगापुर सिटी, (निसं)। पढ़ाई के लिए रह रहे एक नाबालिक ने अज्ञात कारणो के चलते फंदे से लटक कर अपनी जीवन लीला को समाप्त कर लिया। घटना का पता चलने पर परिजन और पुलिस मौके पर पहुंची और छात्र को फंदे से उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां छात्र को डॉक्टरों से मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम करीब सात बजे छात्र कमरे की कुंडी बंद कर छत के कड़े के फंदा लगाकर लटक गया। कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर मकान मालिक को शक हुआ तो उसने परिजन और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजन और पुलिस को छात्र फंदे पर लटका मिला। उन्होंने छात्र को फंदे से नीचे उतारकर जिला अस्पताल गंगापुर सिटी पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रात होने के कारण पुलिस ने शव को हॉस्पिटल की मॉच्यूरी में रखवाया। कोतवाली थाना के एएसआई रामखिलाड़ी ने बताया कि फिलहाल मृतक का पोस्टमॉर्टम करा शव परिजनों के सुपुर्द किया है। मृतक ने आत्महत्या का कदम क्यों उठाया है, इसका कारण का पता नहीं चला है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजकीय चिकित्सालय में पुलिस ने कार्रवाई की।

सरस डीलर के गोदाम पर छापा

अलवर, (निसं)। बहरोड में खाद्य सुरक्षा विभाग ने एक सरस सप्लायर के गोदाम पर छापा मारा। जहां टीम ने सरस दही, नोवा पनीर और रसगुल्ले के सैंपल लिए। वहीं टीम को देख डीलर मौके से फरार हो गया। इस दौरान टीम को जांच में एक्सपायरी डेट के 18 कार्टन दूषित रसगुल्ले मिले। जिनको खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नष्ट करवाया। वहीं सरस डेयरी के अधिकारियों और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को ताला खुलवाने के लिए 6 घंटे इंतजार करना पड़ा। मामला बहरोड के महता सरस सप्लायर के गोदाम पर रात 12:30 बजे का है।

पेट्रोल छिड़ककर बस में आग लगाने का आरोप

सवारियों की मदद से बस में लगी आग पर काबू पाया

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थानान्तर्गत गांव चिमनपुरा में रूट पर जा रही बस में पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने तथा कंडेक्टर की जेब से रूपये निकालकर ले जाने के आरोप का मामला सामने आया है।

वहीं शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार थानाधिकारी पुष्पेन्द्र सिंह झाझडिया ने बताया कि त्रिभुवन पुत्र महेन्द्र सिंह ने इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि॰8 मई को वह बस लेकर राजगढ़ से वापस 5.15 बजे पर रवाना हुआ था। आगे 6.15 बजे वह चिमनपुरा पहुंचा तो रोड पर पत्थर व लकड़ डाल रखे थे। आरोप है कि वहां पर जयसिंह पुत्र ओमप्रकाश जाट निवासी चिमनपुरा खड़ा था, जिसके एक हाथ में लठ व दूसरे हाथ में तेल की बोतल ले रखी थी तथा वह गाली निकालकर बोला कि मैं तुमको व बस को जला दूंगा। आरोप है कि उसने पेट्रोल छिड़ककर बस में आग लगा दी, जिससे बस से सवारियों में अफरा तफरी मच गई और बस की आग बुझाने में बस कन्डेक्टर हनुमान तथा चालक ने मिट्टी व पानी डालकर उनकी मदद से आग पर काबू पाया।

■ कंडेक्टर की जेब से रूपये निकालकर ले जाने का भी आरोप

साथ में बस में 15-20 सवारियां थी जिन्होंने आग बुझाने एवं उन्हें छुड़वाने में मदद की। इसी बीच मौका देखकर उसके कंडेक्टर हनुमान की जेब से 4500 रूपये निकाल लिये। जिस पर त्रिभुवन ने पुलिस थाना में फोन किया तो पुलिस ने घटना का मौका देखा। आरोप है कि जयवीर ने जाते हुए धमकी दी कि कोई कानूनी कार्यावाही की तो जान से मार दूंगा। राजगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देसी कट्टा दिखाकर नाबालिग से बलात्कार

बीकानेर, (निसं)। जिले के छतरगढ़ थाना इलाकों में नाबालिग के साथ बलात्कार का मामला सामने आया है। पीड़िता के परिजनों की रिपोर्ट पर आरोपी सद्दाम व उसके साथी के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस के अनुसार, परिवादी ने बताया कि दो माह पहले आरोपी सद्दाम उसके खेत की तरफ आया। तब उसकी नाबालिग बेटी खेत में काम कर रही थी।

आरोपी ने मोबाइल में नेटवर्क नहीं आने का बहाना कर मोबाइल नंबर ले लिए। बाद में वह उससे फोन पर बातें करने लगा। करीब एक माह पहले आरोपी ने फोन किया और घर आने को कहा, तब नाबालिग ने कहां कि मत आना। घर पर कोई नहीं है। इसके बावजूद आरोपी कार लेकर आ गया। परिवादी ने बताया कि आरोपी अपने एक साथी को साथ लेकर घर आया। तब नाबालिग अकेली थी। आरोपी ने उससे संबंध बनाने को कहा, तो नाबालिग ने मना कर दिया। इस पर आरोपी गुस्सा हो गया और देशी कट्टा दिखाकर डराया-धमकाया। इससे नाबालिग डर गई। आरोपी ने उसके साथ बलात्कार किया। आरोपी का साथी ने उसका सहयोग किया।

■ अब शादी करने का दबाव बना रहा है आरोपी

परिवादी ने बताया कि बलात्कार करने के बाद नाबालिग को आरोपी व उसके साथी ने इस बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। यह भी कहा कि शादी नहीं की, तो जबरन उठा ले जाऊंगा। आरोपी नाबालिग को फोन कर बार-बार संबंध बनाने के लिए दबाव देने लगा। चार मई को अपने साथी के साथ कार में आया। पुत्री को जबरन उठा ले जाने की कोशिश की। परिवादी के बेटे की नींद खुल गई, तो वह कार लेकर भाग गया।

परिवादी के मुताबिक वारदात के बाद से पीड़िता गुमसुम रहने लगी थी। दो दिन पहले नाबालिग की मां ने कारण पूछा, तो वह रोने लगी। इसके बाद नाबालिग ने आपबीती बताई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नाबालिग का मेडिकल कराया गया है।

पांच लाख की ठगी

जोधपुर, (कासं)। शहर के माता का थान स्थित चुतरावता का बेरा में रहने वाले एक व्यक्ति से सोलर प्लांट लगाने एवं उसका टेण्डर दिलाने के नाम पर पांच लाख रूपए ऐंठ लिए गए। पीड़ित ने नामजद लोगों के खिलाफ मंडोर थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दी है। पुलिस ने जांच आरंभ की है। चुतरावता बेरा माता का थान निवासी युधिष्ठर सिंह की तरफ से मामला दर्ज करवाया गया। इसमें बताया कि उसकी एक फर्म मंडोर रिको एरिया में बाबा मार्बल एण्ड आर्ट स्टोन के नाम से आई है। अक्टूबर फर्म में सोलर प्लांट लागने की जरूरत महसूस होने पर जालोरी गेट माधोबाग में पारसराम सोलर सिस्टम के पासुतोष व्यास एवं अशोक कल्ला से संपर्क किया गया था। तब इन लोगों ने सोलर प्लांट लगाने के लिए 3.50 लाख रूपए मांगे। 24 अक्टूबर 23 को पेमेंट कर दिया गया और 26 को उसका एग्रीमेंट किया गया। इसके एक दो दिन बाद उक्त दोनों लोग फर्म पर आए और कहा कि वह सोलर प्लांट को लेकर योजना समझाई और टेण्डर भरने का कहा। इस झांसे में आए युधिष्ठर ने उनको ऑनलाइन 1 .50 लाख रूपए और ट्रांसफर कर दिए।

विवाह सम्मेलन में 21 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

सामूहिक विवाह वर्तमान समय में बहुत जरूरी हो गया है : भवरसिंह पलाड़ा

पुष्कर, (निसं)। क्षत्रिय (राजपूत) सामूहिक विवाह समिति की ओर से जयमल कोट में समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें समाज के 21 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। आयोजन समिति के अध्यक्ष महेंद्र सिंह कडेल ने बताया कि राजपूत समाज का यह 16वां सामूहिक विवाह सम्मेलन था।

जानकारी के अनुसार सुबह नौ बजे गुरुद्वारे के पास गायत्री शक्ति पीठ से 21 जोड़ों की सामूहिक बिन्दौली शुरू हुई जो मुख्य बाजार होती हुई सम्मेलन स्थल जयमल कोट पहुंची। यहां पर तोरण की रस्म के बाद वरमाला का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। गायत्री परिवार के पंडितों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पाणिग्रहण संस्कार और फेरे सम्पन्न हुए। बाद में नांद गौशाला के राजऋषि समताराम और समाजसेवी युवा भाजपा नेता भंवरसिंह पलाड़ा के मुख्य आतिथ्य में आशीर्वाद समारोह सम्पन्न हुआ। पलाड़ा की और से सभी 21 जोड़ों को फर्नीचर सहित अन्य सामान उपहार के रूप में दिए गए। आयोजन समिति की और से डल डायजा और सुरक्षा के लिये हेलमेट दिया गया।

पुष्कर में 21 जोड़ों की सामूहिक बिन्दौली निकाली गई।

आशीर्वाद समारोह में आये समाज बंधुओं को संबोधित करते हुए समाजसेवी भवरसिंह पलाड़ा ने कहा कि सामूहिक विवाह वर्तमान समय में बहुत जरूरी हो गया है क्योंकि प्रतिस्पर्धा में समाज के लोग विवाह के लिये अपनी जमीन, सोना बेच देते हैं। पलाड़ा ने सभी समजबंधुओं और भामाशाहों का आभार जताते हुए कहा कि यह एक बहुत ही पुनीत कार्य है इसलिए सभी को बढ़-चढ़कर सहयोग करना चाहिये। पलाड़ा ने कहा कि इस आयोजन में सदैव उनका यथासंभव सहयोग जारी रहेगा। उन्होंने समाज मे बढ़ती बेरोजगारी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि समाज को शिक्षित बनकर व्यवसाय और राजनीति में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। राजऋषि समताराम महाराज ने भी सामूहिक विवाह सम्मेलन को समाज सुधार की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए कहा कि फालतू के खर्चो पर रोक लगनी चाहिये। समिति के अध्यक्ष महेंद्रसिंह कडेल ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान सत्यनारायण सिंह, जगमालसिंह, देवीसिंह सहित अनेक समाज बंधु और मधुसूदन भाऊ भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सत्यनारायण सिंह ने किया।

संक्षिप्त

लैंस प्रत्यारोपण शिविर कल

श्रीमाधोपुर, (निसं)। आई रिसर्च सेंटर सोसाइटी एवं जिला स्वास्थ्य समिति अंधता जयपुर के सहयोग से लायंस क्लब श्रीमाधोपुर की ओर से 12 मई रविवार को सहाय हॉस्पिटल जयपुर के सानिध्य में राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीमाधोपुर में सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर लगाया जाएगा। क्लब के नव निर्वाचित अध्यक्ष सीताराम सैनी पूर्व वैज्ञानिक के अनुसार नेत्र रोगियों की जांच कर अनुभवी डॉक्टरों द्वारा आधुनिक तकनीकी से बिना टांके मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया जाएगा। मोतियाबिंद का ऑपरेशन करवाने वाले रोगियों को चश्मा, भोजन,एवं रहने की व्यवस्था नि:शुल्क रहेगी। रोगी अपने साथ वोटर पहचान पत्र अथवा राशन कार्ड की कॉपी साथ अवश्य लाएं।

चार घंटे विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी

निवाई, (निसं)। विद्युत फीडर पर मरम्मत कार्य को लेकर शनिवार को 4 घंटे विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। कनिष्ठ अभियंता लक्की गोठवाल ने बताया कि विद्युत लाइन की मरम्मत कार्य के चलते सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक विद्युत सप्लाई बंद रहेगी। उन्होंने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र से निकलने वाली 11 केवी पहाडी फीडर की विद्युत सप्लाई बंद रहेगी। जिससे बीसलपुर पंप हाउस क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

परशुराम जयंती पर दीप यज्ञ आयोजित

देवली, (निसं)। भगवान श्री परशुराम जी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कई धार्मिक एवं संस्कृति कार्यक्रम आयोजित हुए साथ ही जयंती को लेकर सर्व ब्राह्मण समाज मे विशेष उत्साह देखा गया एवम जयंती की पूर्व संध्या पर समाज की महिलाओं द्वारा शहर के भरतपुर हाऊस के पास स्थित श्री परशुराम सर्किल पर दीप यज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान दर्जनों महिला पुरुषों ने एक साथ एकत्रित होकर भगवान की महाआरती की व सामाजिक एकता का परिचय दिया। वही अगले दिन जयंती को भव्य बनाने को लेकर शुक्रवार अल सुबह से ही समाज के लोग श्री परशुराम सर्किल पर एकत्रित हुए।

मकान में आग लगने से लाखों का नुकसान

पावटा,(निसं)। विराटनगर इलाके के चतरपुरा स्थित कावराला की ढाणी में बीती रात एक मकान में अचानक आग लग गई। इससे लाखों रुपये के सामान के साथ नकदी आग की भेंट चढ गए साथ ही लगभग सात मवेशियों की भी जलकर मौत हो गई। आग लगने का कारण अज्ञात बताया जा रहा है।

■ सात मवेशी भी जले, आग लगने का कारण अज्ञात बताया

जानकारी के अनुसार पीडित विक्रम व ओमप्रकाश गुर्जर अपने परिवार के साथ मकान में सो रहे थे। देर रात अचानक मकान में आग लग गई।

आग की लपटे देख पीडित ने परिजनों को उठाया और बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। लोगों से आग बुझाने के लिए गुहार लगाई। इस पर आसपास के लोगों ने अपने-अपने स्तर पर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर विराटनगर व पावटा प्रागपुरा नगरपालिका से फायर ब्रिगेड पहुंची और आग बुझाई गई लेकिन तब तक आग से काफी नुकसान हो चुका था। पीडित विक्रम व ओमप्रकाश गुर्जर के अनुसार नकदी 2 लाख पचास हजार घर में रखे हुए थे। इसके अलावा एक ट्रैक्टर, एक मोटरसाइकिल, एक पिकअप, एक स्कूटी, परिवार के संपूर्ण गहने व जेवर, 200 मण चारा, 40 बोरी गेहूँ, 5 बोरी बाजरा, 10 बोरी जौ, घेरेलू खाद्य सामान, एक फ्रीज, सात मवेशी (बकरियाँ) सहित घेरेलू सामान जलकर खाक हो गए। भाबरु थाना पुलिस व प्रशासन ने भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

भाबरु थाना पुलिस व प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

चारे के ढेर में लगी आग

मालपुरा, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र के कचोलिया ग्राम पंचायत के सोटवाडा गांव में शुक्रवार को अचानक आग लग जाने से बडी तादात मे चारा व ईधन जलकर राख हो गया। चारे के ढ`र में लगी आग तेज हवा के चलते देखते ही देखते विकराल हो गई। एक के बाद एक चारे के ढ`र व बाडो मे रखे ईधन के ढ`रों को अपनी चपेट मे ले लिया। आग लगने की सूचना मालपुरा नगरपालिका प्रशासन को दी गई लेकिन पालिका प्रशासन ने दमकल उपलब्ध नहीं होने की जानकारी देते हुये अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड लिया। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर ही संसाधन जुटा भीषण आग पर काबू पाने का प्रयास किया। तकरीबन तीन घंटे से अधिक समय तक ग्रामीण अपने संसाधनों से ही आग पर काबू पाने का प्रयास करते रहै। भीषण आग की लपटे देख आसपास के गांवों में हडकम्प मच गया। ग्रामीण पानी के टैंकर व जेसीबी मशीन लेकर मौके पर पहुंच आग बुझाने में जीं तोड मेहनत कर आग पर काबू पाया। बाडे में रखे चारे के ढ`र में अचानक लगी आग के विकराल होने के बावजूद पालिका से दमकल उपलब्ध नही होने पर ग्रामीणो ने पालिका प्रशासन के प्रति गहरी नाराजगी जताई। इसी क्रम मे मालपुरा शहर के महावीर मार्ग मे भंवर लाल जांगिड के मकान मे लगी आग से घरेलू सामान जलकर राख हो गया। समय रहते आग की जानकारी लग जाने से तत्काल आग पर काबू पा बडा हादसा होने से रोका गया।

सार-समाचार

पक्षियों के लिए परिंडे बांधे

श्रीमाधोपुर, (निसं)। श्रीमाधोपुर नगर के स्थापना दिवस एवं अक्षय तृतीया के उपलक्ष पर सर्व समाज द्वारा आदर्श विद्या मंदिर, दिगंबरा बाबा आश्रम सीकर बाजार श्रीमाधोपुर में पक्षियों के लिए परिंडे व चुग्गा पात्र बांधते हुए हरे पेड लगाए गए। कार्यक्रम में उपस्थित ओम प्रकाश सैनी, सागरमल सैनी, ललित सैनी, पार्षद विनेश सैनी, बलदेव सैनी, दीपेंद्र योगी, कुलदीप पारीक, जगेन्द्र सैनी, विनोद कुमावत, झाबर शर्मा, दिलीप राष्ट्रवादी, सीताराम सैनी, परशुराम भात्रा, केसरी नंदन अग्रवाल आदि लोग उपस्थित रहे। यह जानकारी राजू बागवान ने दी है।

खाटू श्याम की मूर्ति की स्थापना

गोविंदगढ, (निसं)। गोविंदगढ कस्बे के सेमला रोड पर खाटू श्याम नगर बनखंडी रोड पर गुरुवार को रात्रि में खाटू श्याम का जागरण हुआ। शुक्रवार सुबह विधि विधान से हवन हुआ एवं खाटू श्याम महाराज की मूर्ति की स्थापना की गई। पंडितों ने मंत्र उच्चारण करके खाटू श्याम महाराज की मूर्ति की स्थापना करवाई। इसके बाद खाटू श्याम नगर बनखंडी रोड गोबिंदगढ में खाटू श्याम मंदिर पर विशाल भंडारा किया गया। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारा समस्त क्षेत्र वासियों के सहयोग से किया गया जिसमें सेवा के लिए महिलाएं भी आगे रही। भंडारे में सेवा करती महिलाएं और खाटू श्याम मंदिर कमेटी गोविंदगढ व रामबास के सभी भक्त मौजूद रहे। मंदिर कमेटी के संरक्षक ईश्वर सिंह नेहरा रमेश चंद शर्मा व मंदिर कमेटी खाटू श्याम नगर की कमेटी द्वारा पूर्ण व्यवस्था की गई।

रक्तदान शिविर का आयोजन आज

निवाई, (निसं)। अभयसिंह चौहान सेवा समिति के तत्वावधान में शनिवार को तृतीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। दशरथसिंह चौहान ने बताया कि तृतीय रक्तदान शिविर का आयोजन सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा। गोविंदसिंह चौहान ने बताया कि रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि संत मनीषदास महाराज व विधायक रामसहाय वर्मा होंगे।

हॉल निर्माण कार्य का शुभारम्भ

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के ग्राम अमाई स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय में भामाशाह रामनिवास गर्ग व राकेश गर्ग ने अभिषेक बंसल व रूपसिंह शेखावत के आग्रह पर एक बडे हॉल निर्माण के लिये 6 लाख 21 हजार रूपये दिये। जिस पर शुक्रवार को हॉल निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर लाल कसाना, सरपंच लीलाराम कसाना, रामजीलाल कसाना, कैलाश कसाना, मनोहर कसाना, प्रधानाचार्य रमेश कुमावत, सुनील शर्मा, पूरण कसाना, ठेकादर ओमी सैनी समेत अन्य मौजूद रहे।

पुरूराज सिंह ने किया नाम रोशन

टोंक, (निसं)। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में ऑल इंडिया में 21वीं रैंक प्राप्त करने वाले पूरूराज सिंह सोलंकी अपने परिवार के साथ पुरानी टोंक स्थित गढ में परिवार जनों से मिलें। यहां सभी परिवारजनों ने उनका माला एवं साफा पहनकर स्वागत सम्मान किया एवं उनका इस उपलब्धि पर बधाई दी। पुरूराज सिंह सोलंकी ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 21 व स्थान प्राप्त किया है इस पर पूरे टोंक में खुशी की लहर दौडी। पूरूराज सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एवं गुरुजनों को दिया। इस दौरान पूरूराज सिंह के पिता महेंद्र सिंह सोलंकी एवं उनकी माताजी एवं उनके भाई ऋषिराज सिंह का भी स्वागत किया। पूरूराज सिंह ने सोलंकी परिवार के नवयुवाओं को भी करियर के प्रति जागरूक होकर तैयारी करने के लिए कहां एवं उन्हें अच्छा करियर बनाने के लिए प्रेरित किया एवं उन्हें आश्वासन दिया कि जब भी किसी भी तरह की मार्गदर्शन की जरूरत हो तो वह हमेशा मार्गदर्शन देने के लिए तैयार रहेंगे।

शिक्षकों ने वेतन की नेक कमाई से विद्यालय की बदली तस्वीर

मुंडावर/किशनगढबास, (निसं)। अलवर के नवगठित जिला खैरथल तिजारा के उपखंड मुंडावर के छोटे से गांव कादर नगला में सैनिक के नाम पर संचालित शहीद श्याम सिंह राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों ने अपनी नेक कमाई से विद्यालय में नवाचार कर दशा और दिशा दोनों को बदल दिया।

शिक्षक से लेकर स्कूल के बच्चे तक यूनिफॉर्म में नजर आ रहे हैं। बच्चों के खेलने के लिए विद्यालय के पास खुद की जमीन नहीं थी। जिसको पूरा करने के लिए शिक्षकों ने जमीन किराए पर ली और बच्चों के लिए खेल की ज़रूरतों को पूरा किया। विद्यालय में पर्यावरण व प्राकृतिक वातावरण के लिए पौधे लगाए। शिक्षकों के सहयोग से ही बच्चों को जूते, बेल्ट, आईकार्ड दिए। विद्यालय विकास कार्यों में प्रधानाध्यापक सुनील यादव अपनी हर माह की सैलरी से 20 प्रतिशत सहयोग राशि विद्यालय में देते हैं इसके अलावा जब भी कोई विकास काम कराया जाता है तो उसमें विद्यालय परिवार के बाकी सुदेश यादव, मनीषा चौधरी, आदित्य शर्मा, आशा रानी, अंजू बाई, पूनम यादव, ललिता मेहरा आदि शिक्षक शिक्षिकाएं विद्यालय में कार्यरत है, अपना सहयोग देते हैं।

शिक्षकों ने अपनी नेक कमाई से विद्यालय में नवाचार कर दशा और दिशा दोनों को बदल दिया।

विद्यालय परिवार ने अपनी नेक कमाई से विद्यालय में कंप्यूटर प्रिंटर लगवाए। बारिश के पानी के संग्रहण के लिए पाइप लाइन डालकर वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित किया गया। बच्चों में स्किल डवलपमेंट के लिए हर सप्ताह ड्राइंग व पेंटिंग कंपटीशन का आयोजन किया जाता है। शारीरिक स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए हर बुधवार तथा शनिवार को विद्यालय स्तर पर निशुल्क टूथपेस्ट और ब्रश वितरित कर विद्यालय में ही बच्चों के दांतों की सफाई करवाई जाती है।

गुरुवार तथा शनिवार को निशुल्क स्पोर्ट्स ड्रेस लोअर टी-शर्ट तथा जूते सभी बच्चों को वितरण किए जाते हैं। ये सभी कार्य बिना भामाशाह और उद्योगपतियों की मदद के कार्यवाहक प्रधानाध्यापक सुमित कुमार यादव तथा उनके संपूर्ण स्टाफ ने मिलकर किया है।

सैनी समाज के तृतीय विवाह सम्मेलन में 12 जोड़े बने मसफर

शाहपुरा, (निसं)। त्रिवेणी धाम स्थित सैनी समाज की धर्मशाला में अक्षय तृतीया शुक्रवार को जय फूले माली विकास जन सेवा समिति के तत्वावधान में तृतीय आदर्श माली सैनी सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन में 12 जोड़े परिणय सूत्र में बंधें। प्रोत्साहन के लिए समिति की ओर से प्रत्येक जोड़े को बिना पेट्रोल की एक-एक स्कूटी व पर्यावरण जागरूकता का संदेश देने के लिए एक-एक पौधा भी भेंट किया गया।

अध्यक्ष साधुराम सैनी व सचिव एडवोकेट मुकेश कुमार सैनी ने बताया कि सुबह त्रिवेणी धाम ठाकुर जी के मंदिर व गणेश मंदिर में पूजा अर्चना करने के पश्चात विवाह कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सुबह 8:15 बजे यादव धर्मशाला त्रिवेणी धाम में सियाला का कार्यक्रम हुआ। सुबह 10 बजे वर वधुओं की बारातें निकली। जिनका समिति पदाधिकारियों व समाज के लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। बाराती भी बैंड बाजे की धुन पर थिरकते नजर आए। पंडित द्वारा सुबह 11 बजे विवाह की पद्धित शुरू की गई। 1 बजे रीति रिवाज से सभी 12 जोडे शादी के पवित्र बंधन में बंधे। अतिथियों के सम्मुख स्टेज पर वरमाला कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें वर वधुओं ने एक दूसरे को वरमाला पहनाई ओर वैदिक मंच्चोचारण के साथ परिणय सूत्र में बंधे। कार्यक्रम में पधारे त्रिवेणी धाम के संत रामरिछपाल दास महाराज, बनारसी दास जी महाराज, खोरी परमानंद धाम के हरिओम दास महाराज तथा भाजपा नेता जगदीप धनखड, डॉक्टर विकास यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष मोती बाबा फूले, देश महामंत्री में नाथूराम सोलंकी, फुले बिग्रेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रकाश सैनी, पूर्व प्रधान मंजू सैनी, भाजपा किसान मोर्चा के गुड्डू सैनी आदि जनप्रतिनिधियों ने भी पांडाल में पहुंचकर वर वधुओं को आशीर्वाद दिया। अतिथियों का सम्मेलन के अध्यक्ष साधुराम सैनी, पूर्व पालिका अध्यक्ष बद्री प्रसाद सैनी, सचिव मुकेश कुमार सैनी, राम नारायण सैनी, माधोलाल सैनी, महेश कुमार सैनी, श्री राम माली, ईश्वर लाल सैनी, मुख्य संयोजक नाथू लाल सैनी, गणेश राम सैनी, रामप्रताप सैनी, सीएम सैनी, हनुमान सैनी आदि ने स्वागत किया। समिति के सदस्यों व समाज बंधुओ ने बारातियों की खातेदारी में कोई कमी नहीं छोडी। कार्यक्रम के दौरान सैनी धर्मशाला व शादी का पांडाल, मुख्य गेट को खूबसूरत तरीके से सजाया गया। यहां तक की दुल्हनों को भी सजाने के लिए ब्यूटी पार्लरों की व्यवस्था की गई। समिति द्वारा नाश्ता व भोजन प्रसादी की भी व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में समिति द्वारा प्रत्येक जोडे को कन्यादान के रूप में पहली बार प्रोत्साहन स्वरूप एक-एक बिना पेट्रोल की स्कूटी, कूलर, पंखे, सिलाई मशीन सहित कई उपहार दिए गए। वही विदाई के समय पर्यावरण जागरूकता का संदेश देने के लिए एक-एक छायादार व फलदार पौधे भी भेंट किए गए। पूरे प्रदेश में अलग प्रोत्साहन के तौर पर बिना पेट्रोल की प्रत्येक जोडे को स्कूटी व सामाजिक व पर्यावरण जागरूकता का अलग संदेश देने वाले इस सामूहिक विवाह सम्मेलन के बडी संख्या में लोग साक्षी बने। लोगों ने भी सम्मेलन में अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान स्वरूप उपहार और नगद कन्यादान राशि भी दी। शादी में पहुंचने वाले लोगों ने सभी व्यवस्थाओं व सुविधाओं को लेकर कार्यक्रम की काफी सराहना की वहीं दूल्हा दुल्हन भी शादी से काफी खुश नजर आए। विवाह संपन्न होने के बाद नव विवाहित जोडों ने त्रिवेणी धाम ठाकुर जी की परिक्रमा कर भगवान का आशीर्वाद लिया।

विवाह संपन्न होने के बाद नव विवाहित जोड़ों ने त्रिवेणी धाम ठाकुर जी की परिक्रमा कर भगवान का आशीर्वाद लिया।

■ प्रत्येक जोड़े को एक-एक पौधा व एक-एक स्कूटी भेंट की

जवान जितेंद्र की सैनिक सम्मान के साथ अंत्येष्टि

जवान के अंतिम दर्शन के लिए भारी संख्या में लोग उमड़े।

राजगढ , (निसं)। राजगढ - लक्ष्मणगढ विधानसभा क्षेत्र में छिलोडी ग्राम पंचायत के ग्राम नवलपुरा गांव में शुक्रवार को अग्निवीर जवान की सैनिक सम्मान के साथ अंत्येष्टि की गई। अग्निवीर सैनिक जितेंद्र तंवर श्रीनगर आर्मी में थ्री पेरा एसएफ के पद पर कार्यरत था। गुरूवार दोपहर जयपुर मुख्यालय से सूचना मिली कि जितेन्द्र के सिर में गोली लग जाने से उसकी मौत हो गई है। श्रीनगर में जानकारी करने के पश्चात बताया गया कि सर्च आपरेशन के दौरान जम्मू-कश्मीर के पूंछ इलाके में आतंकी मुठभेड में मौत हो गई। राष्ट्रीय करणी सेना अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराणा ने जवान की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए फौजी के परिवार की तर्ज़ जितेन्द्र के परिजनों को सुविधा मिलने की आवाज उठाई। मृतक जवान का पार्थिव शरीर शुक्रवार को सायं दल बल के साथ करीब पांच बजे गांव में पंहुचने पर अंतिम दर्शन के लिए भारी संख्या में लोगों का हुजूम उमड पडा। मुखाग्नी बडे भाई सुनील ने दी। इस अवसर पर रैणी तहसीलदार कैलाश चंद मेहरा, उप अधीक्षक पुलिस राजगढ मनीषा मीणा,थानाधिकारी रामजीलाल मीणा,भाजपा नेता बन्ना राम मीणा, राजपूत महासभा के पदाधिकारी बृजेंद्र सिंह बबेली आदि मौजूद रहे।

फुलेरा रेलवे स्टेशन पर शीतल पेयजल सेवा शुरू

फुलेरा/सांभरझील, (निसं)। फुलेरा जंक्शन पर शुक्रवार को दोपहर 12:15 बजे दैनिक रेल यात्री महासंघ फुलेरा के द्वारा रेल यात्रियों के लिए शीतल पेयजल आर.ओ. वाटर सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है।

इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में फुलेरा विधानसभा के पूर्व विधायक निर्मल कुमावत रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विष्णु कयाल के द्वारा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत निर्मल कुमावत ने ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों को आर.ओ. एवं शीतल जल पिलाकर की। इस अवसर दैनिक रेल यात्री महासंघ के अध्यक्ष विष्णु कयाल, श्रवण वर्मा, महावीर प्रसाद जैन, गजेन्द्र सिंह शेखावत, मनोज आहूजा, शक्ति सिंह, हरीश कुमावत, सुरेश कुमार सैनी, शेषनारायण सैनी, एड. सुमित्रा सिंह नाथावत, विकास शर्मा, श्यामलाल सैनी, सत्यनारायण देवतवाल, राजेश बंजारा, चिरंजी लाल मेहरा जल सेवा प्रदान करने वाले कार्यकर्ता मौजूद रहे।

निर्मल कुमावत ने ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों को शीतल जल पिलाया।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

IDFC FIRST Bank

(पूर्व में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031, फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

परिशिष्ट-IV-ए
(नियम 8 (6) 9 व (1) का प्रावधान देखें)
अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री की सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम 2002 के साथ सहपठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) के अधीन अचल सम्पत्तियों की बिक्री करने के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद् द्वारा जनसाधारण को तथा विशेष रूप से कालम (ii) के अनुसार ऋण ग्रहिता(ओ) तथा सह-ऋणग्रहिता (ओं) को सूचित किया जाता है कि कालम (iii) के अनुसार नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियों जो सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/प्रभारित रखी गयी है, तथा इन सम्पत्तियों का भौतिक कब्जा पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, अब आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड जो पहले आईडीएफसी बैंक लि. के नाम से जाना जाता था, के प्राधिकृत अधिकारी ने ले लिया है। इन सम्पत्तियों की बिक्री 28.05.2024 को "जहाँ है जैसी है", "जो कुछ है यह है" तथा "जो कुछ है वहाँ है" के आधार पर, जेसा नीचे वर्णित है, कालम (iv) के अनुसार ऋणग्रहिता (ओं) तथा सह-ऋणग्रहिता (ओं) के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) को बकाया राशी की वसूली के लिये की जायेगी।

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तो के लिये क्रमशः आईडीएफसी फर्स्ट बैंक वेब साइट पर उपलब्ध कराये गये लिंक, अर्थात www.idfcfirstbank.com

निलामी का विवरण

क्र. सं.	(i) डिमांड नोटिस राशि	(i) सहमति	(ii) नाम ऋण ग्रहिता (ओं) एवं सहऋणग्रहिता (ओं)	(iii) सम्पत्ति का पता	(iv) आरक्षित मूल्य राशि	(v) ईएमडी राशि	(vi) निलामी की तिथि व समय	(vii) ईएमडी निलामी की तिथि व समय	(viii) सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि	(ix) अधिकृत अधिकारी का नाम व मोबाईल नं.
1	रूपये 12235380.92/- डिमांड नोटिस तिथि 04 अक्टू. 2022	10067015948	मै. गोयल पेपर कारपोरेशन सौरभ गोयल और मोहन लाल गोयल	फ्लैट नं. केके-1/103, पहली मंजिल, कुल क्षेत्रफल 1871 वर्ग फिट, कृष्ण कृपा-1, प्लाट नं. 1, सुभाष नगर, जयपुर का पूरा व प्रत्येक भाग, जिसमें 3 बैड रूम, 1 ड्राइंग रूम, 1 डाइनिंग हाल, तीन टायलेट, लाबी, बालकनियां तथा खुली छत है, तथा निर्मित फ्लैट के प्लाट की सीमायें है- उत्तर-नाला, दक्षिण-रोड 18 मीटर चौडी, पश्चिम-प्लाट नं. 2 जो कृष्ण कृपा 2 के नामसे जाना जाता है, पूर्व-पेट्रोल पम्प	रूपये 9598230.00/-	रूपये 959823.00/-	28 मई 2024 प्रातः 11.00 से दोपहर में 1.00 तक	27 मई 2024 प्रातः 10.00 से सायं 5.00 तक	22 मई 2024 प्रातः 10.00 से सायं 4.00 तक	नाम-श्री पुष्पेन्द्र सैनी मोबाइल नम्बर- 9772306344 नाम-आंचल शर्मा, मोबाइल नम्बर- 7737204242

अस्वीकरण- कृपया ध्यान दें कि यह नोटिस केवल अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए जारी किया गया है तथा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को चल सम्पत्तियों को बेचने का अधिकार नहीं है, यदि कोई, अचल सम्पत्ति पर मौजूद हो।

दिनांक- 10.05.2024
स्थान- जयपुर

प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)

संक्षिप्त

मंत्री प्रहलाद राय आज कोटपूतली में

कोटपूतली, (निसं)। श्रीयादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष राज्यमंत्री प्रहलाद राय टांक शनिवार को कोटपूतली आयेगें। सामाजिक कार्यकर्ता राजेश प्रजापति ने बताया कि प्रहलाद राय टांक राज्यमंत्री बनने के बाद पहली बार शनिवार को कोटपूतली आयेगें। जिनका प्रजापति छात्रावास में प्रात: 11 बजे छात्रावास कार्यकारिणी व मिट्टी कला से जुड़े कुंभकारों समाज बंधुओं द्वारा अभिनन्दन किया जायेगा।

मंत्री प्रहलाद राय

निशुल्क चश्मे वितरित किये

शाहपुरा, (निसं)। स्व.रावधीर सिंह स्मृति सेवा मंडल शाहपुरा के संरक्षक पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेंद्र सिंह के दिशा निर्देश के तहत शुक्रवार को उपजिला चिकित्सालय शाहपुरा में स्व.रावधीर सिंह स्मृति सेवा मंडल व एमआरएस द्वारा 19 मार्च को आयोजित लैंस प्रत्यारोपण शिविर में किए गए 284 रोगियों के सफल ऑपरेशन वालों की आंखों की जांच की गई। इस दौरान दृष्टि जांच के उपरांत सभी रोगियों को उप जिला चिकित्सालय के सहायक प्रभारी डॉक्टर मेघराज झालानी के विशेष आतिथ्य एवं संस्था अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद योगी की उपस्थिति में निशुल्क चश्मे वितरित किए गए तथा आज शिविर का विधिवत समापन हुआ। इस दौरान महेन्द्र रोलानियाँ, दयाशंकर शर्मा, शंकर लाल शर्मा आदि संस्था पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परशुराम जन्मोत्सव पर 1100 दीप जलाये

मालपुरा, (निसं)। विप्र समाज की और से शुक्रवार को पुरानी तहसील मदन मोहन जी मंदिर मे भगवान परशुराम जन्मोत्सव उत्साह व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बडी संख्या में मौजूद विप्र जनों ने 1100 दीप प्रज्जवल्लित कर भगवान परशुराम की महाआरती की गई। शिव मंदिर शास्त्री नगर मे संगीतमय सुन्दरकाण्ड पठन का आयोजन किया गया। शिव मंदिर शास्त्री नगर मे आयोजित सामुहिक सुन्दरकाण्ड के पठन में बडी संख्या में विप्र बंधुओं के साथ-साथ प्रबुद्धजन मौजूद रहै।

बाल विवाह अभिशाप पर जागरूक किया

सांभरझील, (निसं)। यहां न्यायिक अधिकारियों के निर्देशानुसार बाल विवाह निषेध अभियान के तहत तेजा का बास में अधिवक्ता गोपीचंद कुमावत की अध्यक्षता में ग्रामीणों को जागरूक करते हुए संदेश दिया। सरपंच शांति देवी ने इस पर अपने विचार व्यक्त किए। तालुका विधिक सेवा समिति प्रभारी चान्दमल सांभरिया ने बाल विवाह, बाल श्रम मुक्त समाज, चाईल्ड एब्यूज, चाईल्ड एजूकेशन, लैंगिक समानता, बाल तस्करी, 6-14 वर्ष के बच्चों के लिए अनिवार्य शिक्षा, वृद्धजनों के अधिकार, लोक अदालत, श्रमिकों के अधिकार, मध्यस्थता, पीड़ित प्रतिकर स्कीम की जानकारी दी। कार्यक्रम में मुकेश यादव, गोपीचंद सैनी, जितेन्द्र पारीक, लियाकत अली व अनेक ग्रामीणों की मौजूदगी रही।

परशुराम जन्मोत्सव पर शोभायात्रा

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा में शुक्रवार को विप्र समाज द्वारा भगवान परशुराम की जयंती को जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसी को लेकर समाज के अध्यक्ष राजू दाधीच के नेतृत्व में प्रात: 7:30 बजे नरेना रोड स्थित खाण्डल भवन परिसर से सजीव झांकियां सजाकर गाजे बाजे के साथ क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से होते हुए जोबनेर रोड स्थित विप्र वाटिका तक विशाल शोभायात्रा निकली गई। गौरतलब है कि उक्त शोभायात्रा खाण्डल भवन परिसर से रवाना होकर क्षेत्र के मुख्य मार्ग पांच बत्ती चौराहा, रेलवे ऑवरब्रिज होकर, बस स्टैण्ड, गांधी चौक, गणगौरी बाजार, हलवाई बाजार, ज्योतिबा फुले सर्किल होते हुए विप्र वाटिका परिसर पहुंची। इस दौरान शोभायात्रा का जगह जगह पर लोगों ने पुष्पवर्षा से स्वागत किया। वही विप्र वाटिका भवन पर भामाशाह श्यामसुन्दर चोटियों द्वारा दी गई भगवान परशुराम की मूर्ति की वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष पूजा अर्चना कर स्थापित की गई। तत्पश्चात भवन निर्माण में सहयोग करने वाले भामाशाहों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

भगवान परशुराम का जन्मोत्सव, आदर्शों पर चलने का आव्हान किया

■ भगवान परशुराम की निकली शोभायात्रा, सजाई झांकियां

श्रीमाधोपुर, (निसं)। अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर शोभायात्रा गौड विप्र परिषद समिति के परशुराम सभागार से शुरू हुई। जिसमें विप्र समाज के हजारों की संख्या में महिला व पुरूष, युवक युवतियां शामिल हुए। जीवंत झांकियों के साथ निकली शोभायात्रा के दौरान आतिशबाजी की गई और श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

शोभायात्रा में उज्जैन से पधारे कलाकारों द्वारा एक से बढकर एक कलाकारी दी। शोभायात्रा के रास्ते में स्थित मंदिरों के बाहर भगवान परशुराम की आरती उतारी। इस दौरान श्रीगोपीनाथ मंदिर के महंत डॉ. मनोहरशरण, पालिकाध्यक्ष हरिनारायण महंत, जितेन्द्र शर्मा, विशाल बोहरा, विनोद काछवाल, सत्यनारायण खांडल, विष्णु मिश्रा, अजय मिश्रा, डॉ.परशुराम भातरा, माणकचंद तिवाडी, जुगल-किशोर नायनका जोशी, महेश ढाणीवाला, रामजीलाल बढाढरा आदि मौजूद रहें।

दूदू। जिला मुख्यालय पर भगवान परशुराम का जन्मोत्सव ब्राह्मण समाज सेवा समिति दूदू के तत्वाधान में धूमधाम से मनाया गया। समिति के अध्यक्ष महेश चंद्र शर्मा ने बताया कि प्रात:काल 7 बजे भगवान परशुराम जी की शोभायात्रा रघुनाथ मंदिर दूदू से रवाना होकर बैंड बाजे के साथ नरेना रोड होते हुए महर्षि दधीचि विकास संस्थान भोजपुर रोड पर पहुंची। उसके बाद भगवान परशुराम जी की पूजा आरती की गई। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेशाध्यक्ष खांडल विप्र युवा संगठन कपिल चोटिया, अभिभाषक संघ दूदू के अध्यक्ष रामजीलाल शर्मा, ब्राह्मण समाज सेवा समिति दूदू के अध्यक्ष महेश चंद शर्मा, नगर परिषद दूदू उपसभापति अमित जोशी, परिवहन अधिकारी दूदू दिनेश चंद मिश्रा रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

निवाई। सकल ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में बडी के मंदिर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर भगवान परशुराम की विधिवत पूजा अर्चना की गई। अध्यक्ष रामफूल शर्मा ने बताया कि सकल ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम के चित्र के समक्ष माल्यार्पण कर दीप प्रचलित किया गया। इस दौरान संयोजक रामलाल पंडा ने भगवान परशुराम की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आव्हान किया। इस अवसर पर सूरजनारायण भट्ट, प्रदीप पारीक, एडवोकेट अनुराग शर्मा, रमाकांत शर्मा, राजेश भट्ट, मनीष केसोट, जगमोहन गौतम, प्रभुलाल स्वामी, महेश मिश्रा, एडवोकेट रमेश शर्मा, भंवरलाल तिवाडी, मायाराम शर्मा, हनुमान शर्मा, वीरेंद्र गौतम व अमित पंडा, हेमराज गुरुजी मौजूद थे।

टोंक। सर्व ब्राह्मण महासभा जिला टोंक की और से भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह सप्ताह के अन्तर्गत शुक्रवार को टोंक में भव्य शोभायात्रा का आयोजन रामकृष्ण मंदिर से पटेल सर्कल तक किया गया। महामंत्री विष्णुदत्त खांडल ने बताया की शोभायात्रा को राम महाराज (रामद्वारा), पंडित राजकुमार शर्मा, महंत सुरेश दुबे, महासभा के जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र शर्मा ने सभी साथियों के साथ भगवान परशुराम की पूजा अर्चना कर रवाना किया। इस अवसर पर समाज के सैकडों की संख्या में महिला पुरुष मोजूद रहे।

जीवंत झांकियों के साथ निकली शोभायात्रा के दौरान आतिशबाजी की गई और श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

तकनीकी संस्थान टिप्स जी का उद्घाटन

कोटपूतली, (निसं)। विधायक हंसराज पटेल ने शुक्रवार को राजमार्ग पर संजीवनी अस्पताल के पास आरएनएस ग्रुप ऑफ कम्पनीज की कोटपूतली शाखा टिप्स जी तकनीकी संस्थान के नये प्रशिक्षण केन्द्र का बतौर मुख्य अतिथि फिता काटकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये पटेल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में भी तकनीकी विकास तेजी से हुआ है।

आज शहरों व कस्बों से लेकर गाँव-ढाणी में किसान व मजदूर वर्ग के लोग भी स्मार्ट फोन पर सोशियल मीडिया एप चलाने के साथ-साथ लेनदेन का कार्य कर रहे है। ऐसे में सा बर सुरक्षा को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की बेहद आवश्यकता है। कई बार देखा जाता है कि तकनीक की समझ ना होने के कारण लोग ठगी का शिकार हो जाते है। जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की संख्या ज्यादा है। ऐसे में इस प्रकार के संस्थान बेहद कारगर व उपयोगी सिद्ध होगें। मुख्य अतिथि पटेल समेत अन्य अतिथियों का संस्थान के सी ओ संतोष यादव ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

भगवान परशुराम के जयकारों से गुंजायमान हुआ पावटा

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा सहित आसपास के क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया गया। भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव पर उपखंड पावटा में ब्राह्मण महासभा पावटा के तत्वाधान में शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा को महंत मोहनदास महाराज द्वारा दीप प्रज्वलित व आरती कर पावटा आदर्श रामलीला मैदान से रवाना किया गया।

शोभायात्रा में ब्राह्मण महासभा पावटा सहित तहसील विप्र समाज के लोग तहसील अध्यक्ष राजेश शर्मा, नगर अध्यक्ष अमरनाथ पटेल, उपाध्यक्ष गजानंद बोहरा पूर्व उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश गौड, पूर्व नगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा, महामंत्री दीपक पटेल, पूर्व महामंत्री विष्णु पटेल, कोषाध्यक्ष ललित शर्मा, पूर्व कोषाध्यक्ष विकास पुजारी, संगठन मंत्री गिरिराज बोहरा, प्रचार प्रसार मंत्री हितेंद्र पटेल, संरक्षक सुरेश शर्मा, दिनेश शर्मा, ओमप्रकाश गौड, राजेंद्र शर्मा, जगदीश शर्मा, दुर्गादत्त भारद्वाज गुरुजी, शाहपुरा पूर्व प्रधान मंजू शर्मा, पूर्व विधायक सुभाष शर्मा, गोपाल अग्रवाल, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा, बजरंग लाल शर्मा कोटपुतली, गजानंद टीलावत, विमल शर्मा, पं. सोहनलाल शर्मा, परमानंद शर्मा, विनोद पुजारी, गोविंद टीलावत, साहिल टीलावत, हिमांशु शर्मा, रामशरण बोहरा, योगेश शर्मा, नरेंद्र गौड, राजू पटेल, नितेश शर्मा, प्रिंस मिश्रा, मुकुंद कौशिक, सहित विप्र समाज व सर्व समाज के लोग धर्म ध्वजा के साथ उत्साह से निकले। शोभायात्रा में जगह-जगह परशुराम भगवान की आरती उतारी गई। इस दौरान ब्राह्मण एकता जिंदाबाद के नारे लगाये गये। इस दौरान नगर व तहसील के विप्र बंधुओं सहित लोग भारी संख्या में मौजूद रहे। इस भव्य शोभायात्रा में शामिल विप्र बंधुओं का जगह-जगह समाज सेवी संगठनों द्वारा स्वागत व सम्मान किया गया और ठंडे पेयजल की व्यवस्थाएं भी की गई। वही राहुल शर्मा द्वारा नवगठित कार्यकारिणी का स्वागत सम्मान किया गया। आगंतुक अतिथियों का ब्राह्मण महासभा पावटा द्वारा माला, दुपट्टा पहनाकर समान किया गया। प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश मीणा के नेतृत्व मे प्रागपुरा थाना पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के कडे इंतजाम के साथ भारी पुलिस बल भी यात्रा में तैनात रहा।

शोभायात्रा को महंत मोहनदास महाराज द्वारा दीप प्रज्वलित व आरती कर पावटा आदर्श रामलीला मैदान से रवाना किया गया।

सार-समाचार

परिण्डे लगा सेवा का दिया सन्देश

टोंक, (निसं)। हर घर पे लगे परिंडा, प्यासा न रहे परिन्दा इस पवित्र संकल्प के साथ टोंक शहर के सेवा भावी संघटन अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन टोंक द्वारा नवरात्रा दुर्गाष्टमी से प्रारम्भ किया गया 1001 परिण्डे लगाने एवं वितरण का कार्य अक्षय तृतीया के पुण्य पर्व पर पूर्ण किया गया। जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक एवं संघटन के शहर अध्यक्ष भगवान भण्डारी ने बताया कि इस प्रचण्ड गर्मी में बेजुबान पंछियों के लिए घर घर परिंडा लगाने का अभियान संघटन द्वारा किया गया जिसे आम जनता ने काफी सराहा ओर इस अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। संघटन द्वारा प्रथम चरण में दुर्गाष्टमी के दिन कंकाली माता मंदिर में भक्तों को एवं आम जन को 530 परिंडों का वितरण कर रोजाना ताजा जल भरने को प्रेरित किया।

भगवान परशुराम जयंती महोत्सव

राजगढ़, (निसं)। कस्बे में भगवान परशुराम जन्म जयंती जन्मोत्सव के तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुक्रवार को ब्राह्मण धर्मशाला में पूजा अर्चना एवं श्रद्धा भक्ति के साथ शुभारंभ हुआ। उपस्थित विप्र बंधुओं ने भगवान परशुराम की जय उद्घोष कर माहौल भगवान परशुराम मय बना दिया। ब्राह्मण समाज के सचिव प्रदीप शर्मा ने बताया कि अध्यक्ष राजेश शर्मा ठेकेदार की मौजूदगी में पदाधिकारी एवं समाज के प्रबुद्ध लोगों ने पूजा अर्चना की। इस अवसर पर सुंदरकांड का शुभारंभ हुआ। शर्मा ने बताया कि 11 में को साय 7बजे संगीत युक्त सुंदरकांड का समापन होगा। 12 मई को दोपहर बाद आकर्षक झांकियां के साथ भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा सैकडों लोगों की मौजूदगी में निकाली जाएगी। इस आयोजन को लेकर ब्राह्मण समाज के महिला पुरुषों में उत्साह एवं उल्लास का आलम है। अध्यक्ष राजेश शर्मा ठेकेदार ने बताया कि इस आयोजन में तहसील क्षेत्र के विप्र बंधु आयोजन में से सहभागी बनेंगे। इस अवसर पर मदनलाल शर्मा, कपिल जैमन, राजेश शर्मा, संजय राजस्थानी, दिनेश शास्त्री, विपिन बिहारी शर्मा, पंडित उदयभान शर्मा, किशोर मुखर्जी, जगमोहन शर्मा, पुखराज, अखिलेश वशिष्ठ, एवं अन्य गण मान्य के साथ मीडिया कर्मी मौजूद रहे।

69 जोड़े बने हमसफर

टोंक, (निसं)। 10 अप्रेल को सदर माली समाज का 27वां आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन अध्यक्ष कालू बागडी ने बताया की टोंक सदर का ये 27 वां विवाह सम्मेलन नैन सुख की बगिया में सम्पन्न हुआ। जिसमें 69 जोडे एक दूसरे के हमसफर बने। गत रात्रि को सांस्कृतिक भजन संध्या का आयोजन हुआ जिसमें भजन गायक रामकुमार मालूणी, हेमराज सैनी, प्रकाश माली मेंदवास, सरवन सेंदरी, कमलेश सैनी टोंक आदि कलाकारों ने भजन संध्या का रंग जमाया। कार्यक्रम में माली समाज संरक्षक कमलेश सिंगोदिया, सदर अध्यक्ष अचीलेश सैनी, माली समाज युवा मोर्चा रामावतार टांक, पार्षद राहुल सैनी, महामंत्री, जगदीश सैनी मोती राजधार, मोहन बागडी, कोषाध्यक्ष भंवर चांदमा वाले, सीताराम, भाजपा मोर्चा अध्यक्ष बबलू टैंकर टांक, समीर सैनी कमलेश ठाकर आदि समाज बंधु मौजूद रहे।

अवैध बजरी खनन, दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक, संजीव नैन के द्वारा अवैध खनन व परिवहन की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत वृत्ताधिकारी निवाई मृत्युन्जय मिश्रा एवं थानाधिकारी निवाई हरिराम वर्मा के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए अवैध खनन के खिलाफ बजरी परिवहन करते अलग-अलग जगहों से दो ट्रेक्टर-ट्रोलियों को जप्त किया गया। थानाधिकारी निवाई ने बताया ने बताया कि अवैध खनन व परिवहन की रोकथाम हेतु अलग-अलग टीमें द्वारा कार्यवाही करते हुए गुरुकुल स्कूल के पास निवाई सामने से एक ट्रेक्टर-ट्रोली तथ आरामशीन के पास, कस्बा निवाई सामने से अवैध बजरी से भरे ट्रेक्टर-ट्रोली का जप्त किया। दोनो चालक ट्रेक्टर-ट्रोली को छोडकर फरार हाने में कामियाब रहे। जिनके विरोध एमएमआरडी एक्ट प्रकरण पंजिबद्व कर अनुसंधान जारी है।

जिला पावरलिफ्टिंग टीम उदयपुर रवाना

टोंक, (निसं)। जिला पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन अध्यक्ष अब्दुल गफूर शेरा ने बताया की शेरा पॉवर जिम में सब जूनियर व जूनियर एवं मास्टर खिलाडियों का चयन किया एवं डॉक्यूमेंट वेरीफाई किया गया। सब जूनियर खिलाडी पुष्पक महावर आरिश मनीष ग्वाला जेद अली युवराज खंगार साहिल खान जूनियर खिलाडी महेंद्र चौधरी फेजान कुरैशी युसूफ रामेश्वर गुर्जर सलमान खान बाबू सौदा शाहिद कुरैशी अनीस अब्दुल सबूर गाजी अरमान माधिवाल टोंक जिला पावरलिफ्टिंग संघ कोषाध्यक्ष महेंद्र कुमार योगी ने बताया कि 11 व 12 मई टोंक जिले के पॉवर लिफ्टर खिलाडी उदयपुर में पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस अवसर पर निर्देशक अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार एसोसिएशन भारत एवं उपाध्यक्ष राजस्थान शूटिंग बॉल एसोसिएशन खलील उर्रहमान टोंक जिला ओलम्पिक सचिव मुमताज राही। अंतर्राष्ट्रीय पावरलिफ्टर साजिद अहमद टोंक पावरलिफ्टिंग संघ टीम मैनेजर जाफिर खान टोंक बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन अध्यक्ष सईद खान, मास्टर वेट लिफ्टिंग एसोसिएशन सचिव अकील अहमद उर्फ केसर खान पॉवर लिफ्टिंग संघ संरक्षक जाहिद खान महेंद्र पाल सैनी हिमांशु शर्मा मो.आरिफ योगेश ग्वाला मंजूर अहमद ने खिलाडियों के उज्वल भविष्य की मनोकामना की।

विवाह सम्मेलन बेटियों के हाथ पीले करने का अच्छा माध्यम : टीकाराम

■ गौशाला में सामूहिक विवाह आयोजित, 8 बेटियों की शादी हुई

अलवर, (निसं)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सामूहिक विवाह समारोह निश्चित तौर पर समाज को आर्थिक संबल देने के साथ एक नई दिशा देने में अहम साबित हो रहे है। जूली शुक्रवार को स्टेशन रोड स्थित सार्वजनिक गौशाला में सतीश भाटिया ट्रस्ट की ओर से आयोजित आठ बेटियों के सामूहिक विवाह समारोह में नवविवाहित जोडों को मुख्य अतिथि के रूप में आशीर्वाद दे रहे थे।

जूली बोले जरूरतमंद परिवारों के सपने को साकार करने में निशुल्क सामूहिक विवाह बेटियों के हाथ पीले करने का अच्छा माध्यम है।

उन्होंने कहा कि यह प्रेरणादाई सामूहिक विवाह गौशाला में संपन्न हुआ है आज अक्षय तृतीया पर गोदान और कन्यादान दोनों का विशेष महत्व है। सामूहिक विवाह समारोह में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष अजय अग्रवाल, सतीश भाटिया, संजीव बारेठ, अश्विनी अग्रवाल, कैलाश, जोगेंद्र कोचर, प्रियांशु अग्रवाल, विनोद, पवन अग्रवाल, संजय, प्रेम गांधी सहित ट्रस्ट के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इससे पूर्व जूली अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के मालाखेडा, मोती का बास, बरखेडा, चोमू, लिली, मिर्जापुर सहित विभिन्न गांव में पहुंचकर ग्रामीण क्षेत्र की जनता के सुख-दुख में शामिल हुए।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सामूहिक विवाह सम्मेलन में नव दंपति को आशीर्वाद प्रदान कर वैवाहिक प्रमाण पत्र दिया।

दो सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

देवली (निसं)। उपखंड क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग जयपुर पर सिरोही गांव के समीप गुरुवार रात एक सडक हादसे में 30 वर्षीय युवक की मौत हो गई है। मेहंदवास निवासी युवक रंजीत सिरोही में शादी समारोह में शामिल होने आया था। इस दौरान यह हादसा हुआ।

देवली थाने के उप निरीक्षक नंदसिंह ने बताया कि यह हादसा गुरुवार रात्रि 8 से 9 के बीच सिरोही में पुलिया के समीप हुआ। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा मृतक रणजीत को एंबुलेंस से देवली चिकित्सालय लाया गया। जहां चिकित्सक ने रंजीत को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक रणजीत पुत्र शंकर बैरवा निवासी राधाबलपुर थाना मेहंदवास जिला टोंक है। मामले में मृतक के भाई कीमतराज बैरवा ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि उसका भाई रणजीत गुरुवार को सिरोही में शादी में शामिल होने आया था। इस दौरान अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक रणजीत की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं शुक्रवार सुबह मृतक केशव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। इसी तरह उपखंड क्षेत्र के दूनी घाड नगरफोर्ट मार्ग पर गुरुवार रात सडक हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक युवक चंदवाड गांव में एक शादी समारोह में पत्नी व बच्चियों के साथ आया था।

खोद गांव निवासी तहसील पाटोदी जिला गुड़गांव हरियाणा विजय कुमार (26) पुत्र रमेश चंद धानक हाल निवासी बापू नगर कच्ची बस्ती कुन्हाडी कोटा शहर का निवासी है। वह गत 15 सालों से कोटा में अपने परिवार के साथ किराए के मकान में रहकर ठेले पर प्याज बेचने का काम करता था। इसी मकान में रहने वाले बालेता रोड कच्ची बस्ती निवासी निहाल चंद्र पुत्र लोडकया बैरवा के साथ वह घाड थाना क्षेत्र चंदवाड गांव में अपने रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शरीक होने आया था। युवक घाड से बाइक पर सवार होकर चंदवाड जा रहा था। उसकी बाइक अनियंत्रित होकर गड्ढे में जा गीरी जिससे। उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक के तीन पुत्रियां हैं।

फिजुल खर्च रोकने में मील का पत्थर साबित हो रहे है सामूहिक सम्मेलन : मंत्री कन्हैयालाल

■ च्यवन गौड ब्राह्मण समाज के विवाह सम्मेलन में 36 जोड़े जीवनसाथी बने

मालपुरा, (निसं)। अखिल भारतीय च्यवन गौड ब्राह्मण समाज आम चौरासी के तत्वाधान मे मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के सीतारामपुरा में शुक्रवार को समाज का 22वां सामूहिक सम्मेलन आयोजित किया गया। सभी वर-वधुओं की सामूहिक निकासी व तोरण के पश्चात पाणिग्रहण संस्कार की रस्मे पूरी की गई। सामूहिक विवाह में वर-वधु को आर्शीवाद देने पहुंचे राजस्थान सरकार के केबिनट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने हजारों की संख्या में मौजूद ब्राह्मण समाज के लोगों को सम्बोधित करते हुये कहा कि समाज में एकजुटता व भाईचारे के साथ-साथ महंगाई के इस दौर मे फिजुल खर्च पर अंकुश लगाने मे मील का पत्थर साबित हो रहे है यह सामूहिक विवाह सम्मेलन।

चौधरी ने कहा कि समाज में फैली दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों को त्याग कर समाज के सभी वर्गो के लोगों को सामूहिक विवाह सम्मेलन मे अपने बेटे व बेटियों की शादी सम्पन्न करवा गरीब व मध्यम वर्ग के समाज बंधुओं को साथ लेकर चलने का एक संकल्प ले जिससे समाज की आर्थिक उन्नति तो होगी ही साथ ही परस्पर आपसी भाईचारा व प्रेम भी बढेगा। केबिनेट मंत्री के साथ मौजूद समाज कल्याण विभाग अधिकारी मेरिटीना सोनी ने मंच के माध्यम से अवगत करवाया कि राज्य सरकार द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन के आयोजनों को बढावा देने के लिये एक योजना शुरू की है जिसमे विवाह सम्मेलन में न्यूनतम 25 जोडे तथा अधिकतम की कोई सीमा नहीं है। पच्चीस जोडे पूर्ण होने व उनके सभी दस्तावेजों का विभाग की वेबसाईट पर ऑनलाईन पंजीयन करवाने पर विभाग द्वारा कन्यादान स्वरूप नवविवाहित बेटी के नाम 21 हजार रूपये की एफईडी तथा 4 हजार रूपये आयोजन समिति को दिये जाते है। आज च्यवन गौड ब्राह्मण समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 36 वर-वधु एक-दूजे के जीवनसाथी बने है। जिनका भौतिक सत्यापन करने के पश्चात विभाग द्वारा कुल 9 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

मंचाशील राष्ट्रीय कार्यकारिणी के संरक्षक बाबूलाल शर्मा टोंक, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रहलाद राय शर्मा,पूर्व उपजिला प्रमुख अवधेश शर्मा,सम्मेलन समिति अध्यक्ष जगदीश शर्मा ने मौजूद समाज बंधुओं का आभार जताया। इस अवसर पर डिस्ट्रीक जज प्रहलाद शर्मा, कन्हेयालाल चिन्दोला फागी, लालचन्द तिवाडी डांगरथल सहित समाज के भामाशाओं का सम्मान किया गया। समिति सचिव बद्रीनारायण तिवाडी,कोषाध्यक्ष भंवर लाल व्यास सहित व्यवस्थाओं मे सहयोग करने वाले संगठनो व समाज बंधुओं का आभार जताया।

च्यवन गौड ब्राह्मण समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने वर-वधुओं को आशीर्वाद दिया।

उप निदेशक ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का किया निरीक्षण

■ प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस पर अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं को लाभान्वित करने के दिये निर्देश

कोटपूतली, (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव के निर्देश पर उप निदेशक डॉ. यदुराज सिंह ने को सामुदायिक स्वास्थ्य क्रेन्दों का निरीक्षण किया।

जिला नोडल अधिकारी रविकांत जांगिड ने बताया कि चिकित्सा संस्थानों पर आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस एवं मातृ शिशु पोषण स्वास्थ्य दिवस के सफल क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग हेतु कोटपूतली-बहरोड जिले में उपनिदेशक डॉ. यदुराज सिंह ने सीएमएचओ डॉ.आशीष सिंह शेखावत के साथ सीएचसी पावटा, शाहंजहांपुर, नीमराना का निरीक्षण किया। इस दौरान उपनिदेशक द्वारा प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस पर गर्भवती महिलाओं से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली गई साथ ही प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस के दिन अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं को लाभान्वित करने के निर्देश दिये तथा आशाओं को प्रोत्साहित किया। सीएमएचओ डॉ. शेखावत ने विभाग की ओर से उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं का जायजा लिया। वहीं ओपीडी-आईपीडी में आने वाले मरीजों का शीघ्र रजिस्ट्रेशन करने एवं आपातकाल में आने वाले मरीजों का तुरंत उपचार प्रारम्भ करने के निर्देश दिये। उपनिदेशक द्वारा वार्ड में भर्ती मरीजों से संस्था पर मिलने वाली नि:शुल्क दवा यां एवं जांच के बारे में जानकारी ली गई। उपनिदेशक द्वारा लू तापघात एवं मौसम बीमारियों की जानकारी दी गई। वहीं निरीक्षण के बाद उप निदेशक ने सभी अधिकारी एवं कार्मिकों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की समीक्षा की।

विराट कोहली अपनी दमदार स्लॉग स्वीप के जरिये बीच के ओवरों में स्पिनरों को बखूबी खेल रहे हैं। वह अब पहले की तरह वाला विराट कोहली नहीं है लेकिन अब वह 21 साल का भी नहीं है। वह 30 पार है लेकिन अभी भी ऐसा प्रदर्शन लाजवाब है।" **– टॉम मूडी**

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, विराट कोहली के बारे में कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ साई सुदर्शन

गुजरात के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने आईपीएल के इतिहास में सबसे तेज 1,000 रन पूरे करने के मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। आईपीएल 2024 में सुदर्शन का बल्ला जमकर रनों की बरसात कर रहा है, जिसमें वो 500 से भी अधिक रन बना चुके हैं। आईपीएल में सबसे तेज 1,000 रन पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर थे। तेंदुलकर ने 31 पारियां खेलकर साल 2010 में एक हजार रन पूरे किए थे, जिनमें उनका औसत 34.8 का रहा था। अब गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने 25 पारियों में ही एक हजार रन पूरे कर लिए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... अपने टेस्ट जीवन की पहली श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के सुनील गावस्कर के नाम है। गावस्कर ने 1970–71 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 774 रन बनाये।

बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को पांच रन से हराया, सीरीज में 4–0 की अजेय बढ़त

मीरपुर, 10 मई। तंजिद हसन (52) की अर्धशतकीय पारी और सौम्य सरकार (41) रनों की शानदार पारियों के बाद शाकिब अल हसन चार विकेट और मुस्तफिजुर रहमान तीन विकेट की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत बंगलादेश ने चौथे टी–20 के बेहद रोमांचक मुकाबले में जिम्बाब्वे को पांच रन से पराजित कर सीरीज में 4–0 की अजेय बढ़ त बना ली है। यहां शुक्रवार को जिम्बाब्वे ने टॉस जीता और बल्लेबाजी के लिए बंगलादेश की टीम को आमंत्रित किया। बंगालदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 143 रन पर सिमट गई थी। तंजिद हसन के अलावा सौम्य सरकार (41), मोहम्मद तौहिद हदोय (12), नजमुल शांतो (02), शाकिब उल हसन (01), जाकेर अली (06), रिशाद हुसैन (02), तस्किन अहमद (शून्य), तंजीम हसन साकिब (06), मुस्तजिफुर रहमान (03) और तनवीर इस्लाम (03) रन बनाकर कर आउट हुये। जिम्बाब्वे की ओर से ल्यूक जॉन्गवे ने तीन विकेट लिये। ब्रायन बेनेट और रिचर्ड एनगरावा ने दो–दो बल्लेबाजों को आउट किया। ब्लेसिंग मुजाराबानी तथा सिकंदर रजा ने एक–एक बल्लेबाज को आउट किया। 144 रन का पीछा करने करने की उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में ब्रायन बेनेट (शून्य) का विकेट गवां दिया। जिम्बाब्वे की ओर से जोनाथन कैंपवेल (31) को छोड़ कर कोई भी बल्लेबाज बंगलादेश के गेंदबाजों के आगे टीक नहीं सका। तड़िवनाश मरुमानी (14), ब्रायन ब्रेनेट (शून्य), सिकंदर रजा (17), क्लाइव मंडाडे (12), रायन बले (19), ल्यूक जॉन्गवे (01), बेलिंग्टन मसाकाट्ज़ा (19 नाबाद), ब्लेसिंग मुजराबानी (08) और रिचर्ड एनगरावा (06) रन बनाकर आउट हुये। बंगलादेश की ओर से शाकिब अल हसन ने चार विकेट लिये। मुस्तफिजुर रहमान को तीन विकेट लिये। तस्किन अहमद ने दो और रिशाद हुसैन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

पीजीडीएवी ने जीता टी–20 इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब

नयी दिल्ली, 10 मई। अमन भारती(21 रन पर 4 विकेट) की घातक गेंदबाजी और श्रेष्ठ पी. यादव (39 गेंद में 74 रन) की आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत पीजीडीएवी कॉलेज ने आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज को सात विकेट से पराजित कर द्वितीय स्वामी दयानंद सरस्वती डे–नाईट टी–20 इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब लगातार दूसरी बार जीत लिया। फाइनल मुकाबले में आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज (आरएसडी) ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पीजीडीएवी कॉलेज के शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए आरएसडी को 19.2 ओवर में 134 रन पर समेट दिया। आरएसडी कॉलेज के ज्योति आदित्य ने 27 गेंद में 46 रन बनाए। वहीं पीजीडीएवी के अमन भारती ने 3.2 ओवर में 21 रन देकर चार विकेट लिये। 135 रनों के लक्ष्य के जवाब में पीजीडीएवी कॉलेज टीम ने 15.1 ओवर में तीन विकेट पर 136 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। श्रेष्ठ पी. यादव ने 39 गेंदों में 74 रन और काव्य ने 33 गेंदों में 40 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। पीजीडीएवी के श्रेष्ठ पी. यादव को प्लेयर ऑफ द मैच एवं प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट पुरस्कार से नवाजा गया। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार अभिक को दिया गया। अमन भारती सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुने गये। सर्वश्रेष्ठ विकेट कीपर का पुरस्कार आर्यन शर्मा को दिया गया।

कोहली को आगामी टी–20 विश्वकप में पारी का आगाज करना चाहिए : गांगुली

बेंगलुरु, 10 मई। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन को विराट कोहली की मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार फॉर्म को देखते हुए अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में उनसे पारी का आगाज करना चाहिए। इस आईपीएल में 12 मैच में 153.51 के शानदार स्ट्राइक रेट से 70.44 के औसत से 634 रन बनाकर कोहली 'ओरेंज कैप' पहने हैं और यह स्ट्राइक रेट उनके करियर के 134.31 के स्ट्राइक रेट से काफी अधिक है। गांगुली ने यहां एक कार्यक्रम से इतर पीटीआई से कहा, "विराट बहुत ही शानदार खेल रहा है। बीती रात कोहली ने जो पारी खेली जिसमें उसने तेजी से 90 रन बना दिये, उसे देखते हुए आपको उसे टी20 विश्व कप में बतौर सलामी बल्लेबाज इस्तेमाल करना चाहिए। उसकी पिछली कुछ आईपीएल पारियां देखें तो ये अद्भुत रही हैं इसलिये उसे पारी का आगाज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ने टी20 विश्व कप के लिए संतुलित टीम का चयन किया है जिसमें 17 साल के अंतराल बाद ट्राफी जीतने की काबिलियत है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका में 2007 में शुरूआती टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। गांगुली ने कहा, "यह बहुत अच्छी टीम है। मुझे लगता है कि उन्होंने सर्वश्रेष्ठ टीम चुनी है। बल्लेबाजी में गहराई के अलावा गेंदबाजी भी बेहतरीन दिखती है। " उन्होंने कहा, "बुमराह इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं। हमारे पास कुलदीप, अक्षर और सिराज का अनुभव है। इस बार टीम संयोजन आदर्श है। " आईपीएल के मौजूदा चरण में 250 रन का स्कोर आसानी से बन रहा है और 51 साल के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि भविष्य में भी यही चलन जारी रहेगा। गांगुली ने कहा, "आने वाले वर्षों में भी यही चलन जारी रहेगा। टी20 अब ताकत का खेल बन गया है और ऐसा होना ही था। मैं संजू सैमसन की प्रतिक्रिया पढ़ रहा था जिसमें उन्होंने कहा कि आधुनिक टी20 में सुस्ताने की कोई जगह नहीं है। आपको सिर्फ हिट करना होता है और यह ऐसा ही रहेगा। अब हम आईपीएल में नियमित रूप से 240, 250 रन के स्कोर देख रहे हैं। इसका मुख्य कारण बल्लेबाजी के लिए अच्छी पिच भी है और भारत में मैदान भी इतने ज्यादा बड़े नहीं हैं।

गिल व सुदर्शन ने जड़े शतक, चेन्नई को 35 रन से हराया

गुजरात की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें कायम, मोहित को 3 विकेट मिले, गिल ने आईपीएल का 100 वां शतक लगाया

अहमदाबाद, 10 मई। गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 59वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को 35 रन से हरा दिया। चेन्नई ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। गुजरात ने 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 231 रन बनाए। जवाब में चेन्नई की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 196 रन ही बना सकी। कप्तान शुभमन गिल (104 रन) ने इतिहास का 100वां शतक जमाया। गिल के बाद साई सुदर्शन (103 रन) ने भी करियर की पहली सेंचुरी पूरी की। दोनों ने 210 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। चेन्नई सुपर किंग्स से तुषार देशपांडे ने 2 विकेट लिए। सीएसके से डेरिल मिचेल ने 63 रन, मोईन अली ने 56 रन, एमएस धोनी ने 26 और शिवम दुबे 21 रन बनाए। मोहित शर्मा ने 3 और राशिद खान ने 2 विकेट लिए।

आज यहां चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। गुजरात टाइटंस की साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने टीम को शानदार शुरुआत देते हुए मैदान के चारों शॉट लगाते हुए पहले विकेट के लिये रिकार्ड अवजित 210 रनों की साझेदार की। 18वें ओवर में तुषार देशपांडे ने साई सुदर्शन को आउट कर चेन्नई को पहली सफलता दिलाई। साई सुदर्शन ने 51 गेंदों में पांच चौके और सात छक्के लगाते हुये (103) रन बनाये। शुभमन गिल ने 55 गेंदों में नौ चौके और छह छक्के लगाते हुये (104) रनों की पारी खेली।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने क्रिकेट को कहा अलविदा

टी-20 विश्वकप में नहीं मिली जगह

क्राइस्टचर्च, 10 मई। न्यूजीलैंड के शीर्षक्रम के बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने आगामी टी20 विश्व कप के लिये टीम में जगह नहीं मिलने के बाद शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। मुनरो ने न्यूजीलैंड के लिये एक टेस्ट, 57 वनडे और 65 टी20 मैच खेलकर 3010 रन बनाये हैं। टी20 क्रिकेट में उनका औसत 156 . 44 रहा। वह उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जिन्होंने सभी टी20 स्पर्धाओं में मिलकर 10000 से अधिक रन बनाये हैं। उन्होंने 428 टी20 मैचों में 10961 रन बनाये हैं जिनमें उनका स्ट्राइक रेट 141.25 रहा। उन्होंने न्यूजीलैंड के लिये आखिरी मैच 2020 में भारत के खिलाफ टी20 खेला था। मुनरो ने एक बयान में कहा ," न्यूजीलैंड के लिये खेलना मेरी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से रहा। मैंने 123 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जिस पर मुझे गर्व है।" उन्होंने कहा ,"मैने लंबे समय से नहीं खेला है लेकिन मुझे वापसी की उम्मीद बनी हुई थी। अब न्यूजीलैंड की टी20 विश्व कप टीम के ऐलान के बाद मेरे लिये विदा लेने का सही समय है।" वह दुनिया भर में टी20 लीग खेलते रहेंगे।

बीसीसीआई मुख्य कोच के लिए अगले हफ्ते जारी करेगा विज्ञापन

मुंबई, 10 मई। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा है कि भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को अगर टी20 विश्व कप के बाद भी पद पर बने रहना है तो उन्हें फिर से आवेदन करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि नये कोच की नियुक्ति तीन साल के लिये होगी। द्रविड़ का करार शुरू में दो साल का था लेकिन उन्हें और सहयोगी स्टाफ को नवंबर में 50 ओवरों के विश्व कप के बाद कार्यकाल में विस्तार दिया गया। शाह ने यहां बीसीसीआई कार्यालय में चुनिंदा मीडिया से कहा ," हम अगले कुछ दिन में आवेदन मंगवायेंगे। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल खत्म होने वाला है। उन्हें पद पर बने रहना है तो फिर से आवेदन करना होगा। हमें दीर्घकालिन कोच चाहिये, तीन साल के लिये।"

उन्होंने यह भी कहा कि अलग अलग प्रारूपों के लिये अलग कोच रखने का चलन नहीं रहा है लेकिन अंत में फैसला क्रिकेट सलाहकार समिति को लेना है। समिति में जतिन परांजपे, अशोक मल्होत्रा और सुलक्षणा नाईक हैं। शाह ने कहा ," भारतीय क्रिकेट में अलग अलग प्रारूपों के लिये अलग कोच रखने का चलन नहीं रहा है। इसके अलावा हमारे पास कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो सभी प्रारूपों में खेलते हैं जैसे ऋषभ पंत, विराट कोहली और रोहित शर्मा। "

उन्होंने कहा ,"यह फैसला क्रिकेट सलाहकार समिति को लेना है। जो फैसला वह लेंगे, मैं उस पर अमल करूंगा। अगर वे कहेंगे कि विदेशी कोच चाहिये तो मैं दखल नहीं दूंगा।" अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समिति के अध्यक्ष के रूप में ठोग बार्कले का कार्यकाल इस साल खत्म हो रहा है लेकिन शाह ने यह नहीं बताया कि वह इस पद की दौड़ में हैं या नहीं। उन्होंने कहा ," मुझे यहां बीसीसीआई में रहने दीजिये। अटकलें लगने दीजिये लेकिन मुझे यहां रहने दीजिये। क्या मैं अच्छा काम नहीं कर रहा हूं।

केकेआर और मुंबई के बीच मैच आज

नई दिल्ली, 10 मई। कोलकाता नाइट राइडर्स शनिवार (11 मई) को ईडन गार्डन्स में मुंबई इंडियंस का सामना करेगी। केकेआर 11 में से आठ मैच जीतकर अंक तालिका में टॉप पर है। नाइट राइडर्स ने अपने पिछले पांच मुकाबलों में चार में जीत दर्ज की है। वहीं, मुंबई ने अपने 12 मैचों में चार जीते हैं। प्वाइंट्स टेबल में आठवें पायदान पर है। एमआई ने अपने पिछले पांच मुकाबलों में से एक मैच जीता है। कोलकाता और मुंबई ने एक–दूसरे के खिलाफ 33मैच खेले हैं। केकेआर ने 10 और एमआई ने 23 मुकाबले जीते हैं। कोलकाता का मुंबई के खिलाफ उच्चतम स्कोर 232 है। जबकि केकेआर के खिलाफ इंडियंस का हाईस्कोर 210 है। दोनों टीमों के बीच आखिरी मैच इस साल 3 मई को हुआ था। वेंकटेश अय्यर (70 रन) कोलकाता की जीत के हीरो रहे थे। ईडन गार्डन्स की पिच बल्लेबाजी के लिए बेहतरीन मानी जाती है। यहां उछाल के साथ सपाट सतह है, जो बल्लेबाजों को शॉट आसानी से खेलने में मदद करता है।

निकहत जरीन को मिलेंगे हाई-टेक उपकरण, शरत कमल जर्मनी में लेंगे प्रशिक्षण

नयी दिल्ली, 10 मई। युवा मामले और खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने दो बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज निकहत जरीन को पेरिस 2024 ओलंपिक की तैयारी के लिए उच्च तकनीकी (हाई–टेक) उपकरण उपलब्ध कराने अनुरोध और टेनिस खिलाड़ी शरत कमल को जर्मनी में प्रशिक्षण को मंजूरी दे दी है।

इन अत्याधुनिक उपकरणों में लेजर यूनिट–बीटीएल, एंकल रैप गेम रेडी, फुल लेग रैप गेम रेडी, हैंड रिस्ट रैप गेम रेडी और ट्रॉली बीटीएल लेजर यूनिट शामिल हैं। इन सभी में हाई–इंटेंसिटी वाले लेजर एप्लीकेशन का उपयोग किया जाता है जो ऑपरेटर की आवश्यकता के बिना समान रूप से ऊर्जा के प्रसार को नियंत्रित करता है। ये उपकरण पीठ जकड़न, मांसपेशियों के दर्द को कम करने और चोट से उबरने में अत्यधिक प्रभावी होती है। निकहत जरीन ने हांगझोऊ में एशियाई खेल 2023

में कांस्य पदक जीतने के बाद महिलाओं की 50 किग्रा वर्ग में आगामी ग्रीष्मकालीन खेलों के लिए पहले ही अपनी जगह पक्की कर ली थी।

एमओसी ने शरत कमल के जर्मनी के डसेलडोर्फ में राष्ट्रीय टेबल टेनिस प्रशिक्षण केंद्र में उनके कोच क्रिस फिफर और सेंटर कोच डैनी हेस्टर के सानिध्य में 22 दिनों के प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। यह धनराशि टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टोप्स) पहल के तहत आवंटित की जाएगी, जिसका उद्देश्य भारतीय एथलीटों को वैश्विक आयोजनों, विशेषकर ओलंपिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करना है।

पेरिस 2024 में जाने वाली रेसवॉकर प्रियंका गोस्वामी के कोच ब्रेंट वालेंस के तहत ऑस्ट्रेलिया में प्रशिक्षण लेने के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दे दी गई है। प्रियंका, जो पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने वाली पहली भारतीय ट्रैक एंड फील्ड एथलीट थीं, वह कैनबरा के पास उच्च तकनीकी वाले प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण लेंगी और आगामी ग्रीष्मकालीन खेलों की तैयारी के लिए कुछ स्थानीय प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लेंगी।

प्लेऑफ की रेस में बरकरार है आरसीबी

बेंगलुरु, 10 मई। फाप डु प्लेसिस की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बीते चार मैचों में धमाकेदार परफॉर्मेंस दी है। हाल ही में टीम ने शानदार जीत दर्ज की है। इस जीत को हासिल करने के साथ ही आरसीबी फिर से आईपीएल के प्लेऑफ की रेस में जगह बनाने में कामयाब हो गई है। आरसीबी ने नौ मई को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में पंजाब किंग्स को 60 रनों से हराया है। इस जीत के साथ आरसीबी की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बनी हुई है।

वहीं पंजाब अब इस हार के बाद प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। वहीं इस जीत से आरसीबी की उम्मीद प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अब भी बरकरार है। आरसीबी 12 मैचों में से पांच में जीत दर्ज कर चुकी है। पांच जीत हासिल करने के साथ ही पॉइंट्स टेबल में आरसीबी सातवें नंबर पर है। पंजाब जो अबतक आठवें नंबर पर थी वो आरसीबी से हारने के बाद नौवें नंबर पर पहुंच गई है। पंजाब 12 में से चार मैच जीती है।

आईपीएल की बात करें तो आरसीबी ने चार मैच जीत कर खुद को प्लेऑफ की रेस में शामिल किया है। आरसीबी के दमदार खेल के कारण चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपरजाइंट्स और दिल्ली कैपिटल का प्लेऑफ में पहुंचना मुश्किल लग रहा है। आईपीएल में प्लेऑफ का समीकरण समझने से पहले प्वाइंट्स टेबल पर भी नजर डालते है। पंजाब पर जीत दर्ज करने के बाद 5 मैच जीत कर रॉयल चैलेंज बैंगलोर 10 अंक के साथ है।

ईशान, अय्यर को केन्द्रीय अनुबंध से बाहर रखने का फैसला अगरकर का : जय शाह

मुंबई, 10 मई। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर रखने का फैसला मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर का था। बीसीसीआई से निर्देश मिलने के बावजूद घरेलू टूर्नामेंट नहीं खेलने पर ईशान और अय्यर को अनुबंध से बाहर रखा गया। ईशान पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद लंबे ब्रेक पर चले गए और आईपीएल में ही लौटे। वहीं अय्यर ने रणजी ट्रॉफी में सेमीफाइनल और फाइनल समेत मुंबई के लिये कुछ मैच खेले। मुंबई टीम जब रणजी खेल रही थी तब अय्यर कोलकाता नाइट राइडर्स के मुंबई शिविर में भाग ले रहे थे।

शाह ने बीसीसीआई कार्यालय पर मीडिया से बातचीत में कहा ," आप संविधान देख सकते हैं। मैं चयन समिति की बैठक बस बुलाता हूं।" उन्होंने कहा ,"वह फैसला अजित अगरकर का था। जब इन दोनों खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट नहीं खेला तो उन्हें बाहर रखने का फैसला अगरकर का ही था। मेरा काम बस उस पर अमल करने का है। हमें संजू सैमसन जैसा अच्छा खिलाड़ी मिल गया। कोई भी अपरिहार्य नहीं है।" शाह ने कहा कि उन्होंने बाद में दोनों खिलाड़ियों से बात भी की।

उन्होंने कहा ," मैने उनसे बात की। मीडिया में रिपोर्ट भी आई थी। हार्दिक पंड्या ने भी कहा था कि अगर बीसीसीआई सफेद गेंद के क्रिकेट के लिये उन्हें चुनता है तो वह विजय हजारे और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेलने के लिये तैयार है। हर खिलाड़ी को खेलना होगा , भले ही वह नहीं चाहता हो।" गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच मैच के बाद उन्होंने ईशान से क्या बातचीत की, यह पूछने पर उन्होंने कहा ," मैने उसे कोई सलाह नहीं दी। यह दोस्ताना बातचीत थी कि उसे अच्छा खेलना चाहिये। मैं सभी खिलाड़ियों से ऐसे ही बात करता हूं।

आयरलैंड ने पाक को 5 विकेट से दी पटखनी

डबलिन, 10 मई। एंडी बैलबर्नी (77) और हैरी टेक्टर (36) रनों की शानदार बल्लेबाजी के दम पर आयरलैंड ने शुक्रवार को पहले टी–20 मुकाबले में पाकिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ आयरलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1–0 से बढ़त बना ली है। आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 182 रन का स्कोर खड़ा किया था। पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में मोहम्मद रिजवान (1) का विकेट गवां दिया। सईम अयूब और कप्तान बाबर आजम ने पारी को संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट लिये 85 रनों की साझेदारी हुई। सईम अयूब ने 29 गेंदों में (45) और बाबर आजम ने 43 गेंदों में (57) रनों की पारी खेली। फखर जमान(20) आजम खान (शून्य) और शदाब खान (शून्य) पर आउट हुये। इफ़्तिख़ार अहमद ने 15 गेंदों में नाबाद 37 रनों की पारी खेली।

धीमी शुरुआत के बाद डी गुकेश की धमाकेदार वापसी, प्रज्ञानानंदा रहे तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली, 10 मई। विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर डी गुकेश ने धीमी शुरुआत के बाद डी गुकेश ने जोरदार वापसी की। गुकेश ने शुक्रवार को सुपरबेट रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से ड्रॉ खेलने से पहले हमवतन आर प्रज्ञानानंदा और जर्मनी के विन्सेंट केमर को शिकस्त दी। प्रज्ञानानंदा ने पांचवें दौर में होलैंड के अनीष गिरी को पराजित किया और फिर छठे दौर में केमर पर जीत हासिल की। नार्वे के कार्लसन ने आठ अंक लेकर चीन के वेई यि के साथ संयुक्त बढ़त बनाई हुई है जबकि प्रज्ञानानंदा और शेवचेंको सात सात अंक लेकर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव, गुकेश और अर्जुन एरिगेसी छह छह अंक लेकर संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं।

ये सभी स्थानीय स्टार डुडा जान क्रिस्तोफ से पूरे एक अंक आगे हैं। चार अंक से केमर नौवें स्थान पर हैं और गिरी से पूरे एक अंक आगे हैं। हालांकि रोमानिया के किरिल शेवचेंको का स्वप्निल सफर एरिगेसी ने समाप्त किया जिन्होंने टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल की। पहले दो दौर में हार के बाद ड्रा खेलने वाले गुकेश ने चौथे दौर में प्रज्ञानानंदा को 41 चाल में पराजित किया। इसके बाद गुकेश ने केमर को हराया और कार्लसन से बाजी ड्रॉ कराई।

भारतीय खिलाड़ियों को खेल-विशिष्ट सहयोगी स्टॉफ से मदद मिलेगी : पीटी उषा

नयी दिल्ली, 10 मई। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) अध्यक्ष पीटी उषा ने शुक्रवार को ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ियों को पेरिस में सर्वोत्तम संभव सहायता का आश्वासन देते हुए कहा कि खिलाड़ियों की सुविधा और समय की बचत के लिए खेल–विशिष्ट सहयोगी स्टाफ को खेल गांव के करीब रखा जाएगा। पेरिस में भारतीय एथलीटों और सहयोगी स्टाफ की व्यवस्था को अंतिम रूप देने के बाद भारत लौटीं उषा ने कहा कि आईओए ने यह भी सुनिश्चित किया है कि निशानेबाज और गोल्फ खिलाड़ी अपने–अपने आयोजन स्थलों के करीब रहें। चेटेउरौक्स निशानेबाजी क्रेंद पेरिस से लगभग दो घंटे की दूरी पर है, जबकि ले गोल्फ नेशनल ओलंपिक हब से एक घंटे की दूरी पर है।

उन्होंने यहां जारी बयान में कहा, "हम एथलीटों के गांव से थोड़ी दूरी पर कई खेल–विशिष्ट सहयोगी सदस्यों के लिए आवास सुरक्षित करने में सक्षम हैं। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कोई भी खिलाड़ी अपनी सहायता प्रणाली से वंचित न रहे और इसलिए हमने आसपास के क्षेत्र में अपार्टमेंट बुक किए हैं।" उन्होंने कहा, "हमने यह सुनिश्चित किया है कि हमारे निशानेबाज और गोल्फ खिलाड़ी अपने–अपने आयोजन स्थलों के करीब रहें।"

पूर्व दिग्गज धाविका ने मजबूत समर्थन प्रणाली की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय खिलाड़ी पिछले कुछ वर्षों में लगातार अपने प्रदर्शन में सुधार कर रहे है। उन्हें शीर्ष प्रदर्शन हासिल करने के लिए बेहतर समर्थन प्रणाली की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, " एक खिलाड़ी और खुद कोच के तौर पर मैंने हमारे एथलीटों के लिए समर्थन प्रणाली के विकास को देखा है। वे प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा के दृष्टिकोण में बहुत पेशेवर हो गए हैं।

शतरंज की ट्रेनिंग भले ही सस्ती दिखे लेकिन यह खेल काफी महंगा है : प्रज्ञानानंदा

वारसॉ, 10 मई। युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने शुक्रवार को शतरंज के लिए मजबूत वित्तीय समर्थन की मांग करते हुए इस अवधारणा को खारिज किया कि इस खेल में ट्रेनिंग के लिए कम वित्तीय राशि की जरूरत होती है। प्रज्ञानानंदा ने हाल में पहली बार टोरंटो में फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था और वह इस समय ग्रां शतरंज टूर के अंतर्गत रैपिड एवं ब्लिट्ज पोलैंड में खेल रहे हैं। इस 18 साल के खिलाड़ी ने कहा, "शतरंज की ट्रेनिंग भले ही आसान और सस्ती दिखे लेकिन इसके लिए यात्रा करना और सामान इकट्ठा करना बहुत ही महंगा होता है। इसलिये मैं अडानी ग्रुप से सहयोग मिलने के लिए उनका आभारी हूं। " प्रज्ञानानंदा ने पिछले कुछ वर्षों में तेजी से ऊपर की ओर कदम बढ़ाये हैं और इस दौरान मैग्नस कार्लसन सहित कुछ शीर्ष खिलाड़ियों को पराजित किया है। उन्होंने शतरंज के समर्थन के लिए कोरपोरेट जगत को आगे आने की जरूरत पर ध्यान दिलाते हुए कहा, "शीर्ष स्तर के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेना काफी मुश्किल हो सकता है क्योंकि ये काफी मंहगे होते हैं। " उन्होंने कहा, "मेरे माता पिता को वित्तीय परेशानियों का सामना करना पड़ा था लेकिन मेरा पहला प्रायोजक मिलने के बाद थोड़ी मदद मिली। " अडानी ठ्गुप की एक विज्ञिप्त में प्रज्ञानानंदा ने कहा, "यह मुश्किल था

क्योंकि मेरी बहन भी खेल रही थी और उसे भी टूर्नामेंट के लिए यात्रा करनी पड़ती थी। इसलिये खेलों के लिए कोरपोरेट प्रायोजक काफी जरूरी हैं। "

उनकी बड़ी बहन आर वैशाली टोरंटो में फिडे महिला कैंडिडेट्स में संयुक्त उप विजेता रही थीं। चेन्नई के इस युवा खिलाड़ी ने यह भी कहा कि शतरंज के 14 राउंड खेलने के लिए खिलाड़ी को शारीरिक रूप से भी फिट होना चाहिए और वह अपनी फिटनेस के लिए बैडमिंटन और बीच वॉलीबॉल खेलते हैं। उन्होंने कहा, "कैंडिडेट्स की तैयारी के लिए मैं शारीरिक रूप से फिट होने के लिए कुछ खेल खेल रहा था। मैं शिविर के दौरान व्यायाम कर रहा था। हमें शतरंज की ट्रेनिंग के इतर शारीरिक ट्रेनिंग के लिए भी कुछ निश्चित समय दिया जाता है। हाल में मैंने बीच वॉलीबॉल खेलना शुरू किया।"

प्रज्ञानानंदा ने कहा, 'आपको लंबे टूर्नामेंट के लिए तैयार होने की जरूरत होती है क्योंकि 14 मैच खेलना आसान नहीं है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान फोकस बनाये रखने पर हम काम कर रहे हैं। " उन्होंने कहा, "14 मैच खेलना बहुत थकाने वाला होता है। शारीरिक फिटनेस की बात तब सामने आती है जब आप पांच–छह घंटों तक एक ही बाजी खेलते रहते हो। अगर आप पूरे टूर्नामेंट में ऐसा करते हो तो निश्चित रूप से ध्यान लगाये रखना बहुत थकाऊ होता है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को महाराष्ट्र के पुणे शहर में प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन में शामिल हुए और साथी राजस्थानियों से पुणे लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मुरलीधर मोहोल के समर्थन में अधिक से अधिक मतदान करके उन्हें जिताने की अपील की।

राष्ट्रहित और समाज सेवा मारवाड़ियों का मूल स्वभाव- मु.मंत्री भजनलाल

■ **पुणे में प्रवासी राजस्थानियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री न यह भी कहा कि, मारवाड़ी समुदाय के लिए हमेशा देश सर्वोपरि होता है।**

पुणे, 10 मई। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को पुणे में प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन में शिरकत की। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, पिछले एक दशक में देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजनीतिक दलों को बदलने के लिए मजबूर कर दिया है। वर्ष 2014 से पहले, कांग्रेस सरकार के समय देश में भ्रष्टाचार और घोटालों की इबारतें लिखी जाती थीं। उस समय नस्लवाद और आतंकवाद का बोलबाला था। लेकिन मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद केवल एक बार ही ऐसा दुस्साहस हुआ, जिसका भी मुंह तोड़ जवाब दिया गया।

उन्होंने कहा कि, मारवाड़ियों के मूल स्वभाव में समाज सेवा और राष्ट्रिहत निहित है। मारवाड़ी राष्ट्रिहत की नींव से जुड़े होते हैं और देश इनके लिए सर्वोपरि होता है। उन्होंने कहा कि, 21वीं सदी में भारत को आगे ले जाने के लिए वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरे स्थान की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि, जहां एक तरफ गरीबी हटाने के नाम पर सिर्फ वोट मांगने वाले लोग हैं, वहीं दूसरी तरफ गरीब कल्याण से लेकर देश के विकास, सीमाओं की सुरक्षा एवं दुनिया में देश के गौरव को बढ़ाने वाले मोदी जी हैं। प्रधानमंत्री ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाने का अभूतपूर्व काम किया है।

मु.मंत्री भजनलाल ने उपस्थित जनों से, पुणे लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मुरलीधर मोहोल के समर्थन में अधिक से अधिक मतदान कर उन्हें विजयी बनाने की अपील की।

'बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ काफी सबूत'

दिल्ली राउज़ एवेन्यु कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय किए जाने के दौरान टिप्पणी की

■ **राउज़ एवेन्यु कोर्ट में एडिशनल चीफ मैट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने बृजभूषण पर यौन शोषण के साथ महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप भी तय किया।**

■ **बृजभूषण के खिलाफ 7 गवाह मिले हैं तथा यौन शोषण की जगहों पर उनकी मौजूदगी के सबूत भी मिले हैं।**

■ **आरोप है कि, बृजभूषण शरण सिंह ने रैसलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद पर रहने के दौरान महिला पहलवानों का यौन शोषण किया था।**

नई दिल्ली, 10 मई। महिला पहलवानों से यौन शोषण मामले में कैसरगंज से भाजपा सांसद और रैसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यु.एफ.आई.) के पूर्व चीफ बृजभूषण शरण सिंह पर आरोप तय हो गए हैं। दिल्ली की राउज़ रेवन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को उनके खिलाफ आरोप तय किए। अदालत ने कहा कि, बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं।

ज्ञातव्य है कि, दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ बीते साल 15 जून को चार्जशीट दाखिल की थी। बृजभूषण के खिलाफ धारा 354, 354-ए, 354-डी और 506 के तहत आरोप लगाए गए थे।

राउज़ एवेन्यू कोर्ट में एडिशनल चीफ मैट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (ए.सी.एम.एम.) प्रियंका राजपूत ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आदेश पारित किया। अदालत ने बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण के साथ ही किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप भी तय किया है। अदालत ने बृजभूषण के डब्ल्यु.एफ.आई. चीफ रहते उनके सेक्रेटरी विनोद तोमर के खिलाफ भी आरोप तय किए हैं।

यौन शोषण के आरोप तय होने पर बृजभूषण शरण सिंह ने प्रतिक्रिया भी दी है। उन्होंने कहा, "प्रथम दृष्टया न्यायालय ने आरोप तय किए हैं। चार्जशीट लगी थी। मैंने प्रोटैस्ट किया था। मैं कोर्ट के ऑर्डर का स्वागत करता हूं। अब मेरे लिए ऑप्शन खुले हैं। इस प्रकरण का सामना किया जाएगा।"

बृजभूषण के खिलाफ करीब 7 गवाह मिले हैं। वहीं, यौन शोषण के कथित स्थान पर उनकी मौजूदगी के भी सबूत मिले हैं। चार्जशीट की पहली सुनवाई पर कोर्ट ने इसे एम.पी.-एम.एल.ए. कोर्ट में ट्रांसफर किया था। इसके अलावा, कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को चार्जशीट की एक कॉपी शिकायतकर्ता पहलवानों को देने के आदेश दिए थे।

बालिग पहलवानों के केस में पुलिस ने 1500 पन्नों की चार्जशीट पेश की। इसमें पुलिस ने पहलवानों के सी.आर.पी.सी. की धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट के आगे दिए बयान को चार्जशीट का प्रमुख आधार माना है। पुलिस ने कहा कि, बालिग पहलवानों ने जिस जगह पर उनके साथ यौन शोषण के आरोप लगाए हैं, वहां आरोपियों की मौजूदगी के सबूत मिले हैं।

हेमंत सोरेन को राहत नहीं मिली

■ **सुप्रीम कोर्ट ने सोरेन की याचिका पर अगले सप्ताह विचार करने की बात कही।**

नयी दिल्ली, 10 मई। उच्चतम न्यायालय ने झारखंड में कथित भूमि घोटाले से संबंधित धन शोधन के एक मामले में तीन माह से अधिक समय से न्यायिक हिरासत में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को शुक्रवार को भी कोई राहत नहीं दी और कहा कि उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर वह अगले सप्ताह सुनवाई करेगा।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दिपांकर दत्ता की पीठ ने इस मामले में तीन मई के उच्च न्यायालय के आदेश का संज्ञान लेते हुए कहा कि, सोरेन की अनुच्छेद 32 के तहत शीर्ष अदालत में दायर याचिका, जो सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रहने की अवधि को देरी का आधार बनाकर दायर की गई थी, का अब कोई अर्थ नहीं रहा।

पीठ ने अनुच्छेद 32 के तहत दायर उस याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि, झारखंड उच्च न्यायालय की ओर से याचिका खारिज करने के आदेश को चुनौती देने वाली सोरेन की गुहार पर वह अगले सप्ताह विचार करेगी।

'चुनाव प्रचार में भाग लेना न तो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव में प्रचार करने का अधिकार कोई संवैधानिक, मौलिक और यहाँ तक कि विधिक अधिकार भी नहीं है। किसी भी राजनेता को चाहे वह चुनाव में प्रत्याशी ना भी हो, तब भी कभी चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत नहीं दी गई और चुनाव लड़ने वाला कोई प्रत्याशी यदि जेल में है तो उसे खुद के चुनाव प्रचार के लिए भी कभी अंतरिम जमानत पर रिहा नहीं किया गया।"

जाँच एजेन्सी ई.डी. ने अपने शपथ पत्र में कहा कि "कोई भी राजनेता किसी सामान्य नागरिक से अधिक के विशेष दर्जे का दावा नहीं कर सकता और उसे कोई अपराध करने पर देश के किसी अन्य नागरिक की भांति गिरफ्तार किया जा सकता है और जेल में बंद किया जा सकता है। ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जिनमें न्यायिक हिरासत में रहने के दौरान राजनेताओं ने चुनाव लड़े और उनमें से कुछ जीते भी, लेकिन चुनाव प्रचार के लिए उन्हें कभी अंतरिम जमानत नहीं दी गई।"

शपथ पत्र में कहा गया है कि "यदि चुनाव प्रचार के अधिकार को अंतरिम जमानत मंजूर करने का आधार माना जाए तो इससे अनुच्छेद 14 के सिद्धान्तों का उल्लंघन होगा क्योंकि अपराध करने वाले किसी किसान के लिए फसल कटाई के लिए अंतरिम जमानत लेना भी उना ही महत्वपूर्ण है और किसी कंपनी का डायरैक्टर, कंपनी बोर्ड की मीटिंग या वार्षिक आम मीटिंग के लिए भी अंतरिम जमानत की मांग कर सकता है।"

ई.डी. ने केजरीवाल को दिल्ली के आबकारी घोटाले का "सरगना" और मुख्य षड़यंत्रकर्ता बताते हुए शीर्ष अदालत से कहा कि केजरीवाल को नौ समन जारी किए गए थे, लेकिन उनके बावजूद वह "पूछताछ" से बचते रहे जिससे ई.डी. के जाँच अधिकारी को यकीन हो गया कि वे मनी लॉण्ड्रिंग के दोषी हैं।

ई.डी. ने केजरीवाल की अंतरिम जमानत नामंजूर करने का बैंच से अनुरोध करते हुए कहा कि "यह ना केवल विधि के निर्धारित सिद्धांतों के खिलाफ होगा, बल्कि इससे "विधि का शासन," जो कि संविधान की मूल अवधारणा हैं का भी उल्लंघन होगा।"

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केजरीवाल अपनी अंतरिम जमानत की अवधि के दौरान अपने कार्यालय अथवा दिल्ली सचिवालय में नहीं जा सकते। कोर्ट ने जमानत शर्तों के रूप में उन पर कुछ प्रतिबंध लगाए हैं।

बैंच ने केजरीवाल से कहा कि वह 21 दिन की अपनी अंतरिम जमानत अवधि के दौरान किसी ऑफिशियल फाइल पर तब तक हस्ताक्षर नहीं करेंगे, जब तक कि उस पर दिल्ली के लैफ्टिनैंट गवर्नर का अनुमोदन लेना बेहद जरूरी ना हो। बैंच ने केजरीवाल को यह निर्देश भी दिया कि वे जेल अधीक्षक की तुष्टि के लिए 50,000 रूपए की जमानत का मुचलका भरें।

शीर्ष अदालत ने कहा कि "केजरीवाल वर्तमान केस से संबंधित अपनी भूमिका को लेकर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे और इस केस से संबंधित किसी गवाह से बातचीत नहीं करेंगे और केस से संबंधित किसी सरकारी फाइल तक अपनी पहुंच नहीं बनाएंगे।" कोर्ट ने केजरीवाल को राहत प्रदान करते हुए कहा कि "इसमें कोई संदेह नहीं इनके विरूद्ध गंभीर आरोप हैं, लेकिन यह भी है कि इनका अभी तक दोष सिद्ध नहीं हुआ है। इनकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं रही है और ये समाज के लिए भी खतरा नहीं हैं।"

'भारत को परमाणु...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और वो ऐसा करके पाकिस्तान के आंतकवाद की ढाल बनने की कोशिश करती है। यहां पार्टी के मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रैंस में उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस आदतन माफी मांगने वाली पार्टी और पाकिस्तान व उसके आतंकवाद की रक्षक बन गई है, जबकि पाकिस्तान के विदेश मंत्री राहुल गांधी का समर्थन कर रहे हैं।

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि "असल में अय्यर के बयान ने राहुल गांधी व सम्पूर्ण कांग्रेस की विचारधारा व नीतियों की पोल खोल दी है और इस बयान से उनकी पाकिस्तान के साथ नजदीकियों का पता चलता है जो आतंकवाद को प्रायोजित करता है और वे पाकिस्तान के लिए प्रचारक के तौर पर काम कर रहे हैं। अय्यर के इस कथन पर कि, भारत को परमाणु शक्ति सम्पन्न पाकिस्तान से डरना चाहिए, पर मंत्री चन्द्रशेखर ने कहा: "यह नया भारत है जो किसी से नहीं डरता है।" उन्होंने कहा कि, कांग्रेस की यह सामान्य प्रक्रिया है कि वह ऐसे नेताओं के बयानों से पार्टी को अलग कर लेती है और बाद में उन्हें ईनाम देती है।

'कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हवाले से कहा गया है कि 'यह आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर शंकाए पैदा करता है।"

कांग्रेस अध्यक्ष ने पत्र में कहा था, आयोग ने मतदान के आंकड़े जारी करने में "अत्यधिक विलंब किया है" और प्रारंभिक आंकड़ों की तुलना में अंतिम आंकड़ों में "ऊंची वृद्धि" हुई है जो ईवीएम को लेकर भी कुछ सवाल उठाते हैं।

आयोग ने जवाब में कहा है कि आपने डेटा जारी करने के समय और उसमें वृद्धि को उन निर्वाचन क्षेत्रों के साथ जोड़ा है जहां सत्तारूढ दल ने 2019 में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। आप ने यह आरोप लगा दिया कि, ये सब बातें चुनाव परिणाम को प्रभावित करने का प्रयास हैं।

आयोग ने खड़गे को लिखा है कि, उन्होंने अपने पत्र के विषय में जांच करने लायक तथ्यों और उच्चतम न्यायालय के पहले आ चुके स्पष्ट निणर्यों के बाद भी एक पक्षपात पूर्ण कहानी प्रस्तुत करने की कोशिश की है।

हेमंत सोरेन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बचाया जा सके। मुझे खुशी है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क को समझा है।"

इसी दौरान केजरीवाल जिनको एनफोर्समैंट डायरेक्टोरेट (ई.डी.) ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था, को शीर्ष अदालत ने एक जून तक के लिए अंतरिम जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने उन दलीलों को खारिज कर दिया कि, केजरीवाल को जमानत देने से राजनीतिज्ञ आम आदमी की तुलना में विशिष्ट माने जाएंगे। कोर्ट ने माना है कि आम चुनाव "इस वर्ष का सबसे महत्वपूर्ण और अहम आयोजन है" और "असाधारण महत्व" के हैं। कोर्ट ने यद्यपि, केजरीवाल की जमानत पर कुछ शर्तें रखी हैं जिनके अनुसार केजरीवाल मुख्यमंत्री कार्यालय और दिल्ली सचिवालय नहीं जाएंगे और किसी आधिकारिक फाइल पर दस्तखत तब तक नहीं करेंगे जब तक कि वह फाइल उपराज्यपाल से किसी जरूरी अनुमति/भुगतान के लिए ऐसा करना जरूरी न हो।

बीजापुर में नक्सलियों से मुठभेड़ में 12 नक्सली मरे, दो जवान घायल

■ **मौके से पुलिस को भारी मात्रा में हथियार भी मिले है।**

■ **पुलिस सूत्रों ने बताया कि, पीड़ा के जगलों में दंतेवाडा, बीजापुर और सुकमा जिलों की पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही की, इसमें जिला रिज़र्व पुलिस बल, टॉस्क फोर्स व केन्द्रीय सुरक्षा बल भी शामिल थे।**

बीजापुर, 10 मई। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के पीड़ा के जंगलों में आज सुबह से पुलिस और नक्सलियों के बीच जारी मुठभेड़ में देर शाम तक मृतक नक्सलियों की संख्या बढ़ कर ग्यारह हो गयी। वहीं, दो जवान घायल हो गए हैं। मौके से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद हुए हैं तथा सर्च अभी भी जारी है। दक्षिण बस्तर क्षेत्र के उप पुलिस महानिरीक्षक कमलोचन कश्यप ने बताया कि, बीजापुर जिला मुख्यालय से 55 किलोमीटर दूर पीड़ा के जंगलों में नक्सलियों का बड़ा लीडर होने की सूचना पर दंतेवाड़ा, बीजापुर तथा सुकमा, तीन जिलों के जवानों ने शुक्रवार सुबह से संयुक्त ऑपरेशन लॉन्च किया। इसके तहत जिला रिजर्व पुलिस बल, स्पेशल टास्क फोर्स, केन्द्रीय सुरक्षा बल सहित कोबरा बटालियन समेत 12 सौ से अधिक जवानों ने इलाके को घेर लिया।

कमलोचन ने बताया कि, सुबह से जारी मुठभेड़ के बाद सर्च अभियान शुरू किया गया। देर शाम तक नक्सलियों के ग्यारह शव बरामद किए गए और भारी मात्रा में हथियार भी बरामद हुए, जिसमें बारह बंदूकें भी शामिल हैं। मुठभेड़ के दौरान पास के ही केन्द्रीय सुरक्षा बल के कैम्प से पुलिस के उच्च अधिकारी कमान संभाले हुए थे। इस मुठभेड़ में दो जवान भी घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया है।

शराब के ठेके चलाने की अवधि...

■ **राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि, आचार संहिता लगने के कारण उनके पास नई निविदा आमंत्रित करने का समय नहीं था और यह मामला राज्य सरकार के राजस्व से संबंधित है इसलिए टाला नहीं जा सकता था।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया था।

मामले के तथ्यों के अनुसार राज्य सरकार ने इस वर्ष "लिकर पॉलिसी 2024-25" को जारी किया और इस नीति के अनुसार जनवरी-फरवरी में शराब के ठेकों के लाइसेंस के आवंटन के लिये निविदा आमंत्रित की। परंतु जब 50 प्रतिशत से भी अधिक लाइसेंस धारकों ने निविदा में भाग नहीं लिया, तब राज्य सरकार की ओर से ना केवल एकतरफा कार्रवाई करते हुए लाइसेंस धारकों की अवधि बढ़ाई, बल्कि इन लाइसेंस धारकों को कहा कि वे उनके द्वारा जमा की गई सुरक्षा राशि को जब्त कर लेंगे। राज्य सरकार ने कहा कि यह आदेश जून तक जारी रहेगा, उसके बाद पुनः नई निविदा आमंत्रित की जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि 500 पीड़ित लाइसेंस धारक अदालत के समक्ष पहुंचे तो उन्होंने कहा कि उन्होंने निविदा में भाग इसलिये नहीं लिया क्योंकि उन्हें राज्य सरकार को तय दर पर राजस्व देने में भारी घाटा हो सकता था। उन्होंने अदालत को कहा कि नियमानुसार राज्य सरकार उन्हें एकतरफा कार्वाई करके उन्हें विवश नहीं कर सकती कि उनकी लाइसेंस की अवधि बढ़ाई जाये।

दूसरी ओर राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि यह मामला राज्य सरकार के राजस्व से संबंधित है और राज्य सरकार के पास शराब के ठेकों के आवंटन के लिये दूसरी निविदा आमंत्रित करने का समय नहीं था क्योंकि आचार संहिता लगा दी गई थी। उन्होंने कहा कि कानून के तहत वे लाईसेंस धारकों को नोटिस देकर यह आदेश दे सकते थे कि वे कब और कैसे शराब के ठेके संचालित करें। इस पर प्रतिक्रिया करते हुए याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि राज्य सरकार लाईसेंस धारकों को 31 मार्च तक ही नोटिस दे सकती थी जो लाईसेंस की अवधि का समय था, उसके बाद नहीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास अन्य एजेंसिया भी हैं, जो इन ठेकों का संचालन कर सकती हैं, परंतु याचिकाकर्ताओं को घाटे पर ठेकों का संचालन करने के लिये विवश नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय प्रश्न यह है कि याचिकाकर्ताओं को नई सरकार में ठेके चलाने में घाटा क्यों हो रहा है जबकि नई लिकर पॉलिसी और पुरानी लिकर पॉलिसी में कोई खास अंतर नहीं है। इस सवाल का जवाब अदालत में याचिकाकर्ताओं की ओर से नहीं दिया गया। पर यह सवाल जरूर उठता है कि क्या पिछली सरकार में कई लाइसेंस धारकों को लाभ की गारंटी थी?

बहरहाल अदालत ने राज्य सरकार को आदेश दिये हैं कि याचिकाकर्ताओं के द्वारा दी गई सुरक्षा राशि को चार हफ्ते में लौटाया जाये और यदि सरकार उससे अधिक समय लेती है तो उसे छह प्रतिशत ब्याज भी देना होगा।

केजरीवाल को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यालय में भी नहीं जाएंगे।

जमानत अवधि समाप्त होने के बाद उन्हें समर्पण करना होगा और वो 2 जून को वापस जेल जाएंगे।

शर्त यह भी है कि मामले के किसी भी गवाह से बातचीत नहीं करेंगे और न ही वे इस केस से संबंधित कार्यालय की फाइल देखेंगे।

देश भर में एक जुलाई से तीन नए आपराधिक कानून लागू होंगे

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मालिनी अग्रवाल ने मीडिया से वार्ता में यह जानकारी दी और कहा कि, नए कानूनों में पीड़ितों और न्याय पर फोकस किया गया है

■ **इन कानूनों के लागू होने के बाद से लेकर अदालत के निर्णय तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हो जाएगी और भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में आधुनिक तकनीक का सबसे अधिक इस्तेमाल करने वाला देश बन जाएगा।**

■ **पांच हजार रुपए से कम चोरी के मामलों में तथा छह अन्य श्रेणी के अपराधों में सामुदायिक सेवा का प्रावधान किया गया है।**

जयपुर, 10 मई। भारतीयता को ध्यान में रखते हुए, नए आपराधिक कानून "पीड़ित केन्द्रित" बनने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव के साथ लाए गए हैं। जिनमें न्याय और पीड़ित पर फोकस किया गया है। गृह मंत्रालय एवं पत्र सूचना कार्यालय जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में पत्रकारों के लिए, तीन नए आपराधिक कानूनों पर जयपुर में आयोजित कार्यशाला "वार्तालाप" में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस ट्रेनिंग, डॉ. मालिनी अग्रवाल ने ये विचार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि 1 जुलाई से तीन नए अपराधिक कानून देशभर में लागू हो जाएंगे। आज साइबर अपराधों कि संख्या में बढ़ोतरी हुई है। नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023, 25 दिसंबर 2023 को कानून बन गए, इसके साथ ही भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में एक नए युग की शुरुआत हुई है। तीन नए प्रमुख कानूनों का मकसद सजा देने की बजाय न्याय देना है। उन्होंने कहा कि, नए कानूनों के साथ आने वाले समय में फॉरेंसिक लैब की सुविधा को जिला स्तर पर भी स्थापित किया जाएगा।

इस अवसर पर पत्र सूचना कार्यालय की अपर महानिदेशक ऋतु शुक्ला ने कहा कि, इस वार्तालाप का उद्देश्य नए कानूनों की जानकारी मीडिया के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचाना है, ताकि वे इन कानूनों के प्रति जागरूक हो सकें।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के सी.डी.टी.आई. से जुड़े समन्वयक, सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगमोहन शर्मा ने बताया कि, इन कानूनों के लागू होने के बाद से लेकर अदालत के निर्णय तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हो जाएगी और भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में आधुनिक तकनीक का सबसे अधिक इस्तेमाल करने वाला देश बन जाएगा। यह कानून तारीख-पे- तारीख के चलन की समाप्ति सुनिश्चित करेंगे और देश में एक ऐसी न्यायिक प्रणाली स्थापित होगी जिसके जरिए तीन वर्षों के भीतर न्याय मिल सकेगा।

उन्होंने बताया कि 35 धाराओं में समयसीमा निर्धारित की गई है। इलेक्ट्रॉनिक तरीके से शिकायत दायर करने के तीन दिन के भीतर दर्ज करने का प्रावधान है। साथ ही यौन उत्पीड़न के मामलों में सात दिन के भीतर जांच रिपोर्ट देनी होगी। पहली सुनवाई के 60 दिनों के भीतर आरोप तय करने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि भगोड़े अपराधियों की गैर-मौजूदगी के मामलों में 90 दिनों के भीतर केस दायर करने का प्रावधान किया गया है। साथ ही आपराधिक मामलों में सुनवाई पूरी होने के 45 दिनों के भीतर फैसला देना होगा।

छोटे-मोटे मामलों में सामुदायिक दण्ड का प्रावधान रखा गया है। पांच हजार रुपए से कम की चोरी के मामलों में सामुदायिक सेवा का प्रावधान किया गया है तथा छह अपराधों में सामुदायिक सेवा का प्रावधान है।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के सी.डी.टी.आई. से जुड़े समन्वयक, सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक चौहान ने बताया कि, भारतीय न्याय संहिता में महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराध पर एक नया अध्याय लिखा गया है, जिसके अंतर्गत उनके खिलाफ अपराधों से संबंधित करीब 35 धाराएं हैं। जिनमें लगभग 13 नए प्रावधान हैं और शेष में कुछ संशोधन किए गए हैं। सामूहिक दुष्कर्म में 20 साल का या आजीवन कारावास और नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म में मौत की सजा या आजीवन कारावास का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा यौन संबंध के लिए झूठे वादे करना या पहचान छुपाना अब एक अपराध की श्रेणी में होगा। पीड़िता के घर पर किसी महिला अधिकारी की मौजूदगी में बयान दर्ज करने का प्रावधान किया गया है। साथ ही पीड़िता के अभिभावकों की मौजूदगी में उसका बयान दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा तलाशी की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी अनिवार्य की गई है। साथ ही दुष्कर्म पीड़िता के ई-बयान का प्रावधान भी किया गया है। इसके अलावा अदालत में ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग पेश करने का प्रावधान किया गया है। इन कानूनों के अनुसार गवाह, अभियुक्त, विशेषज्ञ और पीड़ित अदालत में वर्चुअल माध्यम से पेश हो सकते हैं।

उन्होंने बताया कि, भगोड़े अपराधी के दोषी पाए जाने पर 10 वर्ष या अधिक की सजा, आजीवन कारावास या मौत की सजा का प्रावधान किया है। भगोड़े अपराधियों की संपत्ति जब्त करने के लिए अन्य देशों के साथ मिलकर आवश्यक कदम उठाए जाने का प्रावधान किया गया है। संगठित अपराधों पर नए प्रावधान बनाए गए हैं। आतंकवाद को परिभाषित करते हुए इसके प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को मजबूत किया गया है और आतंकवादी कृत्यों के लिए मृत्युदंड व आजीवन कारावास का प्रावधान किया गया है।

गृह मंत्रालय द्वारा नियुक्त रिसोर्स पर्सन एडवोकेट निशीथ दीक्षित ने कहा कि, पुलिस की जांच से लेकर अदालत की कार्यवाहियों को डिजिटल किया जाएगा। नए कानूनों में ई-रिकॉर्ड का प्रावधान किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत ज़ीरो एफ.आई.आर., ई-एफ.आई.आर. और चार्जशीट डिजिटल होंगे। पीड़ित को 90 दिनों के भीतर सूचना प्रदान की जाएगी और 7 साल या उससे अधिक की सजा के प्रावधान वाले मामलों में फॉरेंसिक जांच अनिवार्य होगी।

उन्होंने बताया कि, राजद्रोह को निरस्त कर देशद्रोह को परिभाषित किया गया है। इसमें भारत की संप्रभुता और अखंडता के खिलाफ कार्यों के लिए 7 साल तक की सजा या आजीवन कारावास का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि, नव संशोधित आपराधिक कानून बेहद सरल हैं और सहजता के साथ अध्ययन करने पर इन्हें आसानी से समझ जा सकता है। उन्होंने कहा कि, तीनों कानून सर्वोच्च न्यायालय के कई ऐतिहासिक फैसलों को ध्यान में रखते हुए बनाए गए हैं। इन कानूनों के लागू होने से न्याय त्वरित गति से मिलेगा, साथ ही मुकद्दमों की संख्या भी कम होगी। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य भी मान्य होंगे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908